■ ज्येष्ठ कृष्णा - 5 ■ संवत 2082 ■ वर्ष - 12 ■ अंक - 287 ■ पृष्ठ - 8 ■ रु. 5/- चेन्नई » शनिवार » 17-05-2025 ■ www.dakshinbharat.com ■ Email : chennai@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

தக்ஷின் பாரத் ராஷ்ட்ரமத் | தினசரி ஹிந்தி நாளிதழ் | चेन्नई और बेंगलूरु से एक साथ प्रकाशित

5 श्रमिक और उद्योगपति एक-दूसरे के पूरक हैं, न कि प्रतिस्पर्धी : योगी

6 अरुणाचली चाल है पाक के हक में चीन की बौखलाहट

7 'चक्रवर्ती सम्राट पृथ्वीराज चौहान' का हिस्सा बने आशुतोष राणा

फर्स्ट टेक

पंजाब में आईएसआई संचालित नशीले पदार्थ की तस्करी का भंडाफोड़

चंडीगढ़/भाषा। पंजाब पुलिस ने शुक्रवार को कहा कि उसने पाकिस्तान स्थित और आईएसआई नियंत्रित नार्को-तस्करी मॉड्यूल का भंडाफोड़ किया है और भारत में इससे संबंधित गतिविधियां चलाने वाले व्यक्ति को 85 किलोग्राम हेरोइन के साथ गिरफ्तार किया है। पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) गौरव यादव ने शुक्रवार को सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर पोस्ट के माध्यम से बताया, तरनतारन पुलिस ने आईएसआई नियंत्रित पाकिस्तान आधारित मादक पदार्थ तस्करी मॉड्यूल का पर्दाफाश किया है, जिसे ब्रिटेन में रहने वाले मादक पदार्थ तस्कर लल्ली द्वारा संचालित किया जा रहा था।

85 किलो हेरोइन के साथ एक गिरफ्तार

इजराइल ने यमन में दो बंदरगाहों पर हमला किया, गाजा में हमले तेज

देर अल-बलाह/एपी। इजराइल की सेना ने शुक्रवार को कहा कि उसने यमन में दो बंदरगाहों पर हमला किया। इसने कहा कि ये बंदरगाह हूती आतंकवादी समूह के नियंत्रण में थे। इसने दावा किया कि होदेदा और सालिफ बंदरगाहों का उपयोग हूती द्वारा हथियार ले जाने के लिए किया जाता था। किसी के हताहत होने की तत्काल कोई सूचना नहीं है।

बिहार सरकार ने गया शहर का नाम बदलकर 'गयाजी' किया

पटना/भाषा। बिहार सरकार ने शुक्रवार को गया शहर का नाम बदलकर 'गयाजी' करने के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की अध्यक्षता में हुई राज्य मंत्रिमंडल की बैठक में यह निर्णय लिया गया। अतिरिक्त मुख्य सचिव (कैबिनेट सचिवालय) एस. सिद्धार्थ ने बताया कि यह निर्णय शहर के ऐतिहासिक और धार्मिक महत्व के कारण लिया गया है।

रिजर्वबैंक ने डॉयचे बैंक एजी, यस बैंक पर जुर्माना लगाया

मुंबई/भाषा। रिजर्व बैंक ने शुक्रवार को कहा कि उसने कुछ नियामक मानदंडों का पालन न करने के लिए डॉयचे बैंक एजी, इंडिया और यस बैंक पर जुर्माना लगाया है। रिजर्व बैंक ने कहा कि डॉयचे बैंक एजी, इंडिया पर बैंकों में बड़े कर्ज को लेकर केंद्रीय रिपॉजिटरी बनाने से जुड़े कुछ निर्देशों का पालन न करने के लिए 50 लाख रुपये का जुर्माना लगाया गया है।

सूर्यास्त 17-05-2025 6:27 बजे	सूर्योदय 18-05-2025 5:42 बजे
BSE 82,330.59 (-200.15)	NSE 25,019.80 (-42.30)
सोना 9,890 रु. (24 कैरेट) प्रति ग्राम	चांदी 109,000 रु. प्रति किलो

संस्कृत विद्वान रामभद्राचार्य ज्ञानपीठ पुरस्कार से सम्मानित

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने शुक्रवार को प्रसिद्ध संस्कृत विद्वान जगद्गुरु रामभद्राचार्य और मशहूर कवि-गीतकार गुलजार को 58वां ज्ञानपीठ पुरस्कार प्रदान किया।

गुलजार के नाम से मशहूर सम्पूर्ण सिंह कालरा को हिंदी सिनेमा में उनके योगदान के लिए जाना जाता है और उन्हें इस दौर के बेहतरीन उर्दू शायरों में से एक माना जाता है। कवि-गीतकार गुलजार 'स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं' के कारण समारोह में शामिल नहीं हो सके।

चित्रकूट में तुलसी पीठ के संस्थापक 75 वर्षीय रामभद्राचार्य प्रसिद्ध हिंदू आध्यात्मिक नेता, शिक्षाविद और चार महाकाव्यों समेत 240 से अधिक पुस्तकों और ग्रंथों के लेखक हैं। संस्कृत विद्वान को पुरस्कार स्वरूप प्रशस्ति पत्र, नकद पुरस्कार और वाग्देवी सरस्वती की एक कांस्य प्रतिकृति प्रदान की गई।

पुरस्कार समारोह को संबोधित करते हुए राष्ट्रपति ने संस्कृत साहित्य और समाज के लिए रामभद्राचार्य के 'बहुआयामी योगदान' की सराहना की। उन्होंने कहा, ''रामभद्राचार्य जी ने उत्कृष्टता के प्रेरक दृष्टांत प्रस्तुत किए हैं। आप बहुमुखी प्रतिभा के धनी हैं और आपका योगदान बहुआयामी है। दृष्टि बाधित होने के बावजूद आपने अपनी दिव्य दृष्टि से साहित्य और समाज की असाधारण सेवा की है। आप एक सहज कवि हैं।''

मुर्मू ने कहा, ''आपके द्वारा लिखा गया संस्कृत साहित्य विपुल और उत्कृष्ट है। आप दिव्य भाषा संस्कृत के असाधारण उपासक हैं। भारतीय परंपराओं के सर्वश्रेष्ठ व्याख्याकारों में आपका विशेष स्थान है।''

उन्होंने पाणिनि की 'अष्टाध्यायी' की व्याख्या के साथ-साथ 'ब्रह्मसूत्र', 'भगवद गीता' और प्रमुख उपनिषदों पर उनकी टिप्पणियों के लिए उनकी सराहना की।

जब सभी को समान अवसर, न्याय मिलता है तभी संविधान सफल होता है : सिद्दरामय्या

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

उल्लाल (मंगलूरु)/भाषा। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या ने कहा कि जब सभी को समान अवसर और न्याय मिलता है तभी संविधान सफल होता है, इसीलिए उनकी सरकार सभी जातियों और धर्मों के गरीबों के उत्थान के लिए प्रतिबद्ध है और इसके लिए कई जनकल्याणकारी कार्यक्रम लागू किए गए हैं।

मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या ने शुक्रवार को यहां उल्लाल स्थित सैयद मदनी दरगाह के उर्स कार्यक्रम के दौरान एक सामाजिक सद्भाव सम्मेलन का उद्घाटन करने के बाद उसे संबोधित किया।

उन्होंने जोर देकर कहा कि तमाम आलोचनाओं के बावजूद उनकी सरकार गरीबों के उत्थान के लिए इन योजनाओं को जारी रखेगी।

उन्होंने कहा, ''हमें विविधता में एकता देखनी चाहिए। हम सभी को साथ लेकर चलने का प्रयास कर रहे हैं। जब सभी को समान अवसर और न्याय मिलता है तभी संविधान सफल होता है। सरकार इसी रास्ते पर चल रही है।''

इससे पहले मुख्यमंत्री ने दरगाह पर जियारत भी की। इस अवसर पर विधानसभा अध्यक्ष यू.टी. खादर और उल्लाल के काजी कांथापुरम ए.पी. अबूबकर मुस्लियार ने भी अपने विचार व्यक्त किए।

तमिलनाडु में 10वीं और 11वीं परीक्षा का परिणाम घोषित

चेन्नई/भाषा। तमिलनाडु माध्यमिक विद्यालय परित्याग प्रमाण पत्र (एसएसएलसी-10वीं) परीक्षा और उच्चतर माध्यमिक प्रमाण पत्र परीक्षा (प्लस वन-11वीं) में क्रमश: 93.8 प्रतिशत और 92.09 प्रतिशत विद्यार्थी उत्तीर्ण हुए हैं। सरकारी परीक्षा निदेशालय ने शुक्रवार को इस परीक्षा परिणाम की घोषणा की। पिछले वर्ष की तुलना में इस वर्ष दसवीं कक्षा (एसएसएलसी) परीक्षा में उत्तीर्ण प्रतिशत 2.55 प्रतिशत अधिक रहा, जबकि प्लस वन (11वीं कक्षा) में 0.4 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई। तमिलनाडु के स्कूल शिक्षा मंत्री अंबिल महेश पोय्यामोझी ने कहा, ''यह हमारे मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन द्वारा किए गए प्रयासों और मार्गदर्शन को दर्शाता है।

तमिलनाडु प्रदेश भाजपा अध्यक्ष ने कहा

पनीरसेल्वम हैं राजग का हिस्सा

मदुरै (तमिलनाडु)/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की तमिलनाडु इकाई के प्रमुख नैनार नागेंथिरन ने शुक्रवार को कहा कि पूर्व मुख्यमंत्री ओ पनीरसेल्वम राज्य में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) का हिस्सा बने रहेंगे। पनीरसेल्वम को संतुष्ट करने के प्रयास में नागेंथिरन ने कहा कि वह राजग के घटक बने रहेंगे।

पन्नीरसेल्वम को उनके पूर्व सहयोगी एवं पूर्व मुख्यमंत्री एडप्पादी के. पलानीस्वामी ने अन्नाद्रमुक से निष्कासित कर दिया था।

नागेंथिरन का यह बयान पन्नीरसेल्वम द्वारा इस बात पर खुले तौर पर अफसोस व्यक्त करने के एक दिन बाद आया है कि 11 अप्रैल को केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की चेन्नई यात्रा के दौरान उन्हें भाजपा द्वारा आमंत्रित नहीं किया गया था, जब पलानीस्वामी के नेतृत्व वाले अन्नाद्रमुक के साथ चुनावी संबंध की औपचारिक घोषणा की गयी थी। नागेंथिरन ने यहां संवाददाताओं से कहा, ''वह (अमित शाह) एक अलग उद्देश्य से चेन्नई में थे और उन्होंने अन्नाद्रमुक के साथ चुनावी गठबंधन को अंतिम रूप दिया और इसकी घोषणा की।''

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने 'ऑपरेशन सिंदूर' पर कहा

हमारी कार्रवाई तो बस एक 'ट्रेलर' थी, जरूरत पड़ने पर पूरी 'पिक्चर' दिखाएंगे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

■ **भारत नहीं चाहता कि वह जो धन आईएमएफ को देता है उसका इस्तेमाल प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से पाकिस्तान या किसी अन्य देश में आतंकवादी बुनियादी ढांचा तैयार करने में किया जाए।**

भुज (गुजरात)/भाषा। भारत ने अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) से पाकिस्तान को दी जाने वाली एक अरब डॉलर की सहायता पर शुक्रवार को पुनर्विचार करने का आग्रह किया और कहा कि इस्लामाबाद इस सहायता का इस्तेमाल आतंकवाद के वित्तपोषण के लिए कर सकता है।

गुजरात के भुज वायुसेना स्टेशन पर वायु योद्धाओं को संबोधित करते हुए रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने 'ऑपरेशन सिंदूर' में 'ब्रह्मोस' सुपरसोनिक मिसाइल के इस्तेमाल की पुष्टि की और कहा कि इस हथियार ने पाकिस्तान को ''रात के अंधेरे में दिन का उजाला'' दिखा दिया है।

पाकिस्तान को स्पष्ट और कड़ा संदेश देते हुए रक्षा मंत्री ने कहा कि ऑपरेशन अभी समाप्त नहीं हुआ है, क्योंकि मौजूदा 'संघर्षविराम' का मतलब है कि भारत ने पाकिस्तान को उसके बर्ताव के आधार पर ''परिवीक्षा'' पर रखा है। उन्होंने कहा, ''यदि उसका बर्ताव सुधरता है, तब तो ठीक और यदि कोई गड़बड़ी करता है, तो उसे कड़ा दंड दिया जाएगा।'' सिंह ने कहा, ''हमारी कार्रवाई तो बस एक ट्रेलर थी, अगर जरूरत पड़ी तो हम पूरी पिक्चर भी दिखाएंगे। आतंकवाद पर हमला करना और उसे खत्म करना नये भारत का 'न्यू नॉर्मल' है।''

'ऑपरेशन सिंदूर' के तहत भारत ने सात मई की सुबह पहलगाम आतंकी हमले के जवाब में पाकिस्तान और पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) में नौ आतंकी ढांचे नष्ट कर दिए थे। इसके बाद पाकिस्तान की ओर से भारतीय सैन्य ठिकानों को निशाना बनाने का प्रयास किया गया जिसके बाद भारत की तरफ से की गयी जवाबी कार्रवाई में उसके कई सैन्य ठिकानों को नुकसान पहुंचा। चार दिन तक चले टकराव के बाद 10 मई को दोनों पक्षों के बीच संघर्ष रोकने पर सहमति बनी थी।

अपने संबोधन में सिंह ने कहा कि पाकिस्तान पिछले सप्ताह भारत द्वारा नष्ट किए गए आतंकी ढांचे को फिर से खड़ा करने की कोशिश में लग गया है और इस्लामाबाद ''पाकिस्तान के आम नागरिकों से एकत्र की गई राशि को आतंकी संगठन जैश-ए-मोहम्मद के आका और संयुक्त राष्ट्र द्वारा घोषित आतंकवादी मसूद अजहर को लगभग 14 करोड़ रुपए देने में खर्च करेगा।''

वायु सेना का यह अड्डा उन सैन्य बुनियादी ढांचे में से एक है जिसे पाकिस्तान ने चार दिन तक जारी सैन्य संघर्ष के दौरान निशाना बनाया था।

आतंकवाद को समर्थन बंद करने तक

पाकिस्तान के साथ सिंधु जल संधि स्थगित रहेगी: जल शक्ति मंत्रालय

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय जल शक्ति मंत्रालय ने कैबिनेट सचिव को बताया है कि सिंधु जल संधि तब तक निलंबित रहेगी, ''जब तक पाकिस्तान विश्वसनीय और स्थायी रूप से सीमा पार आतंकवाद के लिए अपने समर्थन को त्याग नहीं देता।'' कैबिनेट सचिव टी.वी. सोमनाथन को मंगलवार को सौंपी अपनी मासिक रिपोर्ट में जल संसाधन, नदी विकास एवं गंगा संरक्षण मंत्रालय की सचिव देबाश्री मुखर्जी ने कहा कि सरकार ने घोषणा की है कि पहलगाम में नागरिकों पर ''पाकिस्तान प्रायोजित'' आतंकवादी हमले के बाद संधि को तत्काल प्रभाव से स्थगित कर दिया गया है। मुखर्जी ने अपनी रिपोर्ट में कहा, ''जब तक पाकिस्तान विश्वसनीय और स्थायी रूप से सीमा पार आतंकवाद को समर्थन करना नहीं छोड़ देता, तब तक प्रमुख जल-बंटवारा संधि निलंबित रहेगी।''

आर्थिक संकट से जूझ रही वोडाफोन आइडिया ने कहा

सरकारी समर्थन नहीं मिलने पर 2025-26 के आगे नहीं कर पाएंगे परिचालन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। आर्थिक संकट से जूझ रही वोडाफोन आइडिया ने दूरसंचार विभाग से कहा है कि समायोजित सकल राजस्व (एजीआर) बकाया पर सरकार से समय पर समर्थन न मिलने की स्थिति में वह वित्त वर्ष 2025-26 से आगे परिचालन नहीं कर पाएगी।

वोडाफोन आइडिया लिमिटेड (वीआईएल) ने 17 अप्रैल, 2025 को दूरसंचार विभाग को भेजे एक पत्र में खुद को नई जीवन रेखा देने का अनुरोध करते हुए कहा, कोई समर्थन नहीं मिलने पर उसकी वापसी असंभव हो जाएगी।

वीआईएल के मुख्य कार्यपालक अधिकारी अक्षय मूंदड़ा ने दूरसंचार सचिव को लिखे पत्र में कहा, एजीआर पर भारत सरकार का समय पर समर्थन मिले बगैर वीआईएल वित्त वर्ष 2025-26 से आगे परिचालन नहीं कर पाएगी क्योंकि बैंक से वित्तपोषण की चर्चाएं आगे नहीं बढ़ पाएंगी।

वीआईएल में सबसे अधिक 49 प्रतिशत हिस्सेदारी सरकार के पास है। स्पेक्ट्रम शुल्क और एजीआर बकाया को इक्विटी हिस्सेदारी में बदले जाने से सरकार इस कंपनी में सबसे बड़ी शेयरधारक बन चुकी है।

उच्चतम न्यायालय ने बृहस्पतिवार को वोडाफोन आइडिया की एक नई याचिका की सुनवाई करने पर सहमति जताई जिसमें लगभग 30,000 करोड़ रुपये के एजीआर बकाया को माफ करने की मांग की गई है। मुख्य न्यायाधीश बी आर गवई और न्यायमूर्ति ऑगस्टीन जॉर्ज मसीह की पीठ से वीआईएल के वकील मुकुल रोहतगी ने आग्रह किया था कि याचिका पर तत्काल सुनवाई की जरूरत है।

पीठ इस याचिका पर 19 मई को सुनवाई कर सकती है।

वोडाफोन आइडिया ने पत्र में दूरसंचार विभाग को आगाह किया है कि बैंकों से ऋण न मिलने की स्थिति में वह निवेश की योजना पर आगे नहीं बढ़ पाएगी।

वीआईएल ने कहा, ऐसा होने पर परिचालन प्रदर्शन में सुधार रुक जाएगा। इसके साथ कंपनी द्वारा जुटाए गए कोष का जल्द ही उपयोग होगा और पूरा पूंजीगत व्यय चक्र थम जाएगा। ऐसी स्थिति में, पिछले 12 महीनों में जुटाए गए समूचे कोष और कंपनी द्वारा अब तक किए गए निवेश के साथ सरकारी हिस्सेदारी का मूल्य भी घट जाएगा।

पाकिस्तान के साथ चार दिन तक चले सैन्य टकराव के दौरान

आकाशतीर ने पाकिस्तान के मिसाइल और ड्रोन हमलों को विफल किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारत की स्वदेश निर्मित आकाशतीर वायु रक्षा नियंत्रण एवं रिपोर्टिंग प्रणाली ने पाकिस्तान के साथ चार दिन तक चले सैन्य टकराव के दौरान ड्रोन और मिसाइलों सहित पाकिस्तानी हवाई हमलों को बेअसर करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

रक्षा मंत्रालय ने शुक्रवार को कहा कि जहां पाकिस्तान आयातित एचक्यू-9 और एचक्यू-16 प्रणालियों पर निर्भर था, जो भारतीय हमलों को रोकने में विफल रहीं, वहीं आकाशतीर ने स्वचालित वायु रक्षा में भारत के दबदबे को प्रदर्शित किया।

सरकारी कंपनी भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड (बीईएल) द्वारा निर्मित आकाशतीर को लगभग एक वर्ष पहले भारतीय सेना में शामिल किया गया था।

रक्षा मंत्रालय ने कहा, ''अंधेरे आसमान में एक नए प्रकार का योद्धा जाग उठा। वह लड़ाकू विमान की तरह दहाड़ता नहीं था, न ही मिसाइल की तरह चमकता था। वह सुनता था। वह गणना करता था। वह हमला करता था।''

इसने कहा, ''यह अदृश्य कवच, आकाशतीर, अब रक्षा पत्रिकाओं तक सीमित अवधारणा नहीं है। यह भारत की वायु रक्षा की तेज धार है, वह अदृश्य दीवार है जिसने 9 और 10 मई की रात मिसाइलों और ड्रोन की बौछार को रोक दिया, जब पाकिस्तान ने भारतीय सैन्य और नागरिक क्षेत्रों पर अपना सबसे घातक हमला किया था।''

पाकिस्तान के विदेश मंत्री डार ने 'फर्जी' खबर का इस्तेमाल कर वायुसेना की प्रशंसा की

■ **डार ने 'फर्जी खबर' का हवाला देते हुए सांसदों को बताया कि 'द डेली टेलीग्राफ' ने खबर दी है कि 'पाकिस्तानी वायुसेना ने आसमान में निर्विवाद बादशाहत कायम की है।'**

■ **उनके दावे की तथ्य-जांच हालांकि 'डॉन' अखबार ने की, जिसने इस खबर को 'फर्जी' करार दिया।**

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

इस्लामाबाद/भाषा। पाकिस्तान के विदेश मंत्री इसहाक डार ने संसद के ऊपरी सदन 'सीनेट' में अपने देश की वायु सेना की प्रशंसा करने के लिए एक ''फर्जी'' खबर का सहारा लिया और इसे एक ब्रिटिश दैनिक की खबर बताया।

डार ने ''फर्जी खबर'' का हवाला देते हुए सांसदों को बताया कि 'द डेली टेलीग्राफ' ने खबर दी है कि ''पाकिस्तानी वायुसेना ने आसमान में निर्विवाद बादशाहत कायम की है।'' उनके दावे की तथ्य-जांच हालांकि 'डॉन' अखबार ने की, जिसने इस खबर को ''फर्जी'' करार दिया।

अखबार ने कहा, ''सोशल मीडिया पर कई उपयोगकर्ताओं द्वारा 10 मई, 2025 से एक तस्वीर प्रसारित की जा रही है, जिसमें ब्रिटेन के 'द डेली टेलीग्राफ' अखबार के पहले पृष्ठ पर भारत के साथ हाल में हुए संघर्ष के बीच पाकिस्तान वायु सेना को आसमान का बादशाह घोषित किया गया है। हालांकि, ऐसा कोई लेख प्रकाशित नहीं हुआ है और स्क्रीनशॉट फर्जी है।''

इसमें कहा गया है कि बैरिस्टर खदीजा सिद्दीकी ने 10 मई को ब्रिटिश दैनिक के नाम से फर्जी खबर की एक तस्वीर पोस्ट की, जिसमें एक समाचार के साथ एक शीर्षक था: ''पाकिस्तान वायु सेना: आसमान की निर्विवाद बादशाह''।

मिशन मंडेला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

फैंकशास्त्र

सारे ही जब फैंक रहे तो,
कृत्य न यह बदनाम करें।
फैंकशास्त्र के सभी अध्येता,
मिल कर इसे प्रणाम करें।
कैसे कितनी कब-कब फैंके,
कुछ सूत्रों को आम करें।
फिंक ना जाए मूल्य सियासी,
इस पर थोड़ा काम करें।।

ईजमाईट्रिप के संस्थापक ने मेकमाईट्रिप के बोर्ड सदस्यों के 'चीन से संबंधों' पर निशाना साधा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। यात्रा मंच ईजमाईट्रिप के संस्थापक और चेयरमैन निशांत पिट्टी ने शुक्रवार को प्रतिद्वंद्वी मेकमाईट्रिप पर आरोप लगाया कि कंपनी के 10 में पांच निदेशकों का चीन से सीधा संबंध है। उन्होंने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर लिखा है कि मेकमाईट्रिप की रणनीतिक रूप से चार सबसे महत्वपूर्ण बोर्ड समितियों में तीन 'स्पष्ट रूप से चीनी संबंधों वाले निदेशकों के नेतृत्व में हैं या उनसे काफी प्रभावित हैं।'

दूसरी ओर मेकमाईट्रिप ने पिट्टी के आरोपों पर टिप्पणी करने से इनकार किया और भारतीय कंपनी होने के अपने पहले के रुख को बरकरार रखा। उसने कहा कि वह देश के सभी लागू कानूनों और आंकड़ों की गोपनीयता ढांचे का पूरी तरह से पालन करती है।

पिट्टी ने आरोप लगाया कि ''मेकमाईट्रिप के बोर्ड का आधा हिस्सा – 10 में पांच निदेशकों का चीन से सीधा संबंध है, जिसमें ट्रिप डॉट कॉम द्वारा की गई महत्वपूर्ण नियुक्तियां भी शामिल हैं, जो चीनी स्वामित्व वाली कंपनी है।'' उन्होंने कहा, ''मेकमाईट्रिप इसे किसी वजह से प्रेरित आरोप के रूप में खारिज कर सकता है, लेकिन जब राष्ट्रीय सुरक्षा दांव पर हो, तो चुप रहना कोई विकल्प नहीं है।''

पिट्टी ने मेकमाईट्रिप पर बंद दरवाजों के पीछे से नियंत्रण हासिल करने का आरोप लगाते हुए दावा किया कि ''रणनीतिक रूप से चार सबसे महत्वपूर्ण बोर्ड समितियों में तीन का नेतृत्व या तो स्पष्ट रूप से चीन से जुड़े निदेशकों द्वारा किया जाता है या वे उन्हें काफी प्रभावित करते हैं।''

'इंडि' गठबंधन को लेकर चिदंबरम के बयान पर भाजपा ने कहा

कांग्रेस का कोई भविष्य नहीं

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने विपक्षी 'इंडिया' गठबंधन के संबंध में कांग्रेस नेता पी चिदंबरम की टिप्पणी को लेकर शुक्रवार को विपक्षी दल पर कटाक्ष करते हुए कहा कि राहुल गांधी के 'करीबी सहयोगी' भी जानते हैं कि पार्टी का कोई भविष्य नहीं है।

चिदंबरम ने 'इंडि' गठबंधन को लेकर चिंता व्यक्त करते हुए बृहस्पतिवार को कहा था कि वह आश्वस्त नहीं हैं कि यह विपक्षी गठबंधन अब भी पूरी तरह एकजुट है। चिदंबरम की टिप्पणी पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता गौरव भाटिया ने कहा कि जब 'इंडी' गठबंधन बना था, तो इसका साझा लक्ष्य सत्ता में आना था, भले ही इसके लिए उसे ''भारत विरोधी'' बनना पड़े, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को गाली देनी पड़े या सशस्त्र बलों का मनोबल गिराना पड़े। उन्होंने आरोप लगाया कि मतदाताओं ने ''घमंडिया'' गठबंधन को नकार दिया है क्योंकि इसके नेता लोगों की सेवा करने के लिए नहीं बल्कि अपने स्वार्थ को पूरा करने के वास्ते एक साथ आए थे।

भाटिया ने 'पीटीआई–भाषा' से कहा, ''अब चिदंबरम ने कहा है कि 'इंडी' गठबंधन खत्म हो चुका है।''

भाजपा के एक अन्य प्रवक्ता प्रदीप भंडारी ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''कांग्रेस नेता पी चिदंबरम ने पूर्वानुमान व्यक्त किया है कि भविष्य में विपक्ष एकजुट नहीं रहेगा। भाजपा बहुत मजबूत संगठन है।'' उन्होंने कहा, ''राहुल गांधी के करीबी सहयोगी भी जानते हैं कि कांग्रेस का कोई भविष्य नहीं है।''

चिदंबरम ने सलमान खुर्शीद और मृत्युंजय सिंह यादव की किताब ''कंटेस्टिंग डेमोक्रेटिक डेफिसिट'' के विमोचन के मौके पर कहा था, ''भविष्य (इंडिया गठबंधन का) उतना उज्ज्वल नहीं है, जैसा मृत्युंजय सिंह यादव ने कहा। उन्हें लगता है कि गठबंधन अब भी बरकरार है, लेकिन इसे लेकर मैं आश्वस्त नहीं हूं। केवल सलमान (खुर्शीद) इस पर जवाब दे सकते हैं क्योंकि वह 'इंडिया' गठबंधन के लिए बातचीत करने वाली टीम का हिस्सा थे।''

पूर्व केंद्रीय मंत्री ने कहा, ''अगर गठबंधन पूरी तरह से कायम है, तो मुझे बहुत खुशी होगी। लेकिन ऐसा लगता है कि यह कमजोर पड़ गया है।'' उन्होंने यह उम्मीद भी जताई कि गठबंधन 'अब भी कायम रह सकता है, अब भी समय है'।

तेलंगाना में बिजली नेटवर्क का आधुनिकीकरण करें अधिकारी : ए रेवंत रेड्डी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

हैदराबाद/भाषा। तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी ने शुक्रवार को अधिकारियों को राज्य में बिजली नेटवर्क का आधुनिकीकरण करने का निर्देश दिया।

अधिकारियों ने रेड्डी को बताया कि राज्य में बिजली की आवश्यकता 2035 तक लगभग 32,000 मेगावाट तक पहुंचने का अनुमान है। मौजूदा समय में राज्य की बिजली की आवश्यकता 18 हजार मेगावाट है। मुख्यमंत्री ने शुक्रवार को ऊर्जा को लेकर एक समीक्षा बैठक की अध्यक्षता की।

रेड्डी ने अधिकारियों से यहां बाहरी रिंग रोड पर 160 किलोमीटर लंबे हिस्से में सौर ऊर्जा उत्पादन के लिए योजना तैयार करने और हैदराबाद महानगर निगम सीमा के भीतर फुटपाथों तथा नालों पर इसकी व्यवहार्यता की जांच करने को कहा।

एक आधिकारिक विज्ञप्ति में कहा गया कि ऊर्जा विभाग के अधिकारियों ने रेड्डी को बताया कि इस वर्ष बिजली की मांग 17,162 मेगावाट के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गई है, जो पिछले वर्ष की तुलना में नौ प्रतिशत अधिक है। अधिकारियों ने उन्हें बताया कि बिना किसी रुकावट के बिजली उपलब्ध कराई जा रही है।

अधिकारियों ने रेड्डी को बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए उन्नत बुनियादी ढांचे के विकास के बारे में भी बताया, क्योंकि हैदराबाद डेटा केंद्रों के गढ़ के रूप में उभर रहा है।

विवादित टिप्पणी को लेकर मप्र के उपमुख्यमंत्री ने दी सफाई, कहा- बयान को तोड़-मरोड़ कर पेश किया गया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जबलपुर/इंदौर/भाषा। मध्यप्रदेश के उपमुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा ने सेना और सैनिकों को लेकर दिये गए कथित विवादित बयान पर शुक्रवार को सफाई देते हुए कहा कि उनके बयान को तोड़–मरोड़ कर पेश किया गया।

उपमुख्यमंत्री ने जबलपुर में नागरिक सुरक्षा स्वयंसेवकों के एक समारोह को संबोधित करते हुए कहा था कि पहलगाम आतंकी हमले के बाद पाकिस्तान को मुंहतोड़ जवाब देने के लिए देश, उसकी सेना और सैनिक प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के चरणों में नतमस्तक हैं। अपने इस बयान को लेकर विवाद पैदा होने के बाद देवड़ा ने इंदौर में 'पीटीआई–भाषा' से कहा, ''मेरा मन यह देखकर बड़ा आहत है कि मेरे बयान को गलत तरह से पेश किया जा रहा है। मेरे कहने का मतलब यह था कि ऑपरेशन सिंदूर के दौरान पराक्रम दिखाने वाली भारतीय सेना के चरणों में देश की जनता प्रणाम करती है।'' उपमुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि कांग्रेस नेता 'ईर्ष्या के भाव के कारण' उनके बयान को तोड़–मरोड़कर पेश कर रहे हैं। देवड़ा राज्य के वित्त मंत्री भी हैं और वर्तमान में मंदसौर के मल्हारगढ़ विधानसभा सीट से भाजपा विधायक हैं। वह सात बार के विधायक हैं।

अनुसूचित जाति से ताल्लुक रखने वाले 67 वर्षीय देवड़ा ने कहा, ''मेरे बयान को गलत तरह से पेश करने वाले लोगों पर कानूनी कार्रवाई होनी चाहिए।'' इससे पहले, उपमुख्यमंत्री ने जबलपुर में कहा था, हम प्रधानमंत्री को धन्यवाद देना चाहते हैं। पूरा देश, उसकी सेना और सैनिक उनके चरणों में नतमस्तक हैं। पूरा देश उनके चरणों में नतमस्तक है।

अजित ने कहा-मैं वादे पूरे करने के लिए जाना जाता हूं, विपक्षी राकांपा बोली-नैतिकता के बिना अर्थहीन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी प्रमुख व महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजित पवार ने खुद को अपने वादों को पूरा करने के लिए जाना जाने वाला नेता करार दिया है, जिस पर प्रतिद्वंद्वी राकांपा (शरद चंद्र पवार) ने चुटकी लेते हुए कहा कि 'नैतिकता' के बिना यह दावा निरर्थक है।

महाराष्ट्र के पुणे में पार्टी के कार्यक्रम को संबोधित करते हुये पवार ने कहा, ''हर कोई जानता है कि मैं अपने वादे का पक्का हूं। अगर मैं कोई वादा करता हूं, तो उसे पूरा करता हूं। अगर मैं कहता हूं कि मैं किसी को सांसद बनाऊंगा, तो मैं वह भी करूंगा। अगर मैं कहता हूं कि मैं किसी व्यक्ति की (चुनावी) हार सुनिश्चित करूंगा, तो मैं ऐसा करूंगा। इसके बाद राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एसपी) के प्रवक्ता अमोल मटेले ने पवार के दावों पर चुटकी लेते हुए कहा, ''अजित दादा वाकई अपने वचन के पक्के हैं – आम आदमी के लिए नहीं, बल्कि अपने लोगों के लिए।''

मटेले ने कहा, ''आपने कहा था कि आप लाड़की बहिन योजना के लाभार्थियों को 2,100 रुपए देंगे। चुनाव खत्म हो गए हैं, लेकिन हमारी प्यारी बहनों को अभी तक 2,100 रुपए प्रति माह नहीं मिले हैं। जो लोग सत्ता को अपनी पारिवारिक संपत्ति मानते हैं, वे लोकतंत्र के वास्तविक मूल्य को कभी नहीं समझ पाएंगे।'' उन्होंने कहा कि देश को ऐसे नेताओं की जरूरत है जो सच बोलते हों। उन्होंने कहा, ''नैतिकता और सिद्धांत के बिना यह शब्द अर्थहीन है और अगर इसमें आम आदमी के कल्याण के विचार का अभाव है....।'' शरद पवार द्वारा स्थापित राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी 2023 में विभाजित हो गई जब उनके भतीजे अजित पवार अलग होकर भाजपा के नेतृत्व वाली महायुति सरकार में शामिल हो गए।

'जेप्टो एटम' आने वाले समय में नीलसन, कंटार का प्रतियोगी होगा : पलीचा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। त्वरित आपूर्ति मंच जेप्टो के सह–संस्थापक और मुख्य कार्यपालक अधिकारी आदित पलीचा ने शुक्रवार को कहा कि उनकी कंपनी 'जेप्टो एटम' को एक व्यापक ब्रांड विश्लेषक साधन के तौर पर विकसित कर रही है। पलीचा ने कहा कि 'जेप्टो एटम' आने वाले समय में नीलसन और कंटार जैसी स्थापित बाजार शोध कंपनियों के लिए मजबूत प्रतियोगी साबित होगा।

'जेप्टो एटम' एक व्यापक ब्रांड विश्लेषक टूल है जो जेप्टो के मंच पर सूचीबद्ध होने वाले ब्रांडों को उनके प्रदर्शन के बारे में जानकारी प्रदान करेगा। पलीचा ने कहा, यह न केवल जेप्टो मंच पर उन ब्रांड को आगे बढ़ने में मदद करेगा, बल्कि इसका विश्लेषण उस ब्रांड के समूचे व्यवसाय के लिए भी उपयोगी होगा।

पलीचा ने उम्मीद जताई कि 'जेप्टो एटम' नीलसन और कैंटर के लिए एक अच्छा विकल्प या कम–से–कम एक प्रतिस्पर्धी साबित होगा।

इस बारे में टिप्पणी के लिए नीलसन और कंटार को भेजे गए ईमेल के कोई जवाब नहीं मिले।

इस टूल को इस्तेमाल करने का शुल्क 90 दिनों के लिए 30,000 रुपए या ब्रांड के पिछले महीने के सकल उत्पाद मूल्य (जीएमवी) का 0.5 प्रतिशत है, जो भी अधिक हो।

यह मौजूदा जेप्टो ब्रांड पोर्टल पर आधारित है, जो मुफ्त में बुनियादी प्रदर्शन आंकड़े प्रदान करता है।

जेप्टो एटम अत्यधिक स्थानीय और पिन–कोड के स्तर की बाजार हिस्सेदारी, हर मिनट अद्यतन होने वाले आंकड़े, उन्नत व्यवहार विश्लेषण और ग्राहक खरीद व्यवहार जैसी उन्नत सुविधाएं प्रदान करेगा।

देश का विदेशी मुद्रा भंडार 4.5 अरब डॉलर बढ़कर 690.61 अरब डॉलर पर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। देश का विदेशी मुद्रा भंडार नौ मई को समाप्त सप्ताह में 4.55 अरब डॉलर बढ़कर 690.62 अरब डॉलर पहुंच गया। मुख्य रूप से स्वर्ण भंडार बढ़ने से कुल विदेशी मुद्रा भंडार बढ़ा है। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने शुक्रवार को यह जानकारी दी।

इसके एक सप्ताह पहले कुल विदेशी मुद्रा भंडार 2.06 अरब डॉलर घटकर 686.06 अरब डॉलर रहा था। सितंबर, 2024 के अंत में विदेशी मुद्रा भंडार 704.89 अरब डॉलर के सर्वकालिक उच्च स्तर पर पहुंच गया था।

रिजर्व बैंक के आंकड़ों के मुताबिक, नौ मई को समाप्त सप्ताह में विदेशी मुद्रा भंडार का एक प्रमुख हिस्सा विदेशी मुद्रा आस्तियां 19.6 करोड़ डॉलर बढ़कर 581.37 अरब डॉलर हो गईं। डॉलर के संदर्भ में उल्लेखित विदेशी मुद्रा आस्तियों में विदेशी मुद्रा भंडार में रखे गए यूरो, पाउंड और येन जैसी गैर–अमेरिकी मुद्राओं की घट–बढ़ का प्रभाव शामिल होता है।

समीक्षाधीन सप्ताह में स्वर्ण भंडार का मूल्य 4.52 अरब डॉलर बढ़कर 86.34 अरब डॉलर हो गया। विशेष आहरण अधिकार (एसडीआर) 2.6 करोड़ डॉलर घटकर 18.53 अरब डॉलर रहा। केंद्रीय बैंक के आंकड़ों के अनुसार, आलोच्य सप्ताह में अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) के पास भारत का आरक्षित भंडार भी 13.4 करोड़ डॉलर घटकर 4.37 अरब डॉलर रहा।

कैट ने पाकिस्तान को 'समर्थन' देने पर तुर्किये, अजरबैजान के बहिष्कार का किया आह्वान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। अखिल भारतीय व्यापारी परिसंघ (कैट) ने तुर्किये और अजरबैजान के साथ सभी व्यापारिक और वाणिज्यिक संबंधों का बहिष्कार करने का शुक्रवार को फैसला किया। पहलगाम आतंकवादी हमले के बाद भारत द्वारा चलाए 'ऑपरेशन सिंदूर' पर पाकिस्तान का 'समर्थन' करने के लिए भारत के कई संगठनों ने इन दोनों देशों का बहिष्कार करने का आह्वान किया है। पहलगाम आतंकवादी हमले में 26 भारतीयों की जान गई थी।

कैट के अनुसार, इस निर्णय में तुर्किये और अजरबैजान की वस्तुओं का राष्ट्रव्यापी बहिष्कार शामिल है। इसमें समूचे भारत के व्यापारी इन देशों से आयात रोक देंगे।

संगठन ने कहा कि भारतीय निर्यातकों, आयातकों एवं व्यापार प्रतिनिधिमंडलों को तुर्किये और अजरबैजान में स्थित कंपनियों या संस्थानों के साथ किसी भी तरह के जुड़ाव के लिए हतोत्साहित किया जाएगा।

व्यापारियों के समूह ने कहा कि वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय तथा विदेश मंत्रालय को एक ज्ञापन सौंपा जाएगा, जिसमें इन देशों के साथ सभी वाणिज्यिक संबंधों की नीति–स्तरीय समीक्षा का आग्रह किया जाएगा।

अखिल भारतीय व्यापारी परिसंघ ने साथ ही घोषणा की है कि व्यापारी समुदाय तुर्किये और अजरबैजान में फिल्माई गई भारतीय फिल्मों का बहिष्कार करेंगे। इसने कंपनियों को इन दोनों देशों में किसी भी उत्पाद के प्रचार को फिल्माने के खिलाफ भी आगाह किया।

रक्षा क्षेत्र की कंपनियों के शेयर में उछाल जारी, पारस डिफेंस में 18.90 प्रतिशत की तेजी

नई दिल्ली/भाषा। ड्रोन विनिर्माताओं, मिसाइल और संबद्ध उपकरणों के विनिर्माताओं समेत रक्षा क्षेत्र से जुड़ी कंपनियों के शेयर में शुक्रवार को तेजी जारी रही। बीएसई पर पारस डिफेंस एंड स्पेस टेक्नोलॉजीज का शेयर 18.90%, डाटा पैटर्न्स का 9.25%, एस्ट्रा माइक्रोवेव प्रोडक्ट्स का 7.10%, हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स का 5.40%, मिश्र धातु निगम का 4.63%, भारत इलेक्ट्रॉनिक्स का 3.87% तथा भारत डायनेमिक्स का 1.95% चढ़ा।

ड्रोन विनिर्माता कंपनी ड्रोनाचार्य एरियल इनोवेशन के शेयर में 2% की तेजी आई। घरेलू शेयर बाजारों में बीएसई सेंसेक्स 200.15 अंक की गिरावट के साथ 82,330.59 अंक पर जबकि एनएसई निफ्टी 42.30 अंक फिसलकर 25,019.80 अंक पर बंद हुआ। बृहस्पतिवार, बुधवार, मंगलवार, सोमवार और पिछले शुक्रवार को भी रक्षा क्षेत्र की कंपनियों शेयर में तेजी रही थी। पहलगाम हमले के जवाब में पाकिस्तान एवं उसके कब्जे वाले कश्मीर में आतंकवादी ठिकानों को नष्ट करने के लिए 'ऑपरेशन सिंदूर' शुरू करने के बाद से रक्षा–संबंधित कंपनियों के शेयर में तेजी है।

उमर अब्दुल्ला ने तुलबुल नौवहन के मुद्दे पर महबूबा मुफ्ती की आलोचना की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

श्रीनगर/भाषा। सिंधु जल संधि (आईडब्ल्यूटी) के निलंबित रहने के मद्देनजर वुलर झील पर तुलबुल नौवहन बैराज परियोजना का काम फिर से शुरू करने के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला के आह्वान को लेकर उनके (उमर) और पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) की अध्यक्ष महबूबा मुफ्ती के बीच शुक्रवार को वाकयुद्ध छिड़ गया।

महबूबा ने जम्मू–कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला की टिप्पणी को 'गैर–जिम्मेदाराना' और 'खतरनाक रूप से भड़काऊ' बताया, जबकि मुख्यमंत्री ने पलटवार करते हुए कहा कि वह इस बात को स्वीकार करने से इनकार कर रही हैं कि सिंधु जल संधि जम्मू–कश्मीर के लोगों के साथ 'ऐतिहासिक विश्वासघात' है, क्योंकि वह 'ओछे' प्रचार के लिए और सीमा पार के कुछ लोगों को खुश करने की 'अंध लालसा' में डूबी हुई हैं।

उमर अब्दुल्ला ने बृहस्पतिवार को 'एक्स' पर पोस्ट किया था कि क्या आईडब्ल्यूटी के निलंबन के मद्देनजर वुलर झील पर तुलबुल नौवहन बैराज परियोजना पर काम फिर से शुरू हो सकता है।

अब्दुल्ला ने अपने निजी 'एक्स' हैंडल पर लिखा, ''उत्तरी कश्मीर में वुलर झील। वीडियो में आप जो निर्माण कार्य देख रहे हैं, वह तुलबुल नौवहन बैराज है। इसे 1980 के दशक के प्रारंभ में शुरू किया गया था, लेकिन सिंधु जल संधि के चलते पाकिस्तान के दबाव में इसे छोड़ना पड़ा था। अब जबकि सिंधु जल संधि को 'अस्थायी रूप से निलंबित' कर दिया गया है, तो क्या हम इस परियोजना को फिर से शुरू कर पाएंगे।'' उन्होंने कहा कि अगर तुलबुल परियोजना पूरी हो जाती है, तो इससे झेलम का इस्तेमाल नौवहन के लिए करने में मदद मिलेगी। उन्होंने कहा, ''इससे हमें नौवहन के लिए झेलम का इस्तेमाल करने का लाभ मिलेगा। इससे खासकर सर्दियों में निचले हिस्से में बिजली परियोजनाओं से बिजली उत्पादन में भी सुधार होगा।''

पाकिस्तान को बेनकाब करने के लिए बहुदलीय प्रतिनिधिमंडल विदेश भेजेगी सरकार

नई दिल्ली/भाषा। सरकार पहलगाम में आतंकवादी हमले के जवाब में चलाए गए 'ऑपरेशन सिंदूर' के बाद आक्रामक राजनयिक अभियान के तहत वैश्विक मंच पर भारत के पक्ष को मजबूती से रखने और पाकिस्तान प्रायोजित आतंकवाद को बेनकाब करने के लिए अगले सप्ताह से विभिन्न देशों में कई बहुदलीय प्रतिनिधिमंडल भेजेगी। सत्तारूढ़ भाजपा और मुख्य विपक्षी कांग्रेस सहित विभिन्न राजनीतिक दलों के सांसदों से सरकार ने इसके लिए आह्वान किया है और कुछ दलों ने राजनयिक प्रयास के लिए सदस्यों को भेजने की मंजूरी भी दे दी है। सूत्रों ने कहा कि कुछ पूर्व केंद्रीय मंत्री इन प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व करेंगे। विदेश जाने वाले इन प्रतिनिधिमंडलों या उनके सदस्यों की संख्या को लेकर फिलहाल कोई स्पष्टता नहीं है, हालांकि कुछ नेताओं ने कहा कि 30 से अधिक सांसद हो सकते हैं। प्रतिनिधिमंडल 10 दिनों की अवधि के लिए विभिन्न देशों का दौरा करेंगे। सांसद सरकार द्वारा निर्धारित देशों का दौरा करेंगे। विदेश मंत्रालय इस राजनयिक मिशन के लिए रवाना होने से पहले सांसदों को पूरी जानकारी देगा। सूत्रों ने बताया कि जिन पार्टियों के सांसद प्रतिनिधिमंडल का हिस्सा होंगे उनमें भाजपा, कांग्रेस, तृणमूल कांग्रेस, द्रमुक, राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एसपी), जनता दल (यूनाइटेड), बीजू जनता दल, माकपा और कुछ अन्य शामिल हैं।

2020 दिल्ली दंगे: कोर्ट ने 11 लोगों को आगजनी, चोरी के आरोपों से बरी किया

नई दिल्ली/भाषा। दिल्ली की एक अदालत ने फरवरी 2020 के दंगों के एक मामले में आगजनी और चोरी के आरोप में 11 लोगों को सबूतों के अभाव में बरी कर दिया है।

अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश पुलस्त्य प्रमाचला ने कहा कि मामले में आरोपियों की पहचान करने वाले दो पुलिस गवाह कृत्रिम प्रत्यक्षदर्शी प्रतीत होते हैं।

अभियोजन पक्ष ने आरोप लगाया कि आरोपी व्यक्ति 24 और 25 फरवरी, 2020 की रात को कुछ दुकानों में चोरी, तोड़फोड़ और आगजनी में शामिल थे।

अदालत ने 14 मई के आदेश में कहा कि मामले में मुख्य मुद्दा अपराध करने वाली भीड़ में शामिल आरोपियों की पहचान करना है।

अदालत ने कहा कि एक ही पुलिस थाने में तैनात दो पुलिस गवाहों ने 10 महीने के अंतराल के बाद आरोपियों की तस्वीरों की पहचान की।

हवाई अड्डों से समझौते खत्म करने को चुनौती देने के कानूनी तरीके अपनाएंगे: सेलेबी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। तुर्किये की कंपनी सेलेबी हावा सर्विसी एएस ने शुक्रवार को कहा कि भारत में उसकी सुरक्षा मंजूरी रद्द किए जाने के बाद विभिन्न लाइसेंस और रियायती करारों को एकतरफा ढंग से खत्म करने को चुनौती देने के लिए सभी उपलब्ध प्रशासनिक और कानूनी उपायों का इस्तेमाल किया जाएगा।

नागर विमानन सुरक्षा ब्यूरो (बीसीएएस) ने बृहस्पतिवार को राष्ट्रीय सुरक्षा हितों का हवाला देते हुए हवाई अड्डे पर जमीनी रखरखाव एवं मालवहन सेवाएं देने वाली कंपनी सेलेबी की सुरक्षा मंजूरी रद्द कर दी थी। हाल ही में तुर्किये द्वारा पाकिस्तान का समर्थन करने और पड़ोसी देश में आतंकी शिविरों पर भारत के हवाई हमलों की निंदा करने के कुछ दिनों बाद सेलेबी के खिलाफ यह कदम उठाया गया है। देश भर में तुर्किये को लेकर लोगों में असंतोष और नाराजगी देखी जा रही है।

सेलेबी दिल्ली, मुंबई और अहमदाबाद सहित नौ हवाई अड्डों पर अपनी सेवाएं दे रही थी। करीब 15 वर्षों से भारतीय विमानन क्षेत्र में सक्रिय सेलेबी 10,000 से अधिक लोगों को रोजगार दे रही है। इस क्रम में बीसीएएस के फैसले के बाद सेलेबी हावा सर्विसी एएस की विभिन्न संस्थाओं के संचालन को निलंबित कर दिया गया है। इनमें सेलेबी एयरपोर्ट सर्विसेज इंडिया प्रा. लि. (सीएएसआई), सेलेबी जीएच इंडिया प्राइवेट लिमिटेड (सीजीएचआई), सेलेबी एनएएस एयरपोर्ट सर्विसेज इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, सेलेबी दिल्ली कार्गो टर्मिनल मैनेजमेंट इंडिया प्राइवेट लिमिटेड और सेलेबी जीएस चेन्नई प्राइवेट लिमिटेड (सीजीएससी) शामिल हैं। तुर्किये के शेयर बाजार को दी गई एक सूचना में सेलेबी ने कहा कि इसकी अनुषंगी कंपनियों और संबंधित भारतीय हवाई अड्डा प्राधिकरणों के बीच निष्पादित चार रियायत एवं लाइसेंस समझौतों को एकतरफा ढंग से खत्म कर दिया गया है। सेलेबी दिल्ली कार्गो टर्मिनल मैनेजमेंट इंडिया और दिल्ली इंटरनेशनल एयरपोर्ट लि. (डायल) के बीच निष्पादित रियायत समझौता वर्ष 2034 तक वैध था। सेलेबी जीएच इंडिया प्राइवेट लिमिटेड (सीजीएचआई) और अहमदाबाद इंटरनेशनल एयरपोर्ट लिमिटेड के बीच लाइसेंस समझौता समाप्त कर दिया गया है जो 2032 तक वैध था।

मीरवाइज फारूक ने भारत व पाक के बीच स्थायी संघर्षविराम की अपील की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

श्रीनगर/भाषा। हुर्रियत कांफ्रेंस के अध्यक्ष मीरवाइज उमर फारूक ने शुक्रवार को भारत और पाकिस्तान के बीच सीमा पर स्थायी संघर्षविराम की अपील करते हुए कहा कि सैन्य आक्रामकता से केवल विनाश होता है, शांति नहीं।

यहां नौहट्टा इलाके में जामिया मस्जिद में शुक्रवार के जुम्मे की नमाज कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उन्होंने यह भी कहा कि कश्मीर एक 'बिल्कुल ऐसा विस्फोटक बिंदु' है जो 'किसी भी समय विस्फोट कर सकता है।' उन्होंने कहा, ''पिछले कुछ दिनों में हम एक और भयावह अनुभव से गुजरे हैं, जिसमें विकराल संघर्ष भड़क गया और यह दो परमाणु संपन्न देशों के बीच पूर्ण युद्ध से महज कुछ दूर था। यहां तक कि 'बात थोड़ी भी बिगड़ जाना' भी जम्मू–कश्मीर में नियंत्रण रेखा के आसपास और पार रहने वाले लोगों की जिंदगी बर्बाद करने के लिए पर्याप्त था।'' मीरवाइज उमर फारूक ने सवाल किया, '' हम कब तक इस स्थिति को झेलते रहेंगे तथा भय

और अनिश्चितता में जीते रहेंगे? हर कोई कश्मीर के बारे में बात कर रहा है, लेकिन कोई भी कश्मीर, उसके लोगों से, जो यहां रहते हैं––से बात नहीं कर रहा है। हम अपने लिए क्या चाहते हैं, हमारी आने वाली पीढ़ियों के लिए हमारे सपने, शांति के लिए हमारी तड़प? क्या हमारे घाव कभी भरेंगे? क्या इस संघर्ष का कभी समाधान होगा?'' हुर्रियत अध्यक्ष ने कहा कि ऐसी हर घटना के साथ समस्या और भी मुश्किल होती जा रही है। उन्होंने कहा, ''जैसा कि हम जानते हैं और अभी–अभी देखा है, सैन्य अस्थिरता से केवल विनाश ही होता है और हथियारों की बिक्री बढ़ती है – शांति कभी नहीं आती । लेकिन कश्मीर के लोग आश्चर्य करते हैं कि क्या भारत और पाकिस्तान शांति चाहते हैं या एक–दूसरे पर हावी होना चाहते हैं।'' उन्होंने कहा कि जम्मू–कश्मीर के लोग शांति चाहते हैं, युद्ध नहीं। मीरवाइज उमर फारूक ने कहा, ''हम समाधान चाहते हैं। हम नहीं चाहते हैं कि संघर्ष जारी रहे।'' उन्होंने कहा कि हमारी दिली तमन्ना है कि दोनों पक्षों के डीजीएमओ द्वारा 18 मई तक घोषित संघर्ष विराम स्थायी हो। उन्होंने सवाल किया कि अगर दोनों देशों के सैन्य अभियान महानिदेशक (डीजीएमओ) बातचीत कर सकते हैं और किसी समझौते पर पहुंच सकते हैं, तो 'भारत और पाकिस्तान के नेतृत्व को ऐसा करने से कौन रोक रहा है?'' उन्होंने कहा, ''लेकिन स्पष्ट बात कहना वर्तमान समय में राष्ट्र–विरोधी माना जाता है।

मुलाकात

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

उद्गमंडल में पादुकर वेलफेयर सोसाइटी के अध्यक्ष त्यागराजन और अन्य सदस्यों ने मुख्यमंत्री एमके स्टालिन से मुलाकात की। इस मौके पर तमिल विकास एवं सूचना मंत्री एमपी समीनाथन, सांसद ए. राजा मुख्य संचेतक जी. रामचन्द्रन आदि उपस्थित थे।

राष्ट्रपति की ओर से संदर्भ पत्र भेजे जाने के मुद्दे पर दूसरे राज्यों की राय लेगा तमिलनाडु : स्टालिन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

उद्गमंडलम। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम. के. स्टालिन ने शुक्रवार को कहा कि उनका राज्य राष्ट्रपति द्रौपदी द्वारा उच्चतम न्यायालय को भेजे गए संदर्भ पत्र के मुद्दे पर दूसरे राज्यों के मुख्यमंत्रियों और नेताओं से बात करेगा। इस पत्र में राष्ट्रपति ने उच्चतम न्यायालय से जानना चाहा है कि क्या राज्य विधानसभाओं की ओर से पारित विधेयकों पर राष्ट्रपति के विचार के लिए न्यायिक आदेश के जरिये समय-सीमा निर्धारित की जा सकती है।

उन्होंने पत्रकारों से बातचीत के दौरान एक सवाल के जवाब में कहा, हम दूसरे राज्यों के मुख्यमंत्रियों और नेताओं की राय लेंगे और उसके आधार पर आगे कोई कदम उठाया जाएगा।

राष्ट्रपति मुर्मू ने दुर्लभ स्थितियों में इस्तेमाल किए जाने वाले अनुच्छेद 143(1) के तहत अपनी शक्तियों का उपयोग करते हुए उच्चतम न्यायालय से पूछा है कि क्या राज्य विधानसभाओं की

ओर से पारित विधेयकों पर राष्ट्रपति के विचार के लिए न्यायिक आदेश के जरिये समय-सीमा निर्धारित की जा सकती है? संविधान का अनुच्छेद 143(1) उच्चतम न्यायालय से परामर्श करने से जुड़ी राष्ट्रपति की शक्ति से संबंधित है। इस शक्ति का इस्तेमाल राष्ट्रपति तब करते हैं जब उन्हें यह प्रतीत होता है कि किसी कानून या किसी तथ्य को लेकर कोई सवाल खड़ा हुआ है या इसकी आशंका है।

राष्ट्रपति को जब यह लगता है कि कोई सवाल सार्वजनिक महत्व से जुड़ा है और यदि इस पर उच्चतम न्यायालय की राय प्राप्त करना ठीक रहेगा, तो वह उच्चतम न्यायालय से सवाल कर सकते हैं। न्यायालय सुनवाई के बाद अपनी उचित राय से राष्ट्रपति को सूचित कर सकता है। उच्चतम न्यायालय ने तमिलनाडु विधानसभा से पारित विधेयकों को मंजूरी देने की राज्यपाल की शक्तियों के मामले में आठ अप्रैल को एक फैसला सुनाया था, जिसके आलोक में राष्ट्रपति ने यह फैसला लिया है।

स्टालिन ने राष्ट्रपति के संदर्भ पत्र का इस्तेमाल करने के लिए बृहस्पतिवार को भाजपा नीत केंद्र सरकार की आलोचना की थी और कहा था कि इससे केंद्र सरकार की कुटिल मंशा उजागर होती है।

अदालत ने नाबालिग लड़की से 'बलात्कार' करने के दोषी को दोहरे आजीवन कारावास की सजा सुनाई

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पलक्कड़/भाषा। केरल की एक अदालत ने शुक्रवार को एक व्यक्ति को 2022 में पलक्कड़ स्थित 15 वर्षीय लड़की के आवास पर उससे बलात्कार करने और उसे ''गर्भवती करने'' के जुर्म में दोहरे आजीवन कारावास की सजा सुनाई। पीड़िता आरोपी की रिश्तेदार थी। विशेष लोक अभियोजक (एसपीपी) निशा विजयकुमार ने कहा कि पट्टांबी त्वरित विशेष अदालत के अतिरिक्त जिला न्यायाधीश संजू टी. ने यौन अपराधों से बच्चों का संरक्षण (पॉक्सो) अधिनियम और भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) के विभिन्न प्रावधानों के तहत व्यक्ति को 43 साल के कठोर कारावास की सजा सुनाई।

एसपीपी ने बताया कि अदालत ने निर्देश दिया है कि 49 वर्षीय व्यक्ति को पहले 43 साल सश्रम कारावास की सजा काटनी होगी और फिर पॉक्सो अधिनियम के अलग-अलग प्रावधानों के तहत उसकी आजीवन कारावास की सजा शुरू होगी।

अदालत ने आरोपी पर चार लाख रुपये का जुर्माना भी लगाया और जुर्माने की राशि को पीड़िता को देने का निर्देश दिया। अभियोजक ने बताया कि अदालत ने जिला विधिक सेवा प्राधिकरण को पीड़िता को अतिरिक्त मुआवजा देने का भी निर्देश दिया। अभियोजन पक्ष के अनुसार, आरोपी ने पीड़िता के घर पर उससे बलात्कार किया, जिसके कारण ''वह गर्भवती हो गई''। घटना के वक्त घर पर कोई मौजूद नहीं था।

ईडी ने तमिलनाडु टीएएसएमएसी मामले में फिर से मारे छापे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने तमिलनाडु राज्य विपणन निगम (टीएएसएमएसी) से जुड़े धनशोधन मामले में राज्य में शुक्रवार को फिर से छापे मारे। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि धनशोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के तहत टीएएसएमएसी अधिकारियों और एजेंट से जुड़े लगभग 10 स्थानों पर छापेमारी की जा रही है। उन्होंने बताया कि कुछ हवाला कारोबारी और धन जमा करने वाले लोगों के परिसर की भी तलाशी ली जा रही है।

तमिलनाडु सरकार के स्वामित्व वाली टीएएसएमएसी की स्थापना 1983 में हुई थी और इसका पंजीकृत कार्यालय चेन्नई में है। राज्य में इसे भारतीय निर्मित विदेशी शराब (आईएमएफएल) और बीयर की थोक आपूर्ति के लिए अनन्य अधिकार प्राप्त हैं। इसके राज्य भर में करीब 43 डिपो और पांच हजार खुदरा इकाइयां हैं। ईडी ने इस मामले में मार्च में पहली बार छापेमारी की थी।

मद्रास उच्च न्यायालय ने अप्रैल में तमिलनाडु सरकार द्वारा दायर तीन याचिकाओं को खारिज कर दिया था, जिसमें धन शोधन के एक मामले में छह से आठ मार्च के बीच निगमों के मुख्यालयों पर ईडी द्वारा की गई छापेमारी और जब्ती की कार्रवाई को अवैध घोषित करने का आग्रह किया गया था। अदालत ने मामले में ईडी द्वारा 'राजनीतिक प्रतिशोध' के तहत की गई कार्रवाई के तमिलनाडु सरकार के दावे को भी खारिज कर दिया था और कहा कि राजनीति के मामले का फैसला करने के लिए सबसे अच्छे जज हमारे महान राष्ट्र के लोग होंगे। ईडी ने पहले की गई छापेमारी के बाद प्रेस को दिए गए बयान में कहा था कि टीएएसएमएसी के संचालन में कथित अनियमितताएं पाई गई हैं, जिनमें निविदा प्रक्रियाओं में हेराफेरी और शराब की कंपनी के माध्यम से एक हजार करोड़ रुपये का लेनदेन किया गया, जिसका कोई लेखा जोखा नहीं है।

इसमें दावा किया गया है कि मार्च में की गई छापेमारी के दौरान तबादले से जुड़े दस्तावेज, परिवहन और बार लाइसेंस निविदाएं, कुछ शराब की कंपनियों को लाभ पहुंचाने संबंधी दस्तावेज, टीएएसएमएसी के ठेकों से प्रति बोतल 10 से 30 रुपये का अतिरिक्त शुल्क वसूलने से संबंधित सामग्रियां मिली हैं। इन सब में टीएएसएमएसी के अधिकारी भी शामिल हैं।

एजेंसी ने कहा कि उसे शराब की कंपनियों और टीएएसएमएसी के उच्च अधिकारियों के बीच 'प्रत्यक्ष' संचार के रिकॉर्ड मिले हैं, जिससे अधिक ऑर्डर प्राप्त करने और 'अनुचित' लाभ प्राप्त करने के प्रयासों का खुलासा हुआ है। शराब की कंपनियों ने व्यवस्थित रूप से खर्चों को बढ़ा-चढ़ाकर पेश किया और विशेष रूप से बोतल बनाने वाली कंपनियों के माध्यम से फर्जी खरीद की, जिससे एक हजार करोड़ रुपये से अधिक की नकदी हड़प ली, जिसका कहीं हिसाब नहीं था। ईडी के अनुसार, इस धन का उपयोग टीएएसएमएसी से आपूर्ति ऑर्डर बढ़ाने के लिए रिश्वत के रूप में किया गया।

केरल के उत्तरी जिलों में अगले सप्ताह भारी बारिश की संभावना

तिरुवनंतपुरम/भाषा। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने शुक्रवार को केरल के उत्तरी जिलों में अगले सप्ताह से भारी बारिश का अनुमान जताया है। आईएमडी ने सोमवार के लिए मलप्पुरम, कोझिकोड, वायनाड, कन्नूर और कासरगोड जिलों में 'ऑरेंज अलर्ट' जारी किया है। वहीं मंगलवार के लिए कोझिकोड, वायनाड, कन्नूर और कासरगोड जिलों में 'ऑरेंज अलर्ट' जारी किया गया है।

इसके अलावा, रविवार (18 मई) के लिए पलक्कड़, मलप्पुरम, कोझिकोड, वायनाड, कन्नूर और कासरगोड जिलों में 'येलो अलर्ट' जारी किया गया है। आईएमडी ने शुक्रवार से मंगलवार तक राज्य के अलग-अलग हिस्सों में बिजली कड़कड़ने और 30 से 40 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चलने की संभावना जतायी है। 'ऑरेंज अलर्ट' तब जारी किया जाता है जब 11 से 20 सेमी के बीच 'भारी वर्षा' का पूर्वानुमान होता है। वहीं छह से 11 सेमी के बीच 'वर्षा' का पूर्वानुमान होने पर येलो अलर्ट जारी किया जाता है।

हवाई अड्डे पर 44 लाख रु. की विदेशी मुद्रा की तस्करी के आरोप में महिला यात्री के खिलाफ मामला दर्ज

कोच्चि/भाषा। केरल में नेदुम्बस्सेरी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर लाखों रुपये की विदेशी मुद्रा की तस्करी करने के आरोप में एक महिला यात्री के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। सीमा शुल्क अधिकारियों ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। सीमा शुल्क विभाग ने एक बयान में कहा कि गीता नाम की यात्री बृहस्पतिवार रात स्पाइसजेट एयरलाइन के विमान से दुबई जाने के लिए हवाई अड्डा पहुंची थी। बयान के मुताबिक, गीता के सामान में एल्युमिनियम फॉयल के पैकेट में 2,00,000 सऊदी रियाल (कीमत 44,40,000 रुपये) छिपाकर रखे गए थे।

पीएसएलवी-सी61 प्रक्षेपण : इसरो प्रमुख नारायणन ने तिरुमाला मंदिर में की पूजा-अर्चना

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई/तिरुपति। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के अध्यक्ष वी. नारायणन ने शुक्रवार को यहां भगवान वेंकटेश्वर मंदिर में पूजा-अर्चना की और ध्रुवीय उपग्रह प्रक्षेपण यान (पीएसएलवी)-सी61/ईओएस-09 मिशन के सफल प्रक्षेपण के लिए आशीर्वाद मांगा। पीएसएलवी-सी61 का प्रक्षेपण 18 मई को प्रातः 5.59 बजे श्रीहरिकोटा स्थित सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र से किया जाएगा।

शुक्रवार की सुबह अतिविशिष्ट श्रेणी के लोगों (वीआईपी) के लिए दर्शन के दौरान नारायणन ने अनुष्ठान में भाग लिया और भगवान वेंकटेश्वर के चरणों में पीएसएलवी-सी61 का एक लघु मॉडल रखा।

इसरो प्रमुख ने मिशन की सफलता और सुरक्षा के लिए भगवान से आशीर्वाद मांगा।

विद्वानों ने रंगनायकुला मंडपम में नारायणन को आशीर्वाद दिया, जबकि मंदिर के अधिकारियों ने तीर्थ प्रसादम (पवित्र जल) भेंट किया और उन्हें रेशमी शॉल देकर सम्मानित किया।

नारायणन ने संवाददाताओं से कहा, पीएसएलवी-सी61 के साथ यह 101वां मिशन इसरो के लिए एक बड़ी उपलब्धि साबित होगा, जो भारत की सभी मौसमों में पृथ्वी प्रेक्षण क्षमताओं को प्रदर्शित करेगा और अंतरिक्ष आधारित समाधानों के प्रति देश की प्रतिबद्धता को मजबूत करेगा।

यह मिशन पृथ्वी प्रेक्षण उपग्रह को सूर्य-समकालिक ध्रुवीय कक्षा (एसएसपीओ) में स्थापित करेगा, जो एक विशिष्ट प्रकार की ध्रुवीय कक्षा है जहां उपग्रह सूर्य के साथ निरंतर संरेखण बनाए रखता है।

पीएसएलवी-सी61 ध्रुवीय उपग्रह प्रक्षेपण यान की 63वीं उड़ान है और पीएसएलवी-एक्सएल संस्करण का इस्तेमाल करते हुए 27वीं उड़ान है।

इसरो की वेबसाइट के अनुसार, यह मिशन पेलोड और कक्षाओं की एक विस्तृत श्रृंखला में विश्वसनीय प्रदर्शन देने के पीएसएलवी के रिकॉर्ड को जारी रखता है। ईओएस-09 को विभिन्न क्षेत्रों में परिचालन अनुप्रयोगों की एक श्रृंखला के लिए सुसंगत और विश्वसनीय सुदूर संवेदी आंकड़ा प्रदान करने के लिए डिजाइन किया गया है।

केरल सरकार एलस्टन एस्टेट के श्रमिकों के बकाये के लिए कानूनी कार्यवाही में तेजी लाएगी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

तिरुवनंतपुरम/भाषा। केरल सरकार ने वायनाड में एलस्टन एस्टेट के मजदूरों को छंटनी लाभ प्रदान करने के लिए कानूनी कार्यवाही में तेजी लाने का फैसला किया है। वायनाड में भूस्खलन से बचे लोगों के पुनर्वास के लिए एलस्टन एस्टेट की जमीन को अधिग्रहित किया गया है।

केरल के राजस्व मंत्री के राजन, श्रम मंत्री वी शिवनकुट्टी और अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति कल्याण मंत्री ओ आर केलू की मौजूदगी में शुक्रवार को हुई मंत्रिस्तरीय बैठक में इस संबंध में निर्णय लिया गया। एक आधिकारिक बयान में कहा गया कि बैठक में हुई चर्चा के अनुसार,

महाधिवक्ता को एलस्टन एस्टेट के मजदूरों के लिए जल्द से जल्द छंटनी लाभ सुनिश्चित करने के लिए कानूनी कार्यवाही में तेजी लाने का निर्देश दिया गया है।

महाधिवक्ता ने पहले ही अदालत को सूचित किया था कि विभिन्न मदों के तहत श्रमिकों को 5.97 करोड़ रुपये से अधिक का भुगतान किया जाना है, और राजस्व वसूली का काम चल रहा है।

माकपा नेता सुधाकरन पर 'डाक मतपत्र खोलने' वाली टिप्पणी के लिए प्राथमिकी दर्ज

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अलप्पुझा/भाषा। मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) के वरिष्ठ नेता जी. सुधाकरन के खिलाफ उनकी उस हालिया टिप्पणी को लेकर शुक्रवार को प्राथमिकी दर्ज की गई जिसमें दावा किया गया था कि वर्ष 1989 में अलप्पुझा लोकसभा चुनाव के दौरान डाक मतपत्र खोले गए थे। जन प्रतिनिधित्व अधिनियम और भारतीय दंड संहिता के विभिन्न प्रावधानों के तहत उनके खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। पुलिस कार्रवाई के बाद माकपा के राज्य सचिवालय ने कहा कि सुधाकरन जैसे कद के लोगों को इस बात का ध्यान रखना चाहिए कि वे क्या बोल रहे हैं।

पार्टी के प्रदेश सचिव एम वी गोविंदन ने शाम को तिरुवनंतपुरम में एक संवाददाता सम्मेलन में यह भी कहा कि माकपा देश में लोकतांत्रिक व्यवस्था को बाधित करने वाली किसी भी गतिविधि का हिस्सा नहीं रही और न ही कभी रहेगी। टीवी चैनलों पर प्रसारित एक कथित वीडियो में सुधाकरन को विवादास्पद टिप्पणी करते हुए सुना जा सकता है। उन्होंने यह कथित टिप्पणी यहां बुधवार को एनजीओ यूनियन के पूर्व नेताओं की एक सभा में की थी। उनकी टिप्पणी ने निर्वाचन आयोग को इस मामले की जांच शुरू करने के लिए प्रेरित किया। आयोग के अधिकारियों ने माकपा नेता का बयान बृहस्पतिवार को दर्ज किया था।

इसके बाद, सुधाकरन ने बृहस्पतिवार को यहां एक अन्य कार्यक्रम में दावा किया कि उन्होंने जो पहले कहा था वह पूरी तरह से सच नहीं था और उन्होंने अपनी कल्पना' से इसमें कुछ अतिरिक्त जोड़ा दिया था। उन्होंने कहा, ऐसा कभी कुछ भी नहीं हुआ। कोई मतपत्र नहीं खोले गए थे और किसी मतपत्र से कभी छेड़छाड़ नहीं की गई थी। मैंने उस तरह की किसी भी चीज में कभी भी भाग नहीं लिया है। मैंने कभी भी कोई फर्जी मतदान नहीं किया है।

सुधाकरन ने कहा, ''मैंने फर्जी मतदान करने के लिए किसी को कभी भुगतान नहीं किया है। मैंने उस दिन जो कहा था, वह केवल इस तरह की गतिविधियों को करने

वालों के लिए एक छोटी सी चेतावनी के रूप में था और उन्हें यह बताने के लिए था कि हम इस बारे में जानते हैं कि वे क्या कर रहे हैं।'' उनके इस दावे के बावजूद पुलिस ने शुक्रवार को भारतीय दंड संहिता की धारा 128 (मतदान की गोपनीयता बनाए रखना), 135 (मतदान केंद्र से मतपत्रों को हटाना), 135 ए (बूथ कैप्चरिंग) और 136 (जनप्रतिनिधि अधिनियम, 1951 के तहत अन्य अपराध और जुर्माना), धारा 465 (जालसाजी के लिए सजा), 468 (धोखा देने के लिए जालसाजी) और 471 (जाली दस्तावेज का उपयोग असली के रूप में करने) के तहत मामला दर्ज किया।

जनप्रतिनिधित्व अधिनियम के तहत अपराधों की सजा कुछ महीनों से लेकर अधिकतम दो साल तक हो सकती है, जबकि भारतीय दंड संहिता के तहत दो साल से सात साल तक की जेल की सजा हो सकती है। प्राथमिकी के अनुसार, जिलाधिकारी द्वारा अलप्पुझा जिला पुलिस प्रमुख को भेजी गई एक रिपोर्ट के आधार पर कार्रवाई की गई, जो जिला चुनाव अधिकारी भी हैं। विवादास्पद वीडियो में, सुधाकरन को यह कहते हुए सुना गया था कि एनजीओ यूनियन के सदस्यों को प्रतिद्वंद्वी उम्मीदवारों को अपना वोट नहीं देना चाहिए। उन्होंने कहा कि एनजीओ के सभी सदस्यों के लिए पार्टी के लिए वोट करना आवश्यक नहीं है, लेकिन जो लोग सील किए गए मतपत्र जमा करते हैं, उन्हें यह नहीं मान लेना चाहिए कि हमें इसका पता नहीं चलेगा'' कि उन्होंने किसे वोट दिया है। समाचार चैनलों द्वारा प्रसारित वीडियो में वह कथित तौर पर यह कहते दिखते हैं, हम उन्हें खोल देंगे, सत्यापित करेंगे और उन्हें सही करेंगे। भले ही यह कहने के लिए मेरे खिलाफ कोई मामला दायर किया जाए, लेकिन मुझे कोई परवाह नहीं है।

सुधाकरन ने कहा था कि कुछ एनजीओ यूनियन के सदस्यों ने विपक्षी उम्मीदवारों के लिए अपने वोट डाले थे। उन्होंने कहा कि जब केएसटीए नेता के वी देवदास ने अलप्पुझा से लोकसभा के लिए चुनाव लड़ा, तो डाक समिति के कार्यालय में डाक मतपत्रों को खोलकर उनकी जांच की गई और यह पाया गया कि 15 प्रतिशत ने विरोधी उम्मीदवार के लिए मतदान किया था। केएसटीए स्कूली शिक्षकों का संगठन है जो माकपा द्वारा समर्थित है।

तिरुवनंतपुरम में शुक्रवार शाम को एक संवाददाता सम्मेलन में गोविंदन ने कहा कि चूंकि सुधाकरन बाद में अपनी पिछली टिप्पणी से पीछे हट गए थे, इसलिए उनके बाद के स्पष्टीकरण वाले बयान को प्राथमिकता दी जाती है।

वीडियो से यह स्पष्ट नहीं हुआ कि 1989 के लोकसभा चुनाव के दौरान अलप्पुझा सीट के लिए हुए चुनाव के दौरान बाद डाक मतपत्रों से छेड़छाड़ उनके या उनके सहयोगियों द्वारा की गई थी या नहीं। सुधाकरन ने कहा कि देवदास ने उस चुनाव में कांग्रेस के नेता वक्कम पुरुषोथामन के खिलाफ चुनाव लड़ा और 18,000 मतों से हार गए थे।

तंबू गिरने से महिला पर्यटक की मौत के मामले में दो गिरफ्तार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

वायनाड/भाषा। केरल के वायनाड जिले के एक रिसॉर्ट में तंबू के गिर जाने से एक महिला पर्यटक की मौत के सिलसिले में दो लोगों को गिरफ्तार कर लिया गया है। पुलिस ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि रिसॉर्ट के प्रबंधक स्वच्छंत और 'सुपरवाइजर' अनुराग को गिरफ्तार कर लिया है, जिन पर गैर इरादतन हत्या का आरोप लगाया है। मेप्पाडी पंचायत के वन क्षेत्र के पास स्थित एक रिसॉर्ट में बृहस्पतिवार तड़के पर्यटक की मौत हुई थी।

पड़ोसी मल्लपुरम जिले की रहने वाली निश्मा के ऊपर लकड़ी के लट्ठों और घासफूस से तैयार तंबू गिर जाने से उसकी मौत हो गई थी। पुलिस ने बताया कि युवती के तीन दोस्त भी घायल हो गए जिन्हें इलाज के लिए नजदीकी अस्पताल ले जाया गया। पुलिस के एक अधिकारी ने बताया, बृहस्पतिवार को पूछताछ के लिए रिसॉर्ट के प्रबंधक और सुपरवाइजर को हिरासत में लिया गया और बाद में उनकी गिरफ्तारी दर्ज की गई। पुलिस ने बताया कि दोनों को 28 मई तक न्यायिक हिरासत में रखा गया है।

आदमखोर बाघ को पकड़ने के लिए टीम तैनात

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मलप्पुरम/भाषा। केरल के मलप्पुरम में कालीकावु के पास रबर बागान में काम करने वाले एक श्रमिक को मार डालने वाले बाघ का पता लगाने और उसे पकड़ने के लिए शुक्रवार को वनकर्मियों की तीन टीम को बेहोशी के इंजेक्शन और कुमकी हाथी के साथ तैनात किया गया। यहां एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। अधिकारी ने बताया कि इस अभियान में शामिल टीम को सहयोग के लिए 'कैमरा ट्रैप' और पिंजरे भी लगाए गए हैं, जबकि एक और कुमकी हाथी को इस अभियान में शामिल किया जाएगा।

नीलांबुर दक्षिण के प्रभागीय वनाधिकारी (डीएफओ) धनिक लाल ने बताया कि खोज टीम के प्रत्येक समूह में 20 वनकर्मी और एक पशुचिकित्सक शामिल हैं। अधिकारी ने कहा, हम पहले यह पुष्टि करेंगे कि इलाके में बाघ मौजूद है या नहीं। इसके बाद अगला कदम उठाया जाएगा। तलाशी अभियान सुबह सात बजे शुरू हुआ। बाघ ने रबर बागान में काम करने के लिए जाते समय बृहस्पतिवार को गफूर (45) पर हमला कर दिया था और उसे जंगल में खींच कर ले गया था। गफूर के साथ उस समय उसका एक दोस्त भी मौजूद था। उसके दोस्त और वन अधिकारियों के अनुसार, बाद में करीब 200 मीटर दूर जंगल में गफूर का बुरी तरह क्षत-विक्षत शव मिला था। इस घटना के बाद इलाके में विरोध प्रदर्शन शुरू हो गया था और प्रदर्शनकारियों ने शव उठाने से इनकार कर दिया था, बाद में अधिकारियों द्वारा पीड़ित परिवार को मुआवजा और नौकरी देने के साथ ही बाघ को पकड़ने का आश्वासन दिए जाने के बाद लोग राजी हो गये। प्रदर्शनकारियों ने वन विभाग पर भी लापरवाही का आरोप लगाया और दावा किया कि पिछले कुछ महीनों से क्षेत्र में बाघ की मौजूदगी के बारे में सूचित किए जाने के बावजूद विभाग ने कोई कार्रवाई नहीं की। इलाके का दौरा करने के बाद कांग्रेस विधायक ए.पी. अनिलकुमार ने भी इसी तरह के आरोप लगाए। इसके बाद वन अधिकारियों ने बताया कि परिवार के एक सदस्य को नौकरी दिए जाने के साथ ही परिजन को 14 लाख रुपये का मुआवजा दिया जाएगा, जबकि बाघ को बेहोश करने और पकड़ने के लिए कदम उठाए जा रहे हैं।

राजस्थान में भीषण गर्मी, गंगानगर में तापमान 45.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया

जयपुर। राजस्थान के अधिकांश इलाकों में भीषण गर्मी पड़ रही है और गंगानगर में बीते चौबीस घंटे में अधिकतम तापमान 45.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। मौसम केंद्र जयपुर के अनुसार शुक्रवार को उदयपुर, कोटा संभाग के कुछ भागों में दोपहर बाद हल्की बारिश होने तथा शेष अधिकांश भागों में मौसम मुख्यतः शुष्क रहने का अनुमान है। मौसम केंद्र के अनुसार आगामी 3-4 दिन जोधपुर, बीकानेर संभाग के सीमावर्ती क्षेत्रों में तेज धूल भरी हवाएं चलने का अनुमान है। मौसम केंद्र ने कहा कि इसी तरह बीकानेर, गंगानगर जिलों में 16-20 मई को अधिकतम तापमान 45-46 डिग्री दर्ज होने व कहीं-कहीं लू चलने और शेष अधिकांश भागों में अधिकतम तापमान 42-44 डिग्री सेल्सियस तक पहुंचने का अनुमान है। राज्य के उत्तरी भागों में 19-20 मई को कुछेक स्थानों पर दोपहर बाद हल्की बारिश होने का अनुमान है।

मोदी बीकानेर से 103 रेलवे स्टेशनों का करेंगे वर्चुअल उद्घाटन, करणी माता के दर्शन करने जाएंगे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बीकानेर। बीकानेर के पास स्थित पलाना गांव 22 मई को एक ऐतिहासिक क्षण का साक्षी बनने जा रहा है। इस दिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी देशभर के 103 रेलवे स्टेशनों का सामूहिक रूप से वर्चुअल उद्घाटन करेंगे और कुछ प्रस्तावित स्टेशनों का शिलान्यास भी किया जाएगा। यह कार्यक्रम भारतीय रेलवे के अब तक के सबसे बड़े वर्चुअल लोकार्पण आयोजनों में से एक माना जा रहा है। प्रधानमंत्री मोदी के इस कार्यक्रम के लिए बीकानेर में तैयारियां जोरों पर हैं। इसे लेकर मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा 17 मई को पलाना पहुंचकर व्यवस्थाओं का जायजा लेंगे। जानकारी के अनुसार रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव भी प्रधानमंत्री के साथ इस दौरे में शामिल हो सकते हैं।

बीकानेर की जिला कलेक्टर नम्रता वृष्णि और पुलिस अधीक्षक कावेन्द्र सिंह सागर ने पलाना पहुंचकर कार्यक्रम स्थल और हेलीपैड के लिए उपयुक्त स्थानों का निरीक्षण किया। केंद्रीय कानून मंत्री अर्जुनराम मेघवाल ने कार्यक्रम की पुष्टि करते हुए कहा कि यह भारतीय

रेलवे का एक बड़ा और महत्वपूर्ण आयोजन होगा। हालांकि रेलवे प्रशासन की ओर से अभी तक कोई आधिकारिक सूचना जारी नहीं की गई है, लेकिन स्थानीय प्रशासन ने तैयारियों को अंतिम रूप देना शुरू कर दिया है। सुरक्षा, यातायात और अन्य व्यवस्थाओं को लेकर प्रशासनिक अमला पूरी गंभीरता से जुटा हुआ है और सभी तैयारियां तेजी से आगे बढ़ रही हैं। रेल मंत्रालय की अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत बीकानेर मंडल में डबवाली, गोगामेड़ी और लालगढ़ जैसे रेलवे स्टेशन अत्याधुनिक स्वरूप में तैयार किए जा चुके हैं। जोधपुर मंडल के देशनोक रेलवे स्टेशन का कार्य भी पूर्ण हो चुका है। कुल मिलाकर बीकानेर मंडल के 22 रेलवे स्टेशनों का पुनर्विकास किया जा रहा है, जिनमें यात्री सुविधाओं के साथ-साथ स्टेशन इन्फ्रास्ट्रक्चर को भी अत्याधुनिक स्वरूप दिया गया है। प्रधानमंत्री कार्यालय की ओर से दौरे के संकेत मिलने के बाद जिला प्रशासन पूरी तरह सक्रिय हो गया है। अधिकारियों का कहना है कि तैयारियों को समयबद्ध ढंग से पूरा कर लिया जाएगा। प्रधानमंत्री मोदी का यह दौरा न सिर्फ रेलवे विकास को रफ्तार देगा, बल्कि बीकानेर संभाग के लिए भी एक अहम राजनीतिक और विकासात्मक संदेश माना जा रहा है।

सुनवाई

लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने कोटा में अपने संसदीय कार्यालय में निवासियों से बातचीत की और उनकी शिकायतें सुनीं।

अलवर के व्यापारियों ने तुर्किये के सेब का बहिष्कार किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के अलवर में व्यापारियों ने तुर्किये से आयात किये जाने वाले सेबों का बहिष्कार शुरू कर दिया और कहा कि अब अलवर व आसपास की मंडियों में इस देश के सेब नहीं बिकेंगे। अलवर के व्यापारियों ने भारत के साथ हालिया सैन्य संघर्ष के दौरान तुर्किये द्वारा पाकिस्तान को समर्थन देने के विरोध में यह फैसला किया है। इससे पहले अजमेर में संगमरमर पत्थर व्यापारियों ने भी इसी मुद्दे को लेकर तुर्किये का बहिष्कार शुरू कर दिया था। 'अलवर फल मंडी यूनियन' ने तुर्किये से आयातित सेबों की बिक्री पर पूरी तरह रोक लगाने की घोषणा की है।

व्यापारियों ने कहा कि यह निर्णय जनता की भावना को दर्शाता है और इसका उद्देश्य तुर्किये के आर्थिक हितों को नुकसान पहुंचाना है। 'फल मंडी यूनियन' के महासचिव सौरभ कालरा ने बताया, मार्च से जून के बीच हर दिन 15 टन से अधिक तुर्किये के सेब

राजस्थान में आते हैं। उन्होंने बताया, लेकिन तुर्किये के भारत विरोधी रुख के कारण हमने अब ये सेब नहीं बेचने का फैसला किया है। यह सिर्फ कारोबारी फैसला नहीं है बल्कि एक संदेश है। शुक्रवार से दुकानों में 'तुर्किये सेब का बहिष्कार' का आह्वान करने वाले पोस्टर लगाए जाएंगे और यह सुनिश्चित करने के लिए जागरूकता अभियान भी चलाया जाएगा कि बाजार में कोई भी तुर्किये सेब न बिके।

कालरा ने कहा, अगर कोई व्यापारी तुर्किये का सेब बेचते पाया गया तो इसे 'देशद्रोह' माना जाएगा। संघ के सचिव पंकज सैनी ने कहा कि सेब की मांग को पूरा करने के लिए कश्मीर, हिमाचल प्रदेश और दक्षिण अफ्रीका जैसे वैकल्पिक स्रोत तैयार हैं।

सेना हमारी शान, झूठ बर्दाश्त नहीं : जोगाराम

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर । राजस्थान के कानून मंत्री जोगाराम पटेल ने कांग्रेस समेत तमाम विपक्षी दलों पर भारतीय सेना के मनोबल को कमजोर करने का गंभीर आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि विपक्षी पार्टियां सेना के पराक्रम और देश की अखंडता के खिलाफ नकारात्मक और झूठी बातें फैलाकर गलत काम कर रही हैं। सेना ने आतंकियों के ठिकानों को नष्ट करने में अदम्य साहस दिखाया है, जिस पर पूरे देश को गर्व होना चाहिए। पटेल ने विपक्षी नेताओं के हालिया बयानों पर कड़ा ऐतराज जताते हुए कहा, ऐसे बयान पीड़ित परिवारों के दर्द को और बढ़ाते हैं। पीड़ित परिवारों ने स्वयं बताया है कि आतंकियों ने कायराना हरकत की। यह कहना कि धर्म के आधार पर गोली मारी गई, पूरी तरह गलत और अस्वीकार्य है। विपक्ष से अपील की कि वे मजहब के नाम पर इस तरह की संवेदनशील घटनाओं को गलत तरीके से पेश न करें।

कानून मंत्री ने समाजवादी पार्टी के नेता रामगोपाल यादव के

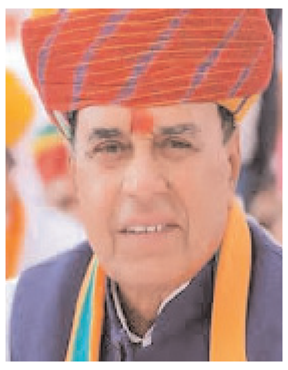

एक बयान पर भी तीखी प्रतिक्रिया दी, जिसमें कथित तौर पर सेना के एक अधिकारी को जातिसूचक शब्दों से संबोधित किया गया था। पटेल ने इसे 'निंदनीय' करार देते हुए कहा, सेना पर पूरे देश को गर्व है। उस पर सवाल उठाना या किसी अधिकारी को अपमानित करना इस देश में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। हम इसकी कठोर शब्दों में निंदा करते हैं। इस तरह के बयान न केवल सेना का अपमान हैं, बल्कि देश की एकता और अखंडता को भी कमजोर करते हैं।

पटेल ने आगे कहा कि विपक्ष का यह रवैया आतंकियों के खिलाफ सेना की कार्रवाइयों को कमजोर करने की साजिश का हिस्सा है। विपक्षी नेताओं से आग्रह है कि वे अपनी राजनीति के लिए सेना और पीड़ित परिवारों की भावनाओं का दुरुपयोग न करें। सेना हमारी शान है और उसकी बहादुरी पर सवाल उठाना देश के साथ गद्दारी है। आतंकी घटनाएं कायराना कृत्य हैं और इन्हें किसी धर्म या मजहब से जोड़ना अनुचित है। देशवासियों को एकजुट होकर सेना का समर्थन करना चाहिए।

वहीं बीते गुरुवार को प्रदेश की उपमुख्यमंत्री दीया कुमारी ने कहा, हमारी सेना ने पाकिस्तान के अंदर घुसकर आतंकियों को सबक सिखाया है। आज पूरा देश अपनी सेना के समर्थन में तिरंगा रैली निकाल रहा है। प्रधानमंत्री मोदी ने स्पष्ट कहा था कि जो भी भारत की ओर आंख उठाएगा, उसे मुंहतोड़ जवाब मिलेगा। यह जवाब पाकिस्तान को बालाकोट स्ट्राइक में मिला और अब ऑपरेशन सिंदूर में भी मिला। हमारी सेना और पीएम मोदी के आतंकवाद विरोधी फैसलों के साथ पूरा देश खड़ा है। प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में भारत ने दुनिया को दिखा दिया है कि हम दुश्मनों को करारा जवाब देना जानते हैं।

काला हिरण शिकार मामले में सलमान और अन्य सितारों की संयुक्त सुनवाई 28 जुलाई को

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जोधपुर। राजस्थान के बहुचर्चित काला हिरण शिकार मामले में 26 साल बाद एक बार फिर से कानूनी गतिविधियां तेज हो गई हैं। इस केस में बॉलीवुड अभिनेता सलमान खान, सैफ अली खान, तब्बू, नीलम और सोनाली बेंद्रे की भूमिका को लेकर बहस एक नए मोड़ पर पहुंच चुकी है। राजस्थान हाईकोर्ट ने सरकार की अपील पर 28 जुलाई 2025 को इन सभी सितारों के खिलाफ मामलों की संयुक्त सुनवाई की तारीख तय की है। यह मामला वर्ष 1998 का है, जब फिल्म 'हम साथ साथ हैं' की शूटिंग जोधपुर के पास हो रही थी। इसी दौरान आरोप लगे कि शूटिंग के दौरान अभिनेता सलमान खान और उनके साथियों ने दो काले हिरणों का शिकार किया था। ये शिकार विश्नोई समुदाय की धार्मिक आस्था से जुड़ा मामला बन गया, क्योंकि यह समुदाय काले हिरण को पवित्र मानता है।

विश्नोई समाज की शिकायत पर जोधपुर पुलिस ने मामला दर्ज किया और सलमान खान को 12 अक्टूबर 1998 को गिरफ्तार किया गया। हालांकि, उन्हें पांच दिन बाद ही जमानत मिल गई, लेकिन तब से लेकर अब तक यह मामला अदालतों में उलझा रहा है।निचली अदालत ने वर्ष 2018 में अभिनेता सलमान खान को दोषी मानते हुए 5 साल की सजा सुनाई थी, जबकि सैफ, तब्बू, नीलम और सोनाली को बरी कर दिया गया था। सलमान को कुछ समय जेल में बिताना पड़ा, लेकिन बाद में उन्हें जमानत मिल गई। राजस्थान सरकार ने निचली अदालत के उस फैसले को चुनौती देते हुए हाईकोर्ट में अपील दायर की, जिसमें सैफ अली खान, तब्बू, नीलम और सोनाली बेंद्रे को बरी कर दिया गया था। यह अपील लीव टू अपील के रूप में दाखिल की गई थी, जिसमें कहा गया था कि निचली अदालत ने पर्याप्त सबूतों के बावजूद इन सितारों को गलत तरीके से राहत दी है।

बुधवार को जस्टिस मनोज कुमार गर्ग की अदालत में इस अपील पर सुनवाई हुई। इसी दौरान यह तथ्य सामने लाया गया कि सलमान खान की सजा के खिलाफ भी अपील अब हाईकोर्ट में लंबित है। इस पर वकीलों ने मांग की कि दोनों मामलों को एक साथ जोड़ा जाए। कोर्ट ने इस मांग को स्वीकार करते हुए आदेश दिया कि सलमान खान और अन्य कलाकारों से जुड़े सभी मामलों की संयुक्त सुनवाई 28 जुलाई 2025 को होगी।

संयुक्त सुनवाई से यह लाभ होगा कि सभी आरोपियों पर एक समान दृष्टिकोण से बहस हो सकेगी। गवाहों के बयान और सबूतों की समीक्षा समन्वित ढंग से की जा सकेगी। यह फैसला भी दर्शाता है कि राजस्थान हाईकोर्ट इस मामले को अब अंतिम निष्कर्ष की ओर ले जाना चाहता है, जिससे दशकों से लटकते मामले को बंद किया जा सके। विश्नोई समाज की ओर से इस केस को लगातार न्याय के लिए संघर्ष बताया गया है। समाज के नेताओं का कहना है कि वे केवल हिरणों के लिए नहीं, बल्कि पर्यावरण और धार्मिक आस्था की रक्षा के लिए खड़े हैं। उनका स्पष्ट कहना है कि जो लोग कानून तोड़ेंगे, उन्हें सजा मिलनी ही चाहिए चाहे वह कोई भी हो।

चांदी के कड़ों के लिए हंगामा, मां की चिता पर लेटा बेटा

जयपुर/दक्षिण भारत। राजस्थान में कोटपूतली-बहरोड़ जिले में एक युवक ने अपनी मां के चांदी के कड़ों के लिए हंगामा किया और उसकी चिता तक पर लेट गया। इसके चलते महिला के अंतिम संस्कार में लगभग दो घंटे की देरी हुई। पुलिस ने बताया कि यह हैरान करने वाली घटना तीन मई को विराटनगर इलाके के लीला का बास की ढाणी में हुई। घटना का वीडियो बृहस्पतिवार को सामने आया तब और लोगों को इसकी जानकारी मिली। हालांकि अभी तक इस मामले की पुलिस में शिकायत नहीं की गई है। ग्रामीणों के अनुसार दिवंगत छीतरमल

रेगर की पत्नी भूरी देवी का तीन मई को निधन हो गया था। उनके सात बेटों में से छह गांव में एक साथ रहते हैं, जबकि पांचवां बेटा ओमप्रकाश अलग रहता है। ओमप्रकाश और उसके भाइयों के बीच कई सालों से संपत्ति का विवाद चल रहा था। ग्रामीणों के मुताबिक महिला के अंतिम संस्कार के लिए घर पर रस्में निभाने के बाद परिजनों ने भूरी देवी के चांदी के कड़े एवं अन्य आभूषण उतारकर सबसे बड़े बेटे गिरधारी को सौंप दिए। इसके बाद अर्थी शमशान घाट ले जायी गयी। ग्रामीणों का कहना है कि ओमप्रकाश ने भी मां की अर्थी को इसे कंधा दिया। लेकिन शमशान घाट में जाकर उसने हंगामा शुरू कर दिया और मां के चांदी के कड़े एवं अन्य आभूषणों की मांग की। यहां तक कि वह वहां बनाई गई चिता पर भी लेट गया। ग्रामीणों और परिवार के सदस्यों द्वारा समझाने के प्रयासों के बावजूद ओमप्रकाश ने करीब दो घंटे तक हंगामा किया। आखिरकार, आभूषण श्मशान घाट पर लाए गए और उसे सौंप दिए गए। इसके बाद ही ओमप्रकाश चिता पर से हटा और भूरी देवी का संस्कार किया जा सका।

देवासी ने किया नगर परिषद सिरोही के विकास कार्यों का शिलान्यास एवं लोकार्पण

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। नगरपरिषद सिरोही द्वारा किये गये विकास कार्यो का लोकार्पण एवं आगामी करवाये जाने वाले कार्यों का शिलान्यास शुक्रवार को ग्रामीण विकास एवं पंचायतीराज राज्य मंत्री ओटाराम देवासी एवं जालोर-सिरोही सांसद लुम्बाराम चौधरी के कर कमलों से किया गया। इस अवसर पर ओटाराम देवासी ने उपस्थित जनसमुदाय को संबोधित करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री जन आवास योजना-2015 तत्कालीन राज्य सरकार की आवासहीन परिवारों को कम लागत में आवास उपलब्ध कराने अतिमहत्वपूर्ण योजना थी, इसके लिए कार्य भी प्रारम्भ हो चुका था। अब पुनः सरकार द्वारा इस काम को गति देकर जल्द से जल्द पूरा करवाया जा रहा है। जैसे-जैसे फ्लैटस का निर्माण कार्य पूरा होगा लोगों को हाथों हाथ इनका आवंटन किया जायेगा। उन्होंने निर्माणकर्ता ठेकेदार को सख्ती से हिदायत देकर शेष रहे आवासों को जल्द से जल्द तैयार करने के लिए निर्देशित किया। कार्यक्रम के समापन पश्चात अतिथियों ने लाखेराव तालाब और निडोरा तालाब पर जाकर जीर्णोद्धार कार्यो का विधिवत शिलान्यास किया गया।

इस दौरान लाखेराव तालाब एवं निहोरा तालाब के जीर्णोद्धार कार्य का शिलान्यास व मुख्यमंत्री जन आवास योजना अंतर्गत निर्मित किए गए आवासों का पात्र लाभार्थियों को आवंटन पत्रों का भी वितरण किया गया। कार्यक्रम में सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग की ओर से दिव्यांग लाभार्थियों को बैटरी चलित इलेक्ट्रिक व्हीलचेयर का भी वितरण किया गया। कार्यक्रम में सांसद लुम्बाराम चौधरी ने केन्द्र सरकार की अमृत 2.0 योजना में सिरोही शहर में स्थित लाखेराव तालाब के जीर्णोद्धार के लिए 196 लाख तथा निडोरा तालाब के जीर्णोद्धार के लिए 165 लाख रुपये की स्वीकृति जारी करने पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का आभार जताया तथा कार्यक्रम में नगरपरिषद आयुक्त को इन कार्यो को शीघ्रताशीघ्र प्रारम्भ करवाने के निर्देश दिये। कार्यक्रम में सिरोही जिला कलेक्टर अल्पा चौधरी, सहित शहर के आमजन उपस्थित रहे।

नींबू खरीदने को लेकर झड़प के बाद सांप्रदायिक तनाव

जयपुर। राजस्थान के उदयपुर जिले में मामूली विवाद के बाद हुई झड़प ने सांप्रदायिक तनाव का रूप ले लिया और शुक्रवार को प्रभावित इलाके में बाजार बंद रहा। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस के अनुसार, घटना धान मंडी इलाके में 'तीज का चौक' के पास सब्जी के ठेले से नींबू खरीदने को लेकर दो युवकों के बीच बहस के बाद हुई। पुलिस ने बताया कि दो युवकों के बीच बहस जल्द ही हाथापाई में बदल गयी और कुछ ही मिनटों में झड़प ने सांप्रदायिक तनाव का रूप ले लिया। पुलिस अधीक्षक योगेश गोयल ने बताया कि पांच से सात लोगों ने सब्जी विक्रेता सतवीर (50) पर धारदार हथियार से हमला किया, जिससे उसके चेहरे पर गंभीर चोटें आईं।

उन्होंने बताया कि घायल सतवीर को एमबी अस्पताल ले जाया गया, जहां उसका इलाज जारी है। अधिकारी ने बताया कि तनाव उस समय और बढ़ गया, जब सड़क किनारे दो झोपड़ियों और कुछ सब्जी ठेलों में आग लगा दी गई। उन्होंने बताया कि अग्निशमन कर्मी घटनास्थल पर पहुंचे और आग बुझाई। इस बीच, पुलिस अधीक्षक के नेतृत्व में आसपास के चार थानों की पुलिस टीमें मौके पर पहुंचीं और स्थिति को काबू किया। शांति बनाए रखने के लिए संवेदनशील इलाकों में अतिरिक्त बल तैनात किया गया है।

गोयल ने बताया, सीसीटीवी फुटेज के आधार पर छह लोगों को हिरासत में लिया गया है, जिसमें हमलावरों को हथियार लेकर जाते हुए देखा गया है।

छात्रवृति में तकनीकी समस्या के त्वरित समाधान के लिए संस्था प्रधान और विभागीय अधिकारी करें बेहतर समन्वय से काम : अग्रवाल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर।। निदेशक एवं संयुक्त शासन सचिव बचनेश अग्रवाल ने कहा कि राज्य सरकार की मंशा छात्र-छात्राओं को तय समयावधि में छात्रवृति उपलब्ध कराने की है। इसमें होने वाले विलंब या समस्या के समाधान के लिए संस्था प्रधान और विभागीय अधिकारी बेहतर समन्वय के साथ काम कर छात्र-छात्राओं को राहत पहुंचाएं। उन्होंने कहा इसमें किसी भी तरह की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। अग्रवाल ने शुक्रवार को सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग के मुख्यालय अंबेडकर भवन के सभागार में जिले के लगभग 50 सरकारी और निजी कॉलेजों के प्रतिनिधियों और विभागीय अधिकारियों के साथ अहम बैठक कर छात्रवृति प्रक्रिया को आसान बनाने और छात्र-छात्राओं को प्रक्रिया समझाने और उचित परामर्श के निर्देश दिए। उन्होंने संस्थान या विद्यार्थी स्तर से समय पर आवेदन विभाग को अग्रेषित नहीं किए जाने, विद्यार्थियों द्वारा संस्थान में बायोमैट्रिक नहीं किए जाने, विद्यार्थी द्वारा समय पर आक्षेप पूर्ति नहीं किए जाने संबंधी समस्याओं को सुना और अधिकरियों को इनके त्वरित समाधान के लिए जरूरी दिशा-निर्देश दिए। निदेशक एवं संयुक्त शासन सचिव ने कहा समस्त संस्था प्रभारी संस्थान स्तर पर छात्रवृत्ति संबंधी कार्मिकों द्वारा प्रतिदिन निस्तारण की नियमित रूप से मॉनिटरिंग करें तथा एक कलैंडर तैयार कर छात्रवृत्ति का निस्तारण करें। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों के आवेदनों पर लगने वाले आक्षेपों के निस्तारण के संबंध में एक एसओपी बनाई जाए तथा जिन विद्यार्थियों द्वारा समय पर आक्षेप पूर्ति नहीं की जा रही है या बायोमैट्रिक उपस्थिति दर्ज नहीं करवाई जा रही है उनको व्हाट्सएप, दूरभाष या नोटिस चस्पा कर शीघ्र आक्षेप पूर्ति करवाएं।

अग्रवाल ने संस्थानों को संस्थान छात्रवृत्ति नोडल अधिकारी का नाम, मोबाइल नम्बर तथा नोडल अधिकारी द्वारा छात्रवृत्ति आवेदनों का निस्तारण करने का समय नोटिस पर चस्पा किए जाने तथा इसकी प्रतिलिपि विभाग को प्रेषित किए जाने के भी निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि विभागीय जिला अधिकारी प्रत्येक माह अधिक पेंडेंसी वाले शिक्षण संस्थानों के साथ मीटिंग कर पेंडेंसी की समीक्षा करें तथा प्रतिमाह रिपोर्ट निदेशालय को प्रेषित करें। निदेशक ने विभागीय जिला अधिकारियों द्वारा संस्थानों के औचक निरीक्षण करने तथा अनियमितता बरतने वाली संस्थानों के विरुद्ध सख्त कार्यवाही लाने के भी निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि बायोमैट्रिक ओथेन्टिकेशन के लिए यूडीआईडी द्वारा पंजीकृत एल-1 डिवाइस इस्तेमाल करने के भी निर्देश दिए। उन्होंने संस्थान स्तर पर विद्यार्थियों के आवेदन जांच किए जाने दो कर्मचारियों के नियोजन के साथ पोर्टल पर संस्थान या विद्यार्थियों को बायोमैट्रिक आथेन्टिकेशन या उपस्थिति के लिए फेस रिकॉगनेशन की सुविधा भी उपलब्ध करवाने के निर्देश दिए। संस्थान स्तर पर आ रही तकनीकी समस्याओं के त्वरित निस्तारण के लिए निदेशालय की तकनीकी टीम प्रत्येक माह में दो दिवस शिक्षण संस्थानों की तकनीकी समस्याओं का समाधान भी करे।

नगालैंड में किसानों के कल्याण के लिए शिवराज चौहान ने 380 करोड़ रुपए की सहायता राशि की घोषणा की

कोहिमा/भाषा। केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने नगालैंड के कृषि क्षेत्र को बड़ा प्रोत्साहन देते हुए राज्य के किसानों के कल्याण के लिए 380 करोड़ रुपए की सहायता राशि की घोषणा की है। एक सरकारी बयान के अनुसार, यह घोषणा बृहस्पतिवार को पेरेन जिले के जलुकी स्थित पशु चिकित्सा विज्ञान और पशुपालन कॉलेज में प्रशासनिक-सह-शैक्षणिक खंड और किसान मेले के उद्घाटन के अवसर पर की गई।

चौहान ने नगालैंड सरकार से आग्रह किया कि वह कृषि विकास के लिए एक विस्तृत कार्य योजना तैयार करे, ताकि इस राशि का प्रभावी उपयोग हो सके। उन्होंने राज्य के समग्र कृषि विकास के लिए केंद्र की ओर से हरसंभव सहयोग का आश्वासन दिया। केंद्रीय मंत्री ने छात्रों और किसानों को संबोधित करते हुए कहा कि छात्रों, कृषि विज्ञान केंद्रों और विश्वविद्यालयों के प्रोफेसर को शामिल करके प्रत्येक जिले में एक कोर टीम का गठन किया जाना चाहिए, जो स्थानीय किसानों के साथ नियमित संपर्क बनाए रखे। उन्होंने कहा कि ये टीम नगालैंड के विशिष्ट जलवायु क्षेत्रों के अनुसार उपयुक्त फसल और पशुधन प्रजातियों की पहचान करने में मदद करेंगी, जिससे उत्पादकता और किसानों की आय बढ़ेगी।

बंगाल शिक्षा मुख्यालय के बाहर बेरोजगार शिक्षकों का प्रदर्शन जारी

कोलकाता/भाषा। शहर के साल्ट लेक स्थित पश्चिम बंगाल शिक्षा विभाग मुख्यालय के अंदर और आसपास आंदोलनकारी स्कूल शिक्षकों तथा पुलिस के बीच हुई हिंसक झड़पों के एक दिन बाद प्रदर्शनकारियों ने शुक्रवार को सरकारी परिसर के बाहर अपना प्रदर्शन जारी रखा। हाल ही में उच्चतम न्यायालय के आदेश के बाद अपनी नौकरी गंवाने वाले शिक्षक विकास भवन परिसर के पास एकत्र हुए और पश्चिम बंगाल सरकार के खिलाफ नारे लगाए। भारी पुलिस बल की तैनाती के कारण उन्होंने मुख्य द्वार का ताला तोड़कर राज्य शिक्षा विभाग मुख्यालय में घुसने का कोई इरादा नहीं दिखाया।

'डिजर्विंग टीचर्स राइट्स फोरम' के एक सदस्य ने बताया कि बृहस्पतिवार को हुई झड़पों में मामूली रूप से घायल हुए कई लोग वापस लौट आए और प्रदर्शन में शामिल हुए। बेरोजगार शिक्षकों के सहकर्मियों और अन्य व्यवसायों से जुड़े उनके मित्रों सहित प्रदर्शनकारियों की संख्या सुबह लगभग 200 से बढ़कर एक हजार से अधिक हो गई। फोरम के प्रवक्ताओं में से एक चिन्मय मंडल ने कहा कि हजारों नागरिक अधिकार कार्यकर्ताओं और राजनीतिक कार्यकर्ताओं के शुक्रवार शाम विकास भवन के बाहर एकत्रित होने की उम्मीद है, ताकि शिक्षकों के आंदोलन के साथ एकजुटता व्यक्त की जा सके और विरोध के भविष्य की रूपरेखा की घोषणा की जा सके।

उत्तर प्रदेश : शाही ईदगाह के मामले की सुनवाई अब दीवानी न्यायाधीश की अदालत में होगी

मथुरा/भाषा। उत्तर प्रदेश के मथुरा जिले की एक अदालत ने शुक्रवार को शाही ईदगाह इंतजामिया कमेटी के खिलाफ मुकदमे की सुनवाई दीवानी न्यायाधीश (जूनियर डिवीजन-द्वितीय द्वारा किये जाने का निर्देश दिया। श्रीकृष्ण जन्मभूमि मुक्ति एवं निर्माण न्यास द्वारा दायर मुकदमे में कथित रूप से फर्जी एवं कूटरचित तथ्यों के आधार पर वक्फ बोर्ड में पंजीकरण कराने और अवैध बिजली कनेक्शन पाने का आरोप लगाया था। जिला शासकीय अधिवक्ता (अपराध) शिवराम सिंह तरकर ने शुक्रवार को बताया कि श्रीकृष्ण जन्मभूमि मुक्ति एवं निर्माण न्यास के अध्यक्ष आशुतोष पाण्डेय ने गत वर्ष शाही ईदगाह इंतजामिया कमेटी के खिलाफ मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट के समक्ष एक याचिका दाखिल की थी, जो खारिज कर दी गई थी। सिंह ने बताया कि उन्होंने पिछले दिनों जिला न्यायाधीश के समक्ष अपील दायर कर उक्त याचिका का स्थानांतरण किसी अन्य न्यायालय में करने का अनुरोध किया था।

श्रमिक और उद्योगपति एक-दूसरे के पूरक हैं, न कि प्रतिस्पर्धी : योगी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लखनऊ/भाषा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को श्रम एवं सेवायोजन विभाग की समीक्षा बैठक में कहा कि श्रमिक और उद्योगपति एक-दूसरे के पूरक हैं, न कि प्रतिस्पर्धी। उन्होंने कहा कि प्रदेश की औद्योगिक प्रगति तभी संभव है जब श्रम कानूनों को उद्यम और श्रमिक समर्थक दोनों दृष्टियों से संतुलित बनाया जाए।

मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि श्रम कानूनों का सरलीकरण इस प्रकार किया जाए जिससे उद्योगों को सुविधा मिले, लेकिन यह भी सुनिश्चित हो कि श्रमिकों के शोषण या उनके साथ अमानवीय व्यवहार की कोई संभावना न रहे।

इस संबंध में जारी एक बयान के मुताबिक, मुख्यमंत्री ने कहा, '' 'हर हाथ को काम' देने के लिए हमें उद्योगों को सशक्त करना होगा। उद्योग बंद कर किसी को रोजगार नहीं दिया जा सकता, बल्कि उद्योगों का विस्तार ही अधिकाधिक रोजगार सृजन का माध्यम है।'' उन्होंने कहा, ''दुर्घटना की स्थिति में श्रमिकों और उनके परिवारों को सुरक्षा मिले, इसके लिए उन्हें सम्मानजनक मानदेय और बीमा सुरक्षा कवच देना अनिवार्य है।'' आदित्यनाथ ने कहा कि श्रमिकों के अधिकारों की रक्षा करते हुए राज्य सरकार का प्रयास है कि उत्तर प्रदेश देश का सबसे बड़ा श्रमिक-हितैषी और उद्योग समर्थ राज्य बनकर उभरे। उन्होंने कहा कि यह सुनिश्चित किया जाए कि कैंटीन में श्रमिकों को 5-10 रुपए में चाय, नाश्ता और भोजन मिले।

मुख्यमंत्री ने कहा कि विदेश में रोजगार के लिए जाने वाले निर्माण श्रमिकों को न केवल तकनीकी प्रशिक्षण दिया जाए, बल्कि गंतव्य देश की भाषा का भी प्रशिक्षण अनिवार्य किया जाए, जो उनकी कार्यक्षमता और सुरक्षा दोनों के लिए आवश्यक है। उन्होंने कहा कि आयुष्मान भारत योजना की तर्ज पर निजी अस्पतालों को सीएसआईसी और ईएसआईएस से जोड़ा जाए क्योंकि इससे संगठित और असंगठित दोनों क्षेत्रों के श्रमिकों को स्वास्थ्य लाभ मिलेगा। बैठक में अधिकारियों ने मुख्यमंत्री को अवगत कराया कि आजादी के बाद से 2016 तक प्रदेश में 13,809 कारखाने पंजीकृत थे, जबकि पिछले नौ वर्षों में 13,644 नए कारखानों का पंजीकरण हुआ है, जो 99 प्रतिशत की वृद्धि है।

भारत अगले कुछ वर्षों में लड़ाकू विमान निर्माण में आत्मनिर्भर बन जायेगा : हरिनारायण

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

ब्रह्मपुर (ओडिशा)/भाषा। भारत के हल्के लड़ाकू विमान (एलसीए) तेजस के पूर्व कार्यक्रम निदेशक एवं मुख्य डिजाइनर कोटा हरिनारायण ने कहा है कि देश अगले कुछ वर्षों में लड़ाकू विमान बनाने में आत्मनिर्भर हो जायेगा।

पद्मश्री से सम्मानित हरिनारायण ने कहा कि देश में विमान निर्माण का पारिस्थितिकी तंत्र विकसित हो चुका है। स्वदेशी विमानों के उत्पादन की तकनीक में भी सुधार हुआ है और कुछ वर्षों के भीतर भारत वायु सेना (आईएएफ) की जरूरतों को पूरा करने के लिए सभी श्रेणियों के लड़ाकू विमानों की एक श्रृंखला बनाएगा। हरिनारायण ने कहा, ''मुझे उम्मीद है कि अगले कुछ वर्षों में भारत रक्षा के लिए आवश्यक सभी लड़ाकू विमान बना लेगा और अपने मित्र देशों को इनका निर्यात भी शुरू कर देगा।'' देश ने तेजस के लिए जो प्रौद्योगिकी विकसित की थी, उसे छोटे से लेकर मध्यम आकार के और मानवरहित विमानों में भी आगे बढ़ाया गया है। हरिनारायण ने कहा, ''बहुत अधिक समय नहीं लगेगा, भारत रक्षा उत्पादों का निर्यातक बन जाएगा... देश अब इनमें से कुछ उत्पाद रूस और फ्रांस से खरीद रहा है।'' हरिनारायण (82) निजी विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह में शामिल होने आए थे। उन्होंने कहा कि भारतीय वायुसेना द्वारा तेजस के व्यापक उपयोग ने स्वदेश निर्मित विमान के महत्व को सिद्ध कर दिया है।

'ऑपरेशन सिंदूर' के बाद राजनयिक पहल की जरूरत, पर दोहरा मापदंड क्यों: कांग्रेस

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस ने शुक्रवार को आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 'ऑपरेशन सिंदूर' का राजनीतिक लाभ उठाने का प्रयास कर रहे हैं और यह भी चाहते हैं कि भारत का पक्ष रखने के लिए सभी दलों के सांसद विदेश जाएं। पार्टी महासचिव जयराम रमेश ने सवाल किया कि यह दोहरा मापदंड क्यों हैं?

पहलगाम में आतंकवादी हमले के प्रत्युत्तर में चलाए गए 'ऑपरेशन सिंदूर' के बाद आक्रामक राजनयिक अभियान के तहत वैश्विक स्तर पर भारत के पक्ष को मजबूती से रखने और पाकिस्तान प्रायोजित आतंकवाद को बेनकाब करने के लिए सरकार अगले सप्ताह से विभिन्न देशों में कई बहुदलीय प्रतिनिधिमंडल भेजेगी।

रमेश ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, ''प्रधानमंत्री ने 25 मई को केवल राजग शासित राज्यों के मुख्यमंत्रियों की बैठक बुलाई है, ताकि 'ऑपरेशन' सिंदूर से राजनीतिक लाभ उठाया जा सके। लेकिन अब वे चाहते हैं कि पाकिस्तान से होने वाले आतंकवाद पर भारत का रुख स्पष्ट करने के लिए सभी दलों के सांसद विदेश जाएं।'' उन्होंने सवाल किया, ''राजनयिक पहल की सख्त जरूरत है, लेकिन यह दोहरे मापदंड क्यों?''

नीतीश कुमार ने पटना में 'सिर्फ महिलाओं' के लिए 20 बसें शुरू कीं

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पटना/भाषा। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने शुक्रवार को यहां महिलाओं की सुरक्षित और आरामदायक यात्रा के लिए राज्य परिवहन निगम की 20 गुलाबी बसें हरी झंडी दिखाकर रवाना कीं। उन्होंने राज्य में सार्वजनिक परिवहन की गुणवत्ता में सुधार के लिए बिहार राज्य सड़क परिवहन निगम लिमिटेड (बीएसआरटीसीएल) की 166 डीलक्स बसों की भी शुरुआत की।

यहां मुख्यमंत्री के सरकारी आवास पर आयोजित कार्यक्रम में उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी और विजय कुमार सिन्हा, परिवहन मंत्री शीला कुमारी, संसदीय कार्य मंत्री विजय कुमार चौधरी और राज्य सरकार के कई अधिकारी उपस्थित थे। मुख्यमंत्री कार्यालय (सीएमओ) की ओर से जारी बयान में कहा गया है, ''मुख्यमंत्री ने बसों को हरी झंडी दिखाने से पहले उनका निरीक्षण किया और उनमें प्रदान की गयी सुविधाओं के बारे में जानकारी ली। महिला सशक्तीकरण की दिशा में राज्य सरकार द्वारा उठाया गया यह एक महत्वपूर्ण कदम है, जिसके तहत अब 20 गुलाबी बसों का संचालन शुरू हो गया है। इससे महिलाओं की यात्रा सुरक्षित और आरामदायक हो जाएगी। इसके अलावा, राज्य के विभिन्न जिलों में 166 डीलक्स बसें चलेंगी।''

राज्य का 2024-25 का बजट पेश किये जाने के दौरान, सरकार ने चार शहरों - पटना, मुजफ्फरपुर, पूर्णिया और भागलपुर में विशेष रूप से महिलाओं के लिए गुलाबी बसें शुरू करने की योजना की घोषणा की थी।

राज्य परिवहन विभाग के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया,''सभी 20 गुलाबी बसें सीएनजी (संपीड़ित प्राकृतिक गैस) से चलने वाली हैं। ये केवल पटना में चलेंगी।

दूसरे चरण में हम अन्य जिलों में गुलाबी बसों की सेवा शुरू करेंगे। इन बसों में महिला संचालक होंगी और ये रोजाना सुबह सात बजे से रात आठ बजे तक चलेंगी।''

अपने नाम का स्टैंड बनने के बाद वानखेड़े पर खेलना खास होगा : रोहित शर्मा

मुंबई/भाषा। वानखेड़े स्टेडियम पर अपने नाम के स्टैंड के उद्घाटन के बाद सीनियर बल्लेबाज रोहित शर्मा ने कहा कि भारत की जर्सी में अब इस मैदान पर एक दिवसीय क्रिकेट खेलने का अनुभव खास होगा। मुंबई क्रिकेट संघ ने वानखेड़े स्टेडियम पर रोहित, भारत के पूर्व कप्तान अजित वाडेकर और बीसीसीआई के पूर्व अध्यक्ष शरद पवार के नाम के स्टैंड का उद्घाटन किया।

सात मई को टेस्ट क्रिकेट से विदा लेने वाले रोहित ने कहा ,'' जो आज हो रहा है, वह मैने कभी सोचा भी नहीं था । आप कई उपलब्धियां हासिल करने की कोशिश करते हैं लेकिन यह कुछ खास है क्योंकि वानखेड़े स्टेडियम अलग है और यहां कई यादें बनी हैं ।'' उन्होंने कहा ,'' यहां खेल के दिग्गजों और दुनिया के सर्वश्रेष्ठ राजनेता के बीच मेरा नाम होना, मैं जज्बात व्यक्त नहीं कर सकता । मैं बहुत आभारी हूं ।'' पिछले साल भारत को विश्व कप दिलाने के बाद टी20 क्रिकेट से विदा ले चुके रोहित ने कहा ,''मैं अभी भी खेल रहा हूं और दो प्रारूप से विदा ली है । जब 21 तारीख को (मुंबई इंडियंस) यहां खेलूंगा और मेरे नाम का स्टैंड होगा तो खास होगा ।''

'ऑपरेशन सिंदूर' प्रधानमंत्री के दृढ़ संकल्प, सशस्त्र बलों की अचूक मारक क्षमता का प्रतिबिंब : शाह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शुक्रवार को कहा कि 'ऑपरेशन सिंदूर' प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के दृढ़ संकल्प, विभिन्न एजेंसियों द्वारा सटीक खुफिया जानकारी जुटाने और भारतीय सशस्त्र बलों की अचूक मारक क्षमता का प्रतिबिंब है।

शाह ने विभिन्न एजेंसियों के बीच खुफिया जानकारी साझा करने के उद्देश्य से दिल्ली में एक नये केंद्र का उद्घाटन करने के बाद यह बात कही। खुफिया ब्यूरो के तहत इस बहु एजेंसी केंद्र की स्थापना 26/11 के मुंबई आतंकवादी हमलों के बाद की गई थी, जिसका उद्देश्य कानून प्रवर्तन में शामिल विभिन्न हितधारकों के बीच समय पर जानकारी साझा करना है। 'ऑपरेशन सिंदूर' के तहत भारत ने 22 अप्रैल को पहलगाम में हुए आतंकी हमले के जवाब में सात मई को तड़के पाकिस्तान और इसके कब्जे वाले कश्मीर में आतंकी ठिकानों पर सटीक हमले किए। भारत और पाकिस्तान ने 10 मई को सैन्य कार्रवाई रोकने पर सहमति जताई। हालांकि, भारत ने यह स्पष्ट कर दिया है कि उसने केवल अपने अभियान को रोका है और उसकी भविष्य की कार्रवाई पाकिस्तान के आचरण पर निर्भर करेगी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा था कि ऑपरेशन सिंदूर आतंकवाद के खिलाफ भारत की नई नीति और न्याय के लिए देश की अटूट प्रतिज्ञा है।

विंग कमांडर व्योमिका पर जातिवादी टिप्पणी को लेकर मौर्य ने रामगोपाल यादव पर हमला बोला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लखनऊ/भाषा। उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने शुक्रवार को विंग कमांडर व्योमिका सिंह पर जातिवादी टिप्पणी को लेकर समाजवादी पार्टी के नेता रामगोपाल यादव पर कटाक्ष किया। शुक्रवार को हिंदी में 'एक्स' पर एक पोस्ट में केशव प्रसाद मौर्य ने कहा, दलितों पर लगातार अत्याचार करके प्रोफेसर बने श्री रामगोपाल यादव इस उम्र में भी दलितों को नीची नजर से देखने से बाज नहीं आ रहे हैं।

विंग कमांडर सिंह, विदेश सचिव विक्रम मिसरी और कर्नल सोफिया कुरैशी के साथ ऑपरेशन सिंदूर पर प्रेस ब्रीफिंग में नियमित रूप से शामिल होती थीं। मध्य प्रदेश के मंत्री विजय शाह द्वारा कर्नल सोफिया कुरैशी पर की गई आपत्तिजनक टिप्पणी का जिक्र करते हुए यादव ने बृहस्पतिवार को मुरादाबाद में कहा था, ''इनके (भाजपा के) एक मंत्री ने कर्नल कुरैशी को अपशब्द कहे। उच्च न्यायालय ने उनके खिलाफ फिर से मामला दर्ज करने का आदेश दिया है। लेकिन उन्हें नहीं पता कि व्योमिका सिंह कौन हैं और न ही उन्हें एयर मार्शल एके भारती के बारे में पता था, वरना ये लोग उन्हें भी अपशब्द कहते।'' यादव ने कहा, ''मैं आपको बता दूं कि व्योमिका सिंह हरियाणा की जाटव हैं और एयर मार्शल भारती पूर्णिया के यादव हैं। तो तीनों ही पीडीए (पिछड़ा, दलित, अल्पसंख्यक) से हैं।

हमने अभ्यास बंद नहीं किया क्योंकि पता था आईपीएल फिर शुरू होगा : मनीष पांडे

बेंगलूरु/भाषा। कोलकाता नाइट राइडर्स के बल्लेबाज मनीष पांडे ने कहा कि उनकी टीम ने आईपीएल स्थगित होने के बाद भी अभ्यास नहीं छोड़ा था क्योंकि उन्हें पता था कि लीग दोबारा शुरू होगी और इस छोटे ब्रेक से उन्हें लय हासिल करने में मदद मिली । केकेआर का सामना शनिवार को रॉयल चैलेंजर्स बेंगलूरु से होगा और प्लेआफ की उम्मीदें बरकरार रखने के लिये उसे हर हालत में जीत दर्ज करनी है ।पांडे ने मैच से पूर्व प्रेस कांफ्रेंस में कहा ,'' टूर्नामेंट बीच में स्थगित होने से ज्यादा फर्क नहीं पड़ा क्योंकि पेशेवर क्रिकेट होने के नाते हमें पता है कि क्या करना है । हमें पता था कि टूर्नामेंट फिर शुरू होगा लेकिन यह नहीं पता था कि कब होगा । यह अच्छी बात है कि ब्रेक लंबा नहीं रहा ।'' उन्होंने कहा ,'' हम जिम जा रहे थे और खेल पर काम कर रहे थे । पूरी टीम यहां है और सभी अच्छे प्रदर्शन को बेकरार हैं ।'' आरसीबी से हारने पर केकेआर की प्लेआफ की उम्मीदें खत्म हो जायेंगी लेकिन पांडे इसका दबाव नहीं ले रहे । उन्होंने कहा ,'' यहां से खोने के लिये कुछ नहीं है । हम टूर्नामेंट में इससे बेहतर प्रदर्शन कर सकते थे । लेकिन बीच में कुछ मैच हार गए । काश वे मैच हमने जीते होते लेकिन अभी दो मैच बाकी है और हम बेहतरीन खेल दिखाना चाहते हैं ।'' पिछली बार लगातार कई मैच जीते जो आईपीएल जैसे टूर्नामेंट में जरूरी है । इस बार हम एक जीत रहे थे तो एक हार रहे थे । पूरे टूर्नामेंट में ऐसा ही हुआ ।

मैं रोहित शर्मा को सिडनी टेस्ट से बाहर नहीं रहने देता : रवि शास्त्री

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। रवि शास्त्री ने कहा है कि अगर वह ऑस्ट्रेलिया के पिछले दौरे पर भारत के कोच होते तो वह कप्तान रोहित शर्मा को खराब फॉर्म के बावजूद सिडनी में आखिरी टेस्ट से बाहर नहीं रहने देते ।

रोहित निजी कारणों से बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी के पहले टेस्ट से बाहर रहे और आखिरी टेस्ट में भी खराब फॉर्म के कारण उन्होंने बाहर रहने का फैसला किया । वह पांच पारियों में 31 रन ही बना सके । भारत को टेस्ट शृंखला में 1 . 3 से पराजय झेलनी पड़ी ।

शास्त्री ने कहा कि उन्होंने इस सत्र में आईपीएल मैचों के दौरान रोहित से बात की और बताया कि अगर वह ऑस्ट्रेलिया में होते तो क्या करते । उन्होंने कहा ,' टॉस के समय रोहित से मेरी काफी मुलाकातें हुई है । टॉस के दौरान बात करने का ज्यादा समय नहीं मिलता । मैने हालांकि एक मैच में उसके कंधे पर हाथ रखा । शायद वह मुंबई मैच था । मैने उससे कहा कि अगर मैं कोच होता तो उसे आखिरी टेस्ट से कभी बाहर नहीं रहने देता ।'' उन्होंने आईसीसी रिव्यू के ताजा अंक में कहा ,'' मैने उससे कहा कि वह आखिरी टेस्ट जरूर खेलता क्योंकि शृंखला पूरी नहीं हुई थी ।' रोहित ने हाल ही में टेस्ट प्रारूप को अलविदा कह दिया जबकि टी20 क्रिकेट से वह पिछले साल ही संन्यास ले चुके हैं ।

भारत के पूर्व कोच ने कहा ,''मैं उन लोगों में से नहीं हूं जो 2 . 1 स्कोर होने पर हार मान ले । यह वह मौका नहीं है जब आप टीम को छोड़ दें ।''

शास्त्री ने कहा ,'' वह 30 . 40 रन का मैच था । मैने उससे यही कहा । सिडनी की पिच काफी जबर्दस्त थी और वह जिस फॉर्म में था, वह मैच विनर होता ।'' उन्होंने कहा ,'' अगर वह खेलता, हालात को भांपता और उसके हिसाब से शीर्षक्रम में 35 . 40 रन बनाता तो कुछ भी हो सकता था । शृंखला बराबरी पर होती ।' शास्त्री ने कहा ,'' हर किसी की अपनी शैली होती है । मेरी शैली यह होती और मैने उसे बता दिया । यह बात कई दिनों से मेरे दिल में थी और मुझे उसे बताना था ।''

रोहित और विराट कोहली दोनों ने अगले महीने के इंग्लैंड दौरे से पहले टेस्ट क्रिकेट से विदा ले ली ।

भारत के संभावित टेस्ट कप्तान पर गावस्कर ने कहा, गिल की प्रतिस्पर्धात्मकता सबसे अलग है

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। पूर्व कप्तान सुनील गावस्कर का मानना है कि इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) भविष्य के भारतीय कप्तानों की ट्रेनिंग के लिए बिलकुल सही मैदान है जो शुभमन गिल जैसे खिलाड़ियों को शीर्ष स्तर पर पहुंचने से पहले जरूरी अनुभव प्रदान कर रहा है।

रोहित शर्मा के संन्यास के बाद गुजरात टाइटन्स के कप्तान गिल इंग्लैंड के टेस्ट दौरे पर भारत की कप्तानी कर सकते हैं और ऋषभ पंत उप कप्तान हो सकते हैं। रोहित के इस फैसले के कुछ ही दिन बाद विराट कोहली के संन्यास ने टेस्ट टीम में खालीपन पैदा कर दिया है। गावस्कर ने कहा कि गिल के अलावा अन्य संभावित कप्तान जैसे पंत तथा श्रेयस अय्यर को तैयार होने में कम से कम दो साल लगेंगे।

'स्टार स्पोर्ट्स प्रेस रूम' में 'पीटीआई' के एक सवाल के जवाब में गावस्कर ने कहा, ''हमारे सुपर कप्तान (एमएस धोनी, रोहित, विराट) के स्तर तक पहुंचने के लिए भविष्य के कप्तानों को तैयार करने में दो साल लगेंगे। इन सभी ने कप्तानी के लिए अलग दृष्टिकोण अपनाया है।'' पंत इस समय लखनऊ सुपर जायंट्स की कप्तानी कर रहे हैं जबकि अय्यर इस आईपीएल में पंजाब किंग्स की कप्तानी कर रहे हैं। गावस्कर ने कहा, ''जब आप गिल, अय्यर और पंत को देखते हैं जो भारतीय कप्तानी के तीन मुख्य दावेदार हैं तो आप तीनों (धोनी, रोहित, विराट) का एक मिश्रण देखते हैं। गिल शायद अधिक प्रतिस्पर्धी हैं क्योंकि जब भी कोई फैसला होता है तो वह तुरंत अंपायर से पूछते हैं। वह शायद इनमें ज्यादा ही शामिल होते हैं। '' उन्होंने कहा, ''हालांकि पंत स्टंप के पीछे होते हैं और वह भी इन सभी मैदानी फैसलों में अच्छी तरह शामिल होते हैं। अय्यर भी शानदार रहे हैं। इन तीनों ने सकारात्मक तरीके से कप्तानी की है। '' इस पूर्व भारतीय कप्तान ने कहा, ''एक कप्तान के तौर पर आपको सबसे ज्यादा अनुभव टी20 के दबाव से होता है। यह कप्तानी के लिए सबसे अच्छा ट्रेनिंग मैदान है। ''

सुविचार

जो व्यक्ति अपना लक्ष्य तय नहीं कर सकता, वह जीत भी नहीं सकता।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

शब्दों की मर्यादा न भूलें

भारत के वीर सैनिकों ने 'ऑपरेशन सिंदूर' के तहत बहादुरी और बलिदान की जो मिसाल पेश की, उसके लिए देशवासी उनकी जय-जयकार कर रहे हैं। हमारे सैनिक इन तारीफों के हकदार हैं, लेकिन कुछ नेताओं ने जो बड़बोलापन दिखाया, वह दुर्भाग्यपूर्ण है। यह कोई सियासी नूरा-कुश्ती नहीं है कि एक नेता दूसरे नेता को ललकारे, वह उसे कुछ खास शब्दों से नवाज़े और उसके समर्थक इस जुबानी जंग का लुत्फ उठाते हुए तालियां बजाएं। हमारी सेनाओं का देशवासी बहुत सम्मान करते हैं। एक सैनिक जब देश के दुश्मनों से भिड़ता है तो वह अपने प्राण देने से भी नहीं हिचकता। नेतागण उनके बारे में कोई बयान दें तो शब्दों की मर्यादा का खास ध्यान रखें। भारत का सैनिक किसी जाति और मजहब के लिए नहीं लड़ता। वह पूरे देश के लिए लड़ता है। उसके लिए समस्त देशवासी ही अपने होते हैं। जो लोग सैनिकों के बारे में भेदभावपूर्ण टिप्पणियां करते हैं, वे राष्ट्रीय एकता को कमजोर करने का प्रयास करते हैं। ऐसे लोगों को हतोत्साहित करना चाहिए। जो नेता अपने मुट्ठीभर समर्थकों के बीच इस किस्म की बयानबाजी कर तालियों से खुश हो जाते हैं, उन्हें मालूम होना चाहिए कि देशभर में उनकी भारी किरकिरी हो रही है। हिंदू, मुस्लिम, सिक्ख, ईसाई, बौद्ध, जैन, पारसी, यहूदी ... हम सभी भारत मां की संतानें हैं। देश को सुरक्षित और एकजुट रखना हम सबकी जिम्मेदारी है। हमारी सेनाओं में हर धर्म और जाति के लोग सेवाएं दे रहे हैं। उन सबमें महान बलिदानी पैदा हुए हैं। हमें तो इस विविधता को अपनी ताकत समझना चाहिए। भारत वह देश है जिसकी विविधता ऐसे सैनिक तैयार करने में सक्षम है, जो हर किस्म के वातावरण में तैनात हो सकते हैं, लड़ सकते हैं। हमारी सांस्कृतिक जड़ें बहुत गहरी हैं।

इस समय रूस-यूक्रेन युद्ध चल रहा है और दोनों ही देशों की सेनाएं सैनिकों की कमी से जूझ रही हैं। उनकी सरकारों द्वारा नौजवानों को सेना में जबरन भर्ती किए जाने की खबरें भी आई हैं। कई नौजवान इससे बचने के लिए बहाने ढूंढ़ रहे हैं। कई तो विदेशों में शरण ले चुके हैं। भारत में स्थिति बिल्कुल अलग है। यहां 'ऑपरेशन सिंदूर' का आगाज होते ही नौजवान केंद्र सरकार से कह रहे हैं कि हमें सेना में भर्ती कीजिए। सरहदी इलाकों में ग्रामीण कह रहे हैं कि अगर युद्ध छिड़ा तो हम कहीं नहीं जाएंगे, बल्कि यहीं रहकर सैनिकों का सहयोग करेंगे। जिस देश में सेना के साथ जनभावनाएं इतनी मजबूती से जुड़ी हों, वहां कुछ ओछी टीका-टिप्पणी करने वालों की चालें कभी कामयाब नहीं हो सकती हैं। जब भारतीय सैनिक बर्फीली वादी, जंगल, रेगिस्तान, समुद्र और आकाश में दुश्मन से लड़ता है तो वह सिर्फ भारतीय होता है। वह या तो तिरंगा फहराकर आता है या तिरंगे में लिपटकर आता है। बहुत दूर न जाएं, कारगिल युद्ध की कहानियां ही पढ़ लें। मेजर सोनम वांगचुक, कैप्टन विजयंत थापर, राइफलमैन संजय कुमार, कैप्टन अनुज नय्यर, कैप्टन विक्रम बत्रा, मेजर राजेश सिंह, कैप्टन हनीफुद्दीन जैसे योद्धा किसके लिए लड़े थे? ये भारत मां के लिए लड़े थे, उसकी करोड़ों संतानों के लिए लड़े थे। ये देश की अखंडता के लिए लड़े थे। दुश्मन की गोलाबारी और सख्त मौसमी हालात के बीच भारतीय सैनिक अपने लक्ष्य की ओर बढ़ते जा रहे थे, तो इसके पीछे उनका अटूट देशप्रेम था। जिसके दिल में देशप्रेम की ज्वाला होती है, उसे मौत का खौफ नहीं होता। 'ऑपरेशन सिंदूर' भी ऐसी एक ज्वाला है। संकुचित सोच रखने वाले कुछ नेता अपनी भेदभावपूर्ण टिप्पणियों के जरिए वोटबैंक में बढ़ोतरी की उम्मीद लगाए बैठे हैं तो उन्हें निराशा ही हाथ लगेगी। भारतवासी अपनी सेनाओं के साथ एकजुट हैं। आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई सिर्फ सैनिकों की नहीं, हम सबकी है।

ट्वीटर टॉक

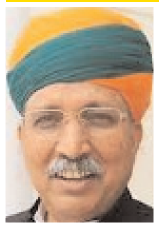

आज मंगलुरु प्रवास के दौरान श्री मंजुनाथ मंदिर, धर्मस्थल में भगवान श्री मंजुनाथ जी के दर्शन कर पूजा अर्चना की एवं देशवासियों के कल्याण और सुख-समृद्धि की प्रार्थना की। यह पावन धाम हमारी सनातन संस्कृति,आस्था और परंपराओं की गौरवशाली पहचान है।

–अर्जुनराम मेघवाल

शौर्य, स्वाभिमान और राष्ट्रभक्ति के प्रतीक, वीर शिरोमणि वीर शिरोमणि सम्राट पृथ्वीराज चौहान जी की जयंती पर सादर नमन। मातृभूमि की रक्षा के लिए उन्होंने जिस वीरता और दृढ़ संकल्प का परिचय दिया, वह भारतीय इतिहास में स्वर्णाक्षरों में अंकित है।

–ओम बिरला

वीरता, शौर्य और उदारता की अद्वितीय प्रतिमूर्ति, 'राजस्थान गौरव' वीर शिरोमणि सम्राट पृथ्वीराज चौहान जी की जयंती पर उन्हें शत शत नमन। आपकी गौरव गाथा युगों-युगों तक मातृभूमि के कण-कण को गौरवान्वित करती रहेंगी।

–भजनलाल शर्मा

प्रेरक प्रसंग

शुभ-अशुभ निहितार्थ

अमेरिका के प्रसिद्ध हास्य लेखक मार्क ट्वेन एक पत्रिका का संपादन कर रहे थे। एक दिन उन्हें एक पाठक का शिकायत भरा पत्र मिला। उस पत्र में लिखा था कि जब वह अख़बार पढ़ रहा था, तब उसमें से एक मकड़ी निकल आई। पाठक ने सवाल उठाया कि अख़बार में से मकड़ी निकलना शुभ माना जाए या अशुभ? मार्क ट्वेन ने बड़े रोचक और व्यंग्यपूर्ण ढंग से उत्तर दिया, 'शायद आपको यह नहीं पता कि हमारी पत्रिका को मकड़ियां भी पढ़ती हैं। उनका भी एक उद्देश्य होता है। वे यह देखती हैं कि किन दुकानदारों ने इस अंक में विज्ञापन नहीं दिया है। जिन दुकानों के विज्ञापन नहीं होते, वहां ग्राहक नहीं आते और बिक्री ठप रहती है। ऐसे में मकड़ियां निश्चिंत होकर उन्हीं दुकानों में घुस जाती हैं। दरवाज़ों पर जाले बुनती हैं और भीतर रखी वस्तुओं का आनंद लेती हैं। इसलिए जिन दुकानदारों ने विज्ञापन दिया है, उनके लिए तो मकड़ी का निकलना शुभ है यह संकेत है कि उन्होंने सही निवेश किया। लेकिन जिनका विज्ञापन नहीं छपा, उनके लिए यह अशुभ संकेत है कि उनकी दुकान में अब सिर्फ मकड़ियां ही आएंगी!'

सामयिक

अरुणाचली चाल है पाक के हक में चीन की बौखलाहट

ललित गर्ग

मोबाइल : 9811051133

पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारत के सफल 'ऑपरेशन सिंदूर' के बाद चीन बौखला गया है। पाकिस्तान की करारी हार एवं उसे दिये गये सबक को चीन पचा नहीं पा रहा है। चीन-पाक की सदाबहार दोस्ती के उदाहरण बार-बार सामने आते रहे हैं, हाल ही में सैन्य टकराव के दौरान चीन ने प्रत्यक्ष व परोक्ष तौर पर पाकिस्तान का समर्थन ही नहीं किया, बल्कि सैन्य व आर्थिक मदद भी की। ऐसे ही संवेदनशील समय पर चीन ने भारतीय जमीन पर दावेदारी जताने एवं अरुणाचल के 27 स्थानों को चीनी नाम देने की कुचेष्टा की है। उसकी यह नापाक कोशिश भी पाक के साथ खड़े होने का ही प्रयास है। यह ध्यान रहे कि वह अरुणाचल एवं उसके अनेक क्षेत्रों, इनमें आवासीय क्षेत्रों के साथ पहाड़ और नदियां भी हैं, इनको पहले ही चीनी नाम दे चुका है। भारत सरकार ने अरुणाचल के भीतरी स्थानों को नए नाम देने के चीन के निराधार और बेतुके प्रयासों को स्पष्ट रूप से खारिज करते हुए इसकी निन्दा की है। चीन अपनी दोगली नीति, षडयंत्रकारी हरकतों एवं विस्तारवादी मंशा से कभी बाज नहीं आता। वह हमेशा कोई ऐसी कुचेष्टा करता ही रहता है जिससे भारत चीन बॉर्डर पर अक्सर तनाव रहता है। हालांकि भारत ने दो टूक जवाब देते हुए साफ कहा है कि अरुणाचल प्रदेश भारत का अभिन्न अंग है और यह चीनी दुष्प्रचार के सिवाय कुछ नहीं है। चीन की इस हरकत ने यह साफ कर दिया है कि उससे संबंध सुधारने की भारत की तरफ से कितनी ही पहल हो जाए, वह सुधरने वाला नहीं है।

निश्चित ही चीन की ये दकियानूसी हरकतें पूरी तरह से अस्वीकार्य हैं, यह उसके दुस्साहस एवं उच्छृंखलता का द्योतक है। नाम बदलने से इस स्पष्ट और निर्विवाद वास्तविकता को नहीं बदला जा सकता कि अरुणाचल प्रदेश भारत का अभिन्न और अविभाज्य अंग था, है और हमेशा रहेगा। इस तरह की करतूतों, बचकानी एवं बेतूकी हरकतों से भारत को उकसाना चाहता है। इसी नीति के तहत वह भारत के पड़ोसी देशों में अपनी पैठ बना कर पुलों, सड़कों, व्यावसायिक केंद्रों आदि का निर्माण कर भारत की सीमा पर तनाव पैदा करने की भी कोशिश करता रहा है। शायद उसने यह मुगालता पाल लिया है कि ताजा घटनाक्रम से भारत दबाव में आ जाएगा लेकिन भारत अब ऐसे किसी दबाव में न तो आयेगा, बल्कि इनका सक्षम एवं तीक्ष्ण तरीके से जबाव देने में भारत सक्षम है। चीन का अधिक बौखलाहट एवं खीज का बड़ा कारण भारत ने उसके एयर डिफेंस सिस्टम, ड्रोन, मिसाइल आदि की इस कदर पोल खोल कर रख दी कि अब उसके लिए दुनिया के निर्धन देशों को अपने दोयम दर्जे एवं घटिसा किस्म के चीनी हथियार बेचना कठिन होगा। पाकिस्तान ने जिस चीनी मिसाइल का इस्तेमाल किया था, उसे भारत ने नाकाम कर दिया।

चीन यह तो चाहता है कि भारत उसके हितों को लेकर अतिरिक्त सावधानी बरते, लेकिन खुद उसकी ओर से भारत के प्रति अपेक्षित संवेदनशीलता को लगातार नजरअंदाज करता है। चीन भरोसे लायक देश नहीं है, चीन के प्रति कठोर रवैया जरूरी है। निस्संदेह नाम बदलने जैसी घटनाएं हमें सतर्क करती हैं कि चीन के साथ मैत्री संबंधों के निर्धारण के दौरान हमें सजग, सावधान व सचेत रहना चाहिए। अन्यथा चीन पीठ पर वार करने से नहीं चूकने वाला है। भारत को चीन के साथ अपनी तिब्बत नीति पर भी नए सिरे से विचार करना होगा। पिछले तीसरे साल में चीन ने अरुणाचल प्रदेश के अनेक स्थानों के नाम बदले हैं। चीन अरुणाचल को जांगनान के नाम से दर्शाता है। वहीं इसे तिब्बत के दक्षिणी हिस्से के रूप में होने का दावा करता है। चीन किये गये वायदों एवं समझौतों से पीछे हटता रहा है, चीनी राष्ट्रपति ने दोनों देशों के बीच 1993, 1996, 2005 और 2013 में परस्पर भरोसा पैदा करने वाले समझौतों को पूरी तरह नजरअंदाज कर दिया। उन्होंने अपनी सेना को भारतीय दावे वाले इलाकों में अतिक्रमण करने का आदेश दिया। इसी का अंजाम रही जून 2020 में गलवान घाटी जैसी घटना। जिसमें उसके सैनिक गलवान घाटी में घुस आए थे, जिन्हें रोकने में खूनी संघर्ष हुआ। तबसे दोनों देशों के रिश्ते तनावपूर्ण बने हुए हैं। भारत के हिस्से की जमीन पर कब्जा करने के इरादे से वह चोरी-छिपे और चालबाजी से घुसपैठ करने की कोशिशें करता रहता है। चीन की विस्तारवादी नीति भारत सहित सम्पूर्ण एशिया के लिये ही नहीं, पूरे विश्व के लिए बड़ा खतरा है।

चीन भारत की बढ़ती ताकत एवं रूतबे से परेशान है। भारत की बढ़ती आर्थिक और सामरिक ताकत चीन को चुभती रही है, इसलिए वह चोरी, चालाकी और चालबाजी से भारत को कमजोर करने की चालें चलता रहता है। दरअसल, सीमाओं को लेकर नित नए विवादास्पद तथ्य लाना चीन की फितरत में शामिल है। अरुणाचल प्रदेश ही नहीं, अक्साई चिन, ताइवान और विवादित दक्षिण चीन सागर पर भी चीन अपना दावा जताता रहा है। शातिर और चालबाज चीन अरुणाचल के किसी दस्तावेज पर भारत का नाम स्वीकार नहीं करता। कुछ मौकों पर तो वह अरुणाचल को अपने नक्शे में शामिल कर दुनिया के सामने साबित करने की कोशिश कर चुका है कि वह उसका इलाका है। मगर भारत की तरफ से मिले सख्त प्रतिरोध की वजह, सामरिक शक्ति और रणनीतिक सूझ-बूझ से उसे हर बार मुंह की खानी पड़ी है।

भारत को अनेक मोर्चों पर चीन को आडे हाथ लेना होगा, सबसे जरूरी है चीन सामान का बहिष्कार, इस पर सरकार के साथ हमारे उद्योग जगत एवं आम जनता को भी गंभीरता से सोचना होगा। ऐसा करके ही चीन की कमर को तोड़ा जा सकता है, आज दुनिया के अनेक देश चीनी सामान का बहिष्कार कर रहे हैं, हमें भी कठोर कदम उठाने होंगे। भारत ने जब भी पाकिस्तान में पनाह पाए आतंकियों को अंतरराष्ट्रीय आतंकवादियों की सूची में डलवाने का प्रयास किया, चीन संयुक्त राष्ट्र में अपने वीटो का प्रयोग कर उसे रोकने की कोशिश करता रहा है, जबकि पूरी दुनिया आतंकवाद के खिलाफ युद्ध का समर्थन करती रही है। जिससे पता चलता है कि अंतर्राष्ट्रीय मंचों पर भारत से दोस्ती का हाथ बढ़ाने तथा व्यापार-कारोबार बढ़ाने की बात करने वाला चीन भारत के प्रति कैसी दुर्भावना रखता है। वह वैश्विक संगठनों व मंचों पर भारत के साथ खड़ा होने का दावा एवं ढोंग ही करता है।

भारत एवं चीन दोनों देशों के बीच संबंधों में आने वाली तल्खी की बड़ी वजह भी चीन की नीयत में खोट, उच्छृंखलता एवं अनुशासनहीनता ही है। चीन ने एक बार फिर अपनी इस हरकत से भारत के प्रति शत्रुता को ही जाहिर किया है। भारत के साथ चीन का बर्ताव हमेशा दोगला एवं द्वेषपूर्ण रहा है। इसकी भी अनदेखी नहीं कर सकते कि चीन किस तरह पाकिस्तान को भारत के खिलाफ मोहरे की तरह इस्तेमाल करता रहा है। जाहिर बात है कि चीन ने ऐसा न केवल चुनौतीपूर्ण समय में भारत का ध्यान भटकाने के लिये किया है, बल्कि पाकिस्तान के साथ एकजुटता दिखाने के लिये भी किया है। अपनी आर्थिक शक्ति के नशे में चूर अहंकारी चीन अंतरराष्ट्रीय नियम-कानूनों को जिस तरह धता बता रहा है, उससे वह विश्व व्यवस्था के लिए खतरा ही बन रहा है। अब यह भी किसी से छिपा नहीं कि वह गरीब देशों को किस तरह कर्ज के जाल में फंसाकर उनका शोषण कर रहा है। चीन भूल गया है कि अब भारत 1962 वाला भारत नहीं है, यह नया भारत है और आज का भारत चीन को मिट्टी में मिलाने की ताकत रखता है। भारत की रणनीति साफ है, स्पष्ट है। आज का भारत समझने और समझाने की नीति पर विश्वास करता है लेकिन अगर हमें आजमाने की कोशिश होती है तो जवाब भी उतना ही प्रचंड देने में वह समर्थ हैं। भारतीय सेना में सरहदें बदल देने की क्षमता है, दुश्मनों को इरादों को ध्वस्त करने का मादा है इसलिये चीन अपने नक्शे में भले ही छेड़छाड़ करता रहे, लेकिन भारत की भूमि पर कब्जाने की उसकी मंशा अब कभी साकार नहीं होगी।

हेल्थ

बीपी ने बढ़ाई दिल की धड़कन

बाल मुकुन्द ओझा

मोबाइल : 9414441218

विश्व उच्च रक्तचाप दिवस हर वर्ष 17 मई को मनाया जाता है। दरअसल आजकल की सभी बीमारियां खराब जीवनशैली से जुड़ी होती हैं, ऐसे में ब्लड प्रेशर की समस्या को कंट्रोल करना मुश्किल हो जाता है। ब्लड प्रेशर को मैनेज करने के लिए हमें लाइफ स्टाइल में सुधार करने की जरूरत होती है। विश्व उच्च रक्तचाप दिवस 2025 की थीम, अपने रक्तचाप को सही तरीके से मापें, इसे नियंत्रित करें, लंबे समय तक जिएं रखी गई है। इसका मतलब है कि नियमित और सटीक रक्तचाप माप के महत्व पर जोर देना आवश्यक है। डॉक्टर के मुताबिक, हाईपरटेंशन के सही प्रबंधन की आधारशिला ही सटीक रक्तचाप माप है। सही मेजरमेंट बीपी को जल्दी पहचानने, प्रभावी ढंग से मैनेज करने और जोखिमों से बचने में मदद करता है। चिकित्सकों ने सही मेजरमेंट के लिए बताया है, बीपी चेक करने से पहले मरीज को कम से कम 5 मिनट तक आराम करने दें। बीपी चेक करवाते समय बातचीत न करें और मरीज की पीठ तथा हाथ ठीक से टिके हों। दो या अधिक बार बीपी चेक करें और औसत माप निकालें। घर पर बीपी मापना भी फायदेमंद होता है। इस दिन का मुख्य उद्देश्य लोगों में हाई ब्लड प्रेशर के प्रति जागरूक करना है। इस बीमारी ने अब घर घर दस्तक दे दी है जिस कारण इसे साइलेंट किलर भी कहा जाने लगा है। इसका कारण यह है कि कई बार बीपी के लक्षण शुरुआती चरणों में दिखाई नहीं देते हैं और यह धीरे-धीरे हार्ट, ब्रेन, किडनी एवं आंखों जैसे महत्वपूर्ण अंगों को नुकसान पहुंचा सकता है।

भारत की बात करें तो हमारा देश आजकल बीमारियों के देश के रूप में अपनी पहचान बनाता जा रहा है। इनमें एक बीमारी बीपी या उच्च रक्तचाप की है। विश्व स्वास्थ्य संगठन की एक ताज़ा रिपोर्ट में बताया गया है कि भारत में करीब 20 करोड़ लोग हाई ब्लड प्रेशर के मरीज हैं। इनमें से 37 प्रतिशत मरीजों को अपनी बीमारी के बारे में पता है और 30 प्रतिशत हाईब्लड प्रेशर के लिए इलाज ले रहे हैं। भारत में केवल 15 प्रतिशत मरीजों का ब्लड प्रेशर कंट्रोल में है। यह बीमारी साइलेंट किलर के रूप में घर घर में देखने को मिल रही है। आज के आधुनिक परिवेश में ब्लड प्रेशर के मरीजों की तादाद दिन प्रति दिन बढ़ती जा रही है। दौड़- भाग भरी जिंदगी, फॉस्ट फूड और अनियमित दिनचर्या की वजह से आजकल बच्चे से बुजुर्ग तक हर उम्र के लोगों में बीपी की समस्या देखने को मिल रही है। और वैसे तो ब्लड प्रेशर की बीमारी मामूली सी लगती है लेकिन अगर इसपर काबू न पाया गया तो यह समस्या दिल की बीमारी, स्ट्रोक और किडनी की बीमारी का कारण भी बन सकती है। ब्लड प्रेशर कम हो या ज्यादा दोनों ही ख़तरनाक होते हैं। इसलिए डॉक्टर द्वारा अक्सर यह सलाह दी जाती है की आप नियमित रूप से ब्लड प्रेशर की जांच करवाते रहें। देश में ज्यादा नमक ने दिल का और हाई ब्लडप्रेशर मरीज बना दिया है। 25 साल से ज्यादा उम्र के लोगों में भारत में नमक का औसत सेवन 10 ग्राम प्रतिदिन है। जबकि थकज के मुताबिक एक व्यक्ति को एक दिन में 5 ग्राम या उससे भी कम नमक खाना चाहिए। लेकिन भारतीय रोजाना डबल डोज में नमक खा रहे हैं, जिसमें पुरुष औसतन 11 ग्राम और महिलाएं 9 ग्राम नमक खा रही हैं।

विश्व स्वास्थ्य संगठन के मुताबिक ऐसे लोग जिनका ब्लड प्रेशर 140/90 से ज्यादा रहता है वो हाईब्लड प्रेशर के मरीज माने जाते हैं. विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुमान के मुताबिक अगर 50 प्रतिशत लोगों को कंट्रोल ब्लड प्रेशर वाले दायरे में लाया जा सका तो 2023 से 2050 के बीच होने वाली 76 मिलियन यानी साढे सात करोड़ लोगों की असमय मौतों को टाला जा सकेगा।

नजरिया

धार्मिक उग्रवाद के विरोध में धर्मनिरपेक्षता एक बड़ी शक्ति

संजीव ठाकुर

मोबाइल : 9009 415 415

धर्मनिरपेक्षता लोकतंत्र को सशक्त करने हेतु एक महत्वपूर्ण संवेदनशील एवं शाश्वत सिद्धांत है। धर्मनिरपेक्षता भारतीय राजनीति का मूल आधार तत्व है। जिसमें राजनीतिक दलों को भारतीय संविधान की महत्वपूर्ण भूमिका अंतर्निहित है। धर्मनिरपेक्षता धार्मिक उग्रवाद का बड़ा विरोधी भाव है। इसमें धर्म के प्रति विद्वेष का भाव नहीं होता है, बल्कि सभी धर्मों का समान आदर किया जाता है। इस आधुनिक काल में धर्मनिरपेक्षता सामाजिक और राजनीतिक सिद्धांत में प्रस्तुत सर्वाधिक जटिल शब्दों में एक है। धर्मनिरपेक्षता का अर्थ पाश्चात्य तथा भारतीय संदर्भ में अलग-अलग है। भारतीय धर्मनिरपेक्षता का तात्पर्य समाज में विभिन्न धार्मिक मतों का अस्तित्व मूल्यों को बनाए रखने सभी मतों का विकास और समृद्धि करने की स्वतंत्रता का तथा साथ ही साथ सभी धर्मों के प्रति एक समान आदर तथा सहिष्णुता विकसित करना भी है। पश्चिमी संदर्भ में धर्मनिरपेक्षता का तात्पर्य ऐसी व्यवस्था से है जहां धर्म और राज्यों का एक दूसरे के मामले में हस्तक्षेप न करना तथा व्यक्तियों और उसके अधिकारों को केंद्रीय महत्व दिया जाना शामिल है। यद्यपि भारतीय धर्मनिरपेक्षता में पश्चिमी भाव तो शामिल हैं साथ-साथ कुछ अन्य भाव भी शामिल किए गए हैं। धर्मनिरपेक्ष व्यक्ति समाज या राष्ट्र अभाव होता है, जो किसी विशेष धर्म या अन्य धर्मों की तुलना में पक्षपात नहीं करता है।

भारतीय संदर्भ धर्मनिरपेक्षता की आजादी के बाद बड़ी स्वच्छ एवं स्वस्थ सार्वभौमिक परंपरा रही है। इसमें किसी व्यक्ति से धर्म और संप्रदाय के नाम पर किसी प्रकार का भेदभाव नहीं किया जाता है। प्रत्येक नागरिक को इसके अंतर्गत स्वतंत्रता प्राप्त होती है कि वह अपनी इच्छा अनुसार किसी भी धर्म को अपनाएं एवं किसी भी व्यक्ति के धार्मिक मामलों में हस्तक्षेप न करें, भारत में धर्म और राजनीति को एक दूसरे से अलग तथा पृथक रखने की हमेशा कोशिश की गई है। भारत में राज्य का अपना कोई धर्म नहीं है, यहां राज्य की नजर में सब एक समान है। भारत में धर्मनिरपेक्षता में सभी धर्मों को समानता का दर्जा प्रदान किया गया है। सभी धर्मों के नागरिकों से यह अपेक्षा की जाती है कि वह सभी धर्मों के नागरिकों को समान आदर व इज्जत से व्यवहार करें। भारतीय धर्मनिरपेक्षता राज्य के सभी धर्मों को विकास का समान अवसर देती है, इस प्रकार यह माना जा सकता है कि धर्मनिरपेक्षता सर्वधर्म समभाव पर विशेष महत्व देकर उस पर केंद्रित करती है। धर्मनिरपेक्षता के अंतर्गत तर्क और विवेक की प्रधानता होती है, सभी व्यक्ति को सब कुछ कहने और विचार करने की स्वतंत्रता होने के साथ-साथ वैज्ञानिक आविष्कारों को भी पूर्ण अधिकार के साथ प्रोत्साहित भी किया जाता है। भारतीय संदर्भ में धर्मनिरपेक्षता से विविधता में एकता को बल मिलता है। हालांकि कुछ राजनीतिक दलों ने समय-समय पर भारतीय धर्मनिरपेक्षता को सत्ता प्राप्त करने हेतु कमजोर करने की कोशिश की है, यह हमारी जिम्मेदारी तो है ही साथ ही आम जनता, राजनीतिक दलों, मीडिया एवं सभी प्रमुख राजनीतिक दलों की महती जिम्मेदारी है कि भारतीय संविधान के अनुरूप धर्मनिरपेक्षता का राजनीतिक, सामाजिक जीवन में पालन करें, जिससे हमारे देश का लोकतंत्र और अधिक सुदृढ़ होकर विश्व के लिए एक आदर्श प्रतिमान प्रस्तुत करें। आजादी के पूर्व तथा आजादी के पश्चात महात्मा गांधी, मौलाना अबुल कलाम आजाद, जवाहरलाल नेहरू, सरदार वल्लभभाई पटेल, लाल बहादुर शास्त्री आदि नेताओं का धर्मनिरपेक्षता के सिद्धांत के प्रति अटूट श्रद्धा एवं विश्वास थाश्र स्वतंत्रता के पूर्व राष्ट्रीय आंदोलन से पहले ही सामाजिक धार्मिक सुधार आंदोलन ने धर्मनिरपेक्षता का मार्ग प्रशस्त कर दिया था,और स्वतंत्रता के बाद भारत में धर्मनिरपेक्षता की लोकतांत्रिक शासन प्रणाली अपनाई गई है, जिसके अंतर्गत व्यक्ति को समानता स्वतंत्रता व न्याय जैसे मानव अधिकार प्राप्त हैं। और इन अधिकारों में सबसे महत्वपूर्ण धार्मिक स्वतंत्रता को माना गया है, इसके अभाव में राज्य में समानता व धर्म निरपेक्षता की स्थापना नहीं की जा सकती है। भारत की सबसे बड़ी विशेषता विविधता में एकता ही रही है, विविधता में एकता का मूल मंत्र ही धर्मनिरपेक्षता का है।

महत्त्वपूर्ण

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006. Editor : Bhupendra Kumar (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar. Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.**Regn No.RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टेंडर एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।– दक्षिण भारत राष्ट्रमत

रूसी राष्ट्रपति से जल्द ही मिलूंगा: तुर्किये में पुतिन के वार्ता में शामिल न होने के बाद ट्रंप ने कहा

अबू धाबी/एपी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने शुक्रवार को कहा कि वह जल्द ही रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के साथ सीधी वार्ता करने की दिशा में आगे बढ़ रहे हैं। इससे पहले पुतिन ने तुर्किये में रूस और यूक्रेन के बीच शांति वार्ता में शामिल नहीं होने का फैसला किया था।

पश्चिम एशिया का चार दिवसीय दौरा करने वाले ट्रंप ने संवाददाताओं से बातचीत में कहा, ''मुझे लगता है कि अब समय आ गया है कि हम ऐसा करें।''

अमेरिका वापस जाने के लिए एयरफोर्स वन विमान में सवार होने के बाद ट्रंप ने कहा कि वह जल्द ही पुतिन से बात कर सकते हैं।

ट्रंप ने कहा, ''वह और मैं मिलेंगे तथा मुझे लगता है कि हम इसे सुलझा लेंगे ...शायद नहीं भी।'' अमेरिकी राष्ट्रपति ने कहा, ''कम से कम हमें पता तो चल जाएगा। और अगर हम इसे सुलझा नहीं पाते हैं, तो भी कोई बात नहीं।'' उन्होंने दोहराया कि उन्हें इस बात पर आश्चर्य नहीं है कि पुतिन वार्ता में शामिल नहीं हो रहे हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति ने कहा कि पुतिन ने वहां इसलिए जाना पसंद नहीं किया क्योंकि वह वहां नहीं हैं।

रिपब्लिकन नेता ने कहा कि वह पुतिन के साथ बैठक करेंगे, ''जैसे ही हम इसे तय कर लेंगे'' (यह बैठक होगी)।

अमेरिकी राष्ट्रपति ने बताया कि उनकी बेटी टिफ़नी ने हाल ही में अपने पहले बच्चे को जन्म दिया है। ट्रंप ने कहा, ''मैं अपने खूबसूरत नाती को देखना चाहता हूं।''

ट्रंप की ओर से (यूक्रेन युद्ध का) समाधान खोजने के लिए दबाव डाले जाने पर यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने बातचीत में शामिल होने पर सहमति जताई, लेकिन पुतिन ने जेलेंस्की के साथ आमने-सामने की बातचीत की अपील को ठुकरा दिया।

अमेरिकी राष्ट्रपति दोनों पक्षों (रूस और यूक्रेन) पर युद्ध समाप्त करने के लिए जल्द से जल्द समझौता करने का दबाव डालते रहे हैं।

जेलेंस्की ने युद्ध को 30 दिन के लिए रोकने की अमेरिकी योजना पर सहमति जताई है, लेकिन रूस इस पर सहमत नहीं है और उसने यूक्रेन के अंदर लक्ष्यों पर हमले करना जारी रखा है।

इसके बावजूद, रूस और यूक्रेन ने तीन साल में पहली बार शुक्रवार को इस्तांबुल में सीधी शांति वार्ता की।

अधिकारियों और पर्यवेक्षकों को बेहद कम उम्मीद है कि तीन साल से अधिक समय से जारी युद्ध को रोकने के लिए दोनों पक्ष तत्काल कोई प्रगति करेंगे।

ट्रंप ने कहा, ''वह (पुतिन) (बैठक में) नहीं गए, और मैं इसे समझता हूं।'' उन्होंने कहा, ''हम इसे पूरा करने जा रहे हैं। हमें इसे पूरा करना है। औसतन हर हफ़्ते पांच हज़ार युवा मारे जा रहे हैं, और हम इसे निश्चित तौर पर पूरा करेंगे।''

अमेरिका के राष्ट्रपति ने बृहस्पतिवार को पत्रकारों से कहा कि गतिरोध को समाप्त के लिए उनके और पुतिन के बीच बैठक बहुत ज़रूरी है। उन्होंने कहा, ''मुझे नहीं लगता कि जब तक वह और मैं साथ नहीं आते, तब तक कुछ होने वाला है, चाहे आपको यह पसंद हो या न हो। लेकिन हमें इसे हल करना होगा, क्योंकि बहुत से लोग मर रहे हैं।''

गर्मी

जबलपुर में शुक्रवार को गर्मी के दिन चिलचिलाती धूप से बचने के लिए लड़कियाँ खुद को स्कार्फ़ से ढकती हुई।

क्षमता निर्माण

दिल्ली विधानसभा अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता शुक्रवार को दिल्ली विधानसभा में राष्ट्रीय सुशासन केंद्र द्वारा आयोजित क्षमता निर्माण कार्यक्रम के दौरान इथियोपियाई प्रतिनिधिमंडल के साथ।

पीओके वापस लेने के लिए पहले से सब तय करना होगा : अनिल भट्ट

नई दिल्ली/भाषा। डोकलाम संकट के समय सैन्य अभियान महानिदेशक (डीजीएमओ) का दायित्व संभाल चुके एक पूर्व सैन्य अधिकारी ने कहा है कि 'ऑपरेशन सिंदूर' के कारण आधुनिक युद्ध कौशल में ड्रोन का महत्व स्पष्ट रूप से सामने आया है जो अंतरिक्ष और साइबरस्पेस के साथ मिलकर भविष्य के सैन्य संघर्षों में नए प्रतिमान जोड़ेगा।

सेवानिवृत्त लेफ्टिनेंट जनरल अनिल कुमार भट्ट ने बृहस्पतिवार को 'पीटीआई वीडियो' को दिए साक्षात्कार के दौरान सोशल मीडिया पर उन कई युद्ध समर्थकों के सुझावों पर नाराजगी भी व्यक्त की, जो चार दिन में संघर्ष समाप्त होने से नाखुश थे और कह रहे थे कि यह पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर को वापस पाने का एक अवसर था। उन्होंने कहा कि युद्ध अंतिम विकल्प होना चाहिए और युद्ध नहीं छेड़ा जाना चाहिए क्योंकि भारत ने अपने रणनीतिक लक्ष्यों को हासिल कर लिया है।

जून 2020 में सेवानिवृत्ति के बाद देश में निजी अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी क्षेत्र के विकास के संबंध में मार्गदर्शन कर रहे भट्ट ने कहा, युद्ध अथवा पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर को वापस लिया जाने (का काम), सब पहले से तय करना होगा। इस बार ऐसी योजना नहीं बनाई गई थी। हां, अगर मामला उस स्तर तक पहुंचता तो भारतीय सेना उसके लिए तैयार थी। डीजीएमओ के रूप में भट्ट सैन्य पदानुक्रम में सबसे वरिष्ठ सैन्य अधिकारियों में से एक थे, जिनका काम यह सुनिश्चित करना था कि सशस्त्र बल हर समय अभियान के लिए तैयार रहें।

डीजीएमओ सेना प्रमुख को सीधे रिपोर्ट करते हैं और तात्कालिक व दीर्घकालिक सुरक्षा चुनौतियों से निपटने के लिए रणनीति बनाने में शामिल होते हैं, साथ ही वायुसेना और नौसेना के साथ-साथ नागरिक व अर्धसैनिक सुरक्षा बलों के साथ समन्वय भी करते हैं। संकट और तनाव बढ़ने के समय में, दूसरे देश के डीजीएमओ से संवाद करने की जिम्मेदारी डीजीएमओ की होती है। वर्तमान में डीजीएमओ लेफ्टिनेंट जनरल राजीव घई हैं।

भट्ट 2017 में डीजीएमओ थे, जब भारत का वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) के सिक्किम सेक्टर के पास डोकलाम में चीन के साथ 73 दिन तक सैन्य गतिरोध चला था। सेना में 38 साल तक सेवाएं देने वाले भट्ट ने कहा, इसलिए मैं अपने सभी देशवासियों से यही कहूंगा कि युद्ध एक गंभीर मामला है। बहुत-बहुत गंभीर मामला। और कोई राष्ट्र तब युद्ध के लिए तैयार होता है, जब सभी संभावित विकल्प खत्म हो जाते हैं। हमारे पास (वर्तमान संकट के दौरान) युद्ध से पहले इस्तेमाल किए जाने वाले कई विकल्प थे और हमने समझदारी दिखाई। भट्ट ने कहा कि थलसेना, वायुसेना और नौसेना के बीच समन्वय बहुत महत्वपूर्ण है क्योंकि आजकल युद्ध केवल एक क्षेत्र में नहीं बल्कि कई मोर्चों पर लड़े जा रहे हैं। यह पूछे जाने पर कि हालिया संघर्ष में ड्रोन कितने महत्वपूर्ण थे, तो उन्होंने कहा कि ड्रोन ने युद्ध में पूरी तरह से एक नया प्रतिमान स्थापित किया है और दुनियाभर की सेनाओं ने इस पर तब ध्यान केंद्रित करना शुरू किया जब ड्रोनों ने अच्छी तरह से सशस्त्र आर्मीनिया के खिलाफ लगभग हारी हुई लड़ाई जीतने में आजरबैजान की भरपूर मदद की।

ये ड्रोन तुर्की में बने थे। तुर्की ने पाकिस्तान को भी ड्रोन की आपूर्ति की थी।

रिश्तों से बंधी गौरी से मेरा खास जुड़ाव : स्वाति शाह

मुंबई/एजेन्सी

अंतरराष्ट्रीय परिवार दिवस के मौके पर गुरुवार को अभिनेत्री स्वाति शाह ने बताया कि 'रिश्तों से बंधी गौरी' शो से उन्हें खास लगाव है और इसकी टीम परिवार की तरह है। 'रिश्तों से बंधी गौरी' में अभिनेत्री जगदंबा देवी के किरदार में हैं। उन्होंने बताया कि उनके लिए परिवार का क्या मतलब है। उन्होंने सेट पर भी अपना एक घर बनाया है, जिसमें उनका परिवार रहता है। अपने परिवार के महत्व के बारे में स्वाति ने बताया, परिवार मेरी सबसे बड़ी ताकत है। वे हर परिस्थिति में मेरे साथ खड़े रहते हैं। प्यार और समर्थन के साथ वे हमेशा मुझे गाइड करते हैं। मेरा मानना है कि परिवार का मतलब सिर्फ एक छत के नीचे रहना नहीं है, बल्कि हर पल एक-दूसरे के लिए मौजूद रहना है। उनकी प्रार्थनाएं, प्रोत्साहन और बिना शर्त प्यार मुझे हर दिन आगे बढ़ने में मदद करता है। मैं बहुत भाग्यशाली हूं कि मेरे पास इतना खूबसूरत, प्यार करने वाला परिवार है जो मेरी जिंदगी, मेरी धड़कन है। स्वाति का 'रिश्तों से बंधी गौरी' शो के सदस्यों से भी परिवार जैसा लगाव है। सेट पर अपने परिवार के साथ खूबसूरत बंधन के बारे में उन्होंने कहा, सन नियो के 'रिश्तों से बंधी गौरी' के सेट पर मैं रोजाना लगभग 12 घंटे का समय बिताती हूं। मेरे सह-कलाकार परिवार की तरह बन गए हैं। हम साथ में हंसते, खाना शेयर करते, मुश्किल सीन में एक-दूसरे की मदद करते और छोटी-छोटी खुशियों को एक साथ मनाते हैं। यह काम से भी एक खास बॉन्ड को दिखाता है। उन्होंने आगे बताया कि यह रिश्ता या बंधन उन्हें खास एहसास देता है। स्वाति बोलीं, यह बंधन हमें खुश, प्रेरित और पॉजिटिव एनर्जी से भरपूर रखता है। मैं अपने जीवन में एक नहीं बल्कि दो खूबसूरत परिवार पाकर बहुत आभारी महसूस करती हूं! 'रिश्तों से बंधी गौरी' एक साहसी और विनम्र लड़की गौरी पर आधारित है, जिसका आत्मविश्वास उसे जीवन की सबसे कठिन चुनौतियों से पार पाने की ताकत देता है।

गुरु रंधावा को रोल मॉडल मानती हैं निमृत कौर अहलूवालिया

मुंबई/एजेन्सी

बिग बॉस फेम अभिनेत्री निमृत कौर अहलूवालिया का कहना है कि वह बब्बू मान और गुरु रंधावा को रोल मॉडल मानती हैं। निमृत कौर अहलूवालिया ने अपनी पहली पंजाबी फिल्म 'शौंकी सरदार' के ज़रिये फिल्मों में डेब्यू किया है। इस फिल्म में निमृत ने बब्बू मान और गुरु रंधावा के साथ काम किया है। निमृत कौर अहलूवालिया ने बताया कि वह बब्बू मान और गुरु रंधावा को रोल मॉडल मानती हैं। निमृत कौर अहलूवालिया ने कहा, मेरे लिये बब्बू मान और गुरु रंधावा रोल मॉडल हैं। मैं बचपन से इन दिग्गजों को देखती, सुनती और उनकी सराहना करती आई हूं। बब्बू मान सर और गुरु रंधावा के साथ काम करना मेरे लिए बहुत ही प्रेरणादायक अनुभव था। धीरज केदारनाथ रत्तन द्वारा निर्देशित, शौंकी सरदार का निर्माण ईशान कपूर, शाह जंडियाली, धर्मिंदर बतौली और हरजोत सिंह ने किया है। यह फिल्म ज़ी स्टूडियोज़ और बॉस म्यूज़िका रिकॉर्ड्स प्राइवेट लिमिटेड के बैनर तले, 751 फिल्म्स के सहयोग से पेश की गई है।

जियोहॉटस्टार पर जल्द हीं स्ट्रीम होगा 'स्पेशल ऑप्स सीजन 2'

मुंबई/एजेन्सी

फ्राइडे स्टोरीटेलर्स निर्मित सीरीज 'स्पेशल ऑप्स 2 जल्द ही सिर्फ जियोहॉटस्टार पर स्ट्रीम होगी। जियोहॉटस्टार ने 'स्पेशल ऑप्स' सीजन 2 की घोषणा की है। इसका नया सीजन और भी रोमांचक होगा, जिसमें भारतीय इंटेलिजेंस की दुनिया को और गहराई से दिखाया जाएगा। 'स्पेशल ऑप्स 2' भारत में स्पाई थ्रिलर की सीमाओं को नए स्तर तक ले जाने वाला है। शो के क्रिएटर नीरज पांडे ने कहा,स्पेशल ऑप्स के साथ हमने ऐसा कुछ बनाने का सपना देखा था जो लंबे समय तक दर्शकों को याद रहे । एक्शन, स्केल और कहानी के मामले में। पिछली किस्तों को मिली प्रतिक्रिया ने हमें प्रोत्साहित किया और रचनात्मक रूप से नई उंचाइयों तक पहुंचने की प्रेरणा दी। इस सीजन का पैमाना, तेजी और जज्बाती उतार-चढ़ाव जबर्दस्त हैं और इसलिये दर्शकों को ज्यादा रोमांचक अनुभव मिलेगा। यह सफर शानदार रहा है, और इसका श्रेय हमारी फ्राइडे स्टोरीटेलर्स टीम और जियोहॉटस्टार की मजबूत

साझेदारी को जाता है। अब हम चाहते हैं कि दर्शक भी इस नए अध्याय में हमारे साथ चलें। के के मेनन ने कहा, हिम्मत सिंह एक ऐसा किरदार है जिससे दर्शकों का गहरा जुड़ाव बन गया है। इस रोल में दोबारा आना मेरे लिए सौभाग्य और चुनौती दोनों है। सीजन 2 में दर्शकों को हिम्मत के नए रूप देखने को मिलेंगे । उसकी कमजोरियाँ, उसका हौसला और उसके फैसलों की कीमत। स्क्रिप्ट बेहद दमदार है और मैं चाहता हूँ कि लोग इसे जल्द से जल्द देखें।

'चक्रवर्ती सम्राट पृथ्वीराज चौहान' का हिस्सा बने आशुतोष राणा, कहा- 'मेरे लिए खास है अनुभव'

मुंबई/एजेन्सी

दिग्गज अभिनेता आशुतोष राणा ने ऐतिहासिक महाकाव्य 'चक्रवर्ती सम्राट पृथ्वीराज चौहान' का हिस्सा बनने पर गर्व जताया। दरअसल, राणा पृथ्वीराज चौहान के भरोसेमंद दोस्त चंद बरदाई के किरदार को अपनी आवाज दे रहे हैं। वह इस महाकाव्य गाथा के जरिए दर्शकों का मार्गदर्शन करेंगे। शो का हिस्सा बनने पर अपने विचार साझा करते हुए, आशुतोष राणा ने कहा, मैं बचपन में पृथ्वीराज चौहान की कहानियां सुनता था, जो मेरे दिल में गहराई तक बस गईं। अब जब उन्हें इन्हीं कहानियों का हिस्सा बनने का मौका मिला है, तो यह मेरे लिए एक भावनात्मक रूप से बहुत खास अनुभव है। एक अभिनेता के रूप में, मैंने हमेशा माना है कि आवाज में बहुत ताकत होती है। इस नैरेशन के जरिए, मैं कहानी में गहराई और गरिमा लाना चाहता हूं। जो भावनाएं मैं लेकर चल रहा हूं, वो ताकत, जुनून और सम्मान से जुड़ी हैं और ये इस शो की आत्मा से मेल खाती है।

'चक्रवर्ती सम्राट पृथ्वीराज चौहान' एक ऐतिहासिक धारावाहिक है, जो महान योद्धा राजा पृथ्वीराज चौहान के जीवन पर आधारित है। यह पृथ्वीराज चौहान के जीवन के सफर को दिखाती है कि कैसे एक मासूम, युवा राजकुमार धीरे-धीरे एक महान और सम्मानित सम्राट बनता है। कहानी दिखाती है कि कैसे पृथ्वीराज चौहान ने खुद को एक शक्तिशाली योद्धा और सम्राट में बदला। शो में उन महत्वपूर्ण घटनाओं को दिखाया गया है जो पृथ्वीराज को इतिहास में अमर बनाते हैं, जैसे युद्ध, राजनीतिक निर्णय और बलिदान। यह सिर्फ एक राजा की कहानी नहीं है, बल्कि यह उस यात्रा की गाथा है जिसमें एक युवा बालक संघर्षों, वीरता और निर्णयों के जरिए एक ऐसा सम्राट बनता है, जिसकी विरासत आज भी भारतीय इतिहास में चमकती है। यह सीरीज प्रेरणा, शौर्य और नेतृत्व की जीवंत झलक है। इस शो में अनुजा साठे, रोनित रॉय, रूमी खान और पद्मिनी कोल्हापुरी अहम किरदार में हैं। दिग्गज एक्ट्रेस पद्मिनी कोल्हापुरी 11 साल बाद टीवी पर शानदार वापसी कर रही हैं। वह राजमाता की शक्तिशाली भूमिका में नजर आएंगी। टीवी पर वापसी को लेकर पद्मिनी कोल्हापुरी ने पहले कहा था, चक्रवर्ती सम्राट पृथ्वीराज चौहान की दुनिया में कदम रखना मेरे लिए बेहद खास है, न केवल इसलिए कि मैं शक्तिशाली भूमिका निभा रही हूं, बल्कि इसलिए भी कि यह लगभग 11 सालों के बाद टेलीविजन पर मेरी वापसी का प्रतीक है। टीवी पर मेरी यात्रा सोनी एंटरटेनमेंट टेलीविजन के साथ शुरू हुई, और अब इतने सालों के बाद, मैं उसी चैनल पर एक ऐसी भूमिका के साथ लौट रही हूं, जो चुनौतीपूर्ण और संतोषजनक दोनों है। यह शो 4 जून को सोनी एंटरटेनमेंट टेलीविजन पर प्रीमियर के लिए तैयार है।

सैयामी खेर ने शूटिंग से लिया ब्रेक

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड अभिनेत्री और एथलीट सैयामी खेर ने मुंबई की भागदौड़ और अपनी शूटिंग की व्यस्तता से ब्रेक लिया है और अब वह नासिक पहुंच गई हैं, जहां वह अपनी आने वाली आयरनमैन ट्रायथलॉन रेस के लिए गंभीर तैयारी कर रही हैं। यह दुनिया की सबसे कठिन एंड्योरेंस रेस में से एक मानी जाती है। वर्ष 2024 में उन्होंने पहली बार इसमें हिस्सा लिया था और आधी मैराथन पूरी कर इतिहास रचा था। अब वह लगातार दूसरे साल इस अंतरराष्ट्रीय मुकाबले में हिस्सा लेने जा रही हैं। फिटनेस के प्रति अपनी लगन और अनुशासित जीवनशैली के लिए पहचानी जाने वाली सैयामी मानती हैं कि नासिक, उनका होमटाउन, शांति और

प्राकृतिक वातावरण के कारण ट्रेनिंग के लिए सबसे सही जगह है। नासिक लौटने और अपनी तैयारी के बारे में बात करते हुए सैयामी ने कहा,मैं एक नई साउथ फिल्म की शूटिंग कर रही थी (जिसका अभी ऐलान नहीं हुआ है) और आईपीएल के दौरान क्रिकबज़ पर भी व्यस्त थी।

मुझे एक ब्रेक की ज़रूरत थी, आराम के लिए नहीं, बल्कि अपनी आयरनमैन की तैयारी को पूरा ध्यान देने के लिए। मेरा अगला आयरनमैन 70.3 रेस, जो यूरोपियन चैंपियनशिप है, स्वीडन में है और अब वह सिर्फ दो महीने दूर है। मुझे पता था कि यह रेस पिछली बार से कहीं ज़्यादा कठिन होने वाली है।

इसका ट्रैक, चढ़ाई, सबकुछ बहुत अलग है। नासिक आकर मुझे एहसास हुआ कि मुझे कितनी ज्यादा मेहनत करनी है। झील में तैराकी करना, पहाड़ियों पर साइक्लिंग और लंबी दौड़, ये सब मुझे अपनी सीमाएं दिखा रही हैं। मैं हर दिन चार घंटे से ज्यादा की ट्रेनिंग कर रही हूं, ये बहुत थका देने वाला है लेकिन बेहद फायदेमंद भी। मैं पूरी आयरनमैन रेस के बारे में सोचने से पहले एक और हाफ ट्रायथलॉन करना चाहती थी। उम्मीद कर रही हूं कि सब अच्छा हो!

चेन्नई | शनिवार | 17-05-2025 /dakshinbharat /dakshinbharat DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT HINDI DAILY

8 दक्षिण भारत राष्ट्रमत

www.dakshinbharat.com
epaper.dakshinbharat.com

RNI No. : TNHIN/2013/52520
Regn No. : TN/CCN/613/2014-2016
posted at Patrika Channel,
Egmore RMS, Chennai-8

स्वाभिमान गिरवी रखकर प्राप्त किया हुआ सोना, चांदी, महल भी मिट्टी के समान है और स्वाभिमान की सूखी रोटी भी पांच पकवान से बढ़कर है। जिस व्यक्ति के जीवन में देश के प्रति स्वाभिमान नहीं होता वह जिंदा भी मुर्दे के समान है। स्वाभिमान ही धर्म का प्रवेश द्वार है, इसके बिना कितना ही दान, त्याग, तपस्या की जाएं, सब व्यर्थ है। यहां तक कि यदि संत भी बन जाए तो भी विश्व के किसी धर्म में प्रवेश नहीं हो सकता है। विश्व के सभी महापुरुषों ने स्वाभिमान की रक्षा के लिए अपना तन, मन, धन सर्वस्व न्योछावर कर दिया।

दक्षिण रेलवे ने तिरुवनंतपुरम मंडल के अधिकार क्षेत्र में सांसदों के साथ बैठक की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई/तिरुवनंतपुरम्। यहां शुक्रवार को दक्षिण रेलवे के महाप्रबंधक और सांसदों के बीच हुई बैठक में तिरुवनंतपुरम मंडल के अंतर्गत विभिन्न निर्वाचन क्षेत्रों से संबंधित प्रमुख विकास कार्यों 'पूर्ण हो चुके और चल रहे' की समीक्षा की गई और सांसदों को उनके बारे में जानकारी दी गई। बैठक में यात्री सुविधाओं और बुनियादी ढांचे में सुधार के लिए दक्षिण रेलवे की निरंतर प्रतिबद्धता को दर्शाया गया।

बैठक में केंद्रीय पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस तथा पर्यटन राज्य मंत्री और त्रिशूर से सांसद सुरेश गोपी, मवेलिक्कारा क्षेत्र के सांसद कोडिकुन्निल सुरेश, कोल्लम निर्वाचन क्षेत्र के सांसद एन. के. प्रेमचंद्रन, तिरुवनंतपुरम् के सांसद डॉ. शशि थरूर, अलपुझा निर्वाचन क्षेत्र के सांसद केसी वेणुगोपाल, पथानामथिट्टा सांसद अन्तो एंटनी, अतिंगल के सांसद ए. अडूर प्रकाश, एर्नाकुलम केसासंद हिबी ईडन, तिरुनेलवेली सांसद सी. रॉबर्ट ब्रूस, कन्याकुमारी सांसद वी. विजयकुमार, राज्यसभा सांसद डॉ. जॉन ब्रिटास, हारिस बीरन उपस्थित थे।

दक्षिण रेलवे के महाप्रबंधक आर.एन. सिंह ने सांसदों का स्वागत किया तथा दक्षिण रेलवे के कामकाज का विवरण प्रस्तुत किया। उन्होंने हाल की उपलब्धियों तथा पूरे जोन में यात्री सुविधाओं को बढ़ाने के लिए की गई विभिन्न पहलों के बारे में विस्तार से बताया। बैठक में तिरुवनंतपुरम डिवीजन के मंडल रेल प्रबंधक डॉ. मनीष थपल्याल तथा दक्षिण रेलवे के प्रमुख विभागाध्यक्षों ने भी भाग लिया।

सांसदों ने नई रेलगाड़ियों की शुरूआत, अतिरिक्त ठहरावों का प्रावधान, नई रेलवे लाइन निर्माण की प्रगति, मौजूदा सेवाओं का विस्तार, स्टेशन विकास, दोहरीकरण और विद्युतीकरण कार्य, सड़क ओवर ब्रिज/रोड अंडर ब्रिज का निर्माण, यात्री सुविधाओं में सुधार और रेलवे परियोजनाओं के लिए भूमि अधिग्रहण सहित विभिन्न मुद्दों पर विचार-विमर्श किया। उन्होंने तिरुवनंतपुरम डिवीजन के आगे के विकास और सेवाओं में सुधार के लिए बहुमूल्य सुझाव भी दिए।

असफलता से सीख कर आगे बढ़ना चाहिए : महेन्द्र मुणोत

यूजी और पीजी अंतिम वर्ष के विद्यार्थियों का स्नातक दिवस आयोजित

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

केजीएफ। शहर के जैन कॉलेज के यूजी और पीजी अंतिम वर्ष के विद्यार्थियों के लिए 19वां स्नातक दिवस का आयोजन शुक्रवार को आयोजित किया गया। कॉलेज के प्रबंध ट्रस्टी महेंद्र मुणोत, प्रिंसिपल डॉ रेखा सेठी, संकाय सदस्यों और अभिभावकों की उपस्थिति में 328 विद्यार्थियों को पाठ्यक्रम पूर्णता प्रमाण पत्र प्रदान किए गए।

महेन्द्र मुणोत ने सभी का स्वागत करते हुए कॉलेज में प्रदान की जा रही शिक्षा की गुणवत्ता, प्रगतिशील दुनिया में बदलाव के बारे में बात की और विद्यार्थियों को असफलताओं से सीखने और आगे बढ़ने के लिए कहा। प्रिंसिपल डॉ रेखा सेठी ने कहा कि हमें हमेशा कुछ नया सिखते रहना चाहिए । संस्थान के प्लेसमेंट सेल द्वारा कैरियर विकास के अनेक कार्यक्रम और कैंपस ड्राइव कार्यक्रम के माध्यक्ष के कॉलेज के 72 विद्यार्थियों को रोजगार मिला और प्रबंधन ट्रस्टी, प्रिंसिपल और प्लेसमेंट अधिकारी डॉ. जयपंडियन द्वारा विद्यार्थियों को नियुक्ति पत्र प्रदान किए। विद्यार्थियों को शिक्षा, खेल व अन्य क्षेत्र में उनकी उपलब्धियों के लिए पुरस्कार दिए गए।

मिस आयरलैंड जैस्मिन गेरहार्ट ने धैर्य को अपनी सफलता की कुंजी बताया

बेंगलूरु/हैदराबाद/भाषा। मिस आयरलैंड जैस्मिन गेरहार्ट धैर्य और बड़े सपने देखने का महत्व अच्छी तरह जानती हैं जिनके दम पर वह अपने तीसरे प्रयास में 'ब्यूटी क्वीन' बन गईं।

उनका कहना है कि उनके लिए यह उचित होगा कि वह दूसरों को भी बड़े सपने देखने में मदद करें।

गेरहार्ट ने 'पीटीआई वीडियो' को दिए एक विशेष साक्षात्कार में कहा, ''मैंने इस सपने को पूरा करने के लिए तीन बार प्रयास किया। मैंने 17 साल की उम्र में प्रतिस्पर्धा में शामिल हुई, फिर 24 साल की उम्र में और अब 25 साल की उम्र में जीत हासिल की। लेकिन मैं हमेशा कहती हूं, जीवन में धैर्य ही सफलता की कुंजी है। क्योंकि अगर आप जीवन में असफल होते हैं, तो मुझे लगता है कि यह सफलता के अंतिम क्षण को और अधिक फलदायी बनाता है। आप देखिए, आप जीवन में जो चाहते हैं उसके लिए काम करते रहते हैं, और यह हकीकत बन जाता है।''

इन दिनों हो रही 72वें मिस वर्ल्ड प्रतियोगिता के लिए गेरहार्ट की 'ब्यूटी विद अ परपज' (बीडब्ल्यूएपी) परियोजना केप टाउन से लेकर कोलकाता और डबलिन तक के बच्चों को बड़े सपने देखने का मौका देगी। वह इसे 'ड्रीम इन ए बॉक्स' कहती हैं। इस बॉक्स में 'उचित सामग्री' मौजूद है। उन्होंने कहा, ''मेरे बॉक्स के अंदर मेरी अपनी किताब है। इसका नाम 'सनी एंड द सेफ हार्बर' है, और यह एक बच्चे के रूप में सुरक्षित जगह खोजने के बारे में है। मुझे लगता है कि आयरलैंड में एक युवा व्यक्ति के लिए - या दुनिया में कहीं भी - अपनी सुरक्षित जगह खोजना बहुत महत्वपूर्ण है। और यही इस किताब का सार है।'' उन्होंने कहा कि बॉक्स में अन्य चीजें भी हैं, जो एक बच्चे के सपने देखने के अधिकार की पुष्टि करती हैं।

गेरहार्ट ने अपने इंस्टाग्राम पेज पर इस परियोजना का वर्णन करते हुए लिखा है, ''क्योंकि जब आप किसी बच्चे को सपने देखने, कल्पना करने, सृजन करने का मौका देते हैं, तो सबसे करिश्माई चीजें सामने आने लगती हैं।''

गेरहार्ट ने कहा कि वह अपने मामले में एक-एक करके उन सभी चीजों को पूरा कर रही है जिसे उन्होंने छोटी उम्र में सूचीबद्ध किया था और मिस आयरलैंड बनना उनमें से एक था। उन्होंने कहा, ''मैं अपने परिवार में कॉलेज जाने वाली और स्नातक करने वाली पहली व्यक्ति हूं, यह एक और सपना सच होने जैसा है।'' गेरहार्ट ने कानून और मानवाधिकारों का अध्ययन किया है। गेरहार्ट ने कहा कि उनके विचार में गरीबी का अंत करने की कुंजी शिक्षा है।

वंचित समुदायों तक नेत्र चिकित्सा की पहुंच बढ़ाने हेतु न्यूसाइट फाउंडेशन की शुरुआत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। वंचित समुदायों के प्रति सहानभूति दिखाते हुए तथा उनकी नेत्र चिकित्सा देखभाल को और सुगम बनाने हेतु न्यू साइट फाउंडेशन की शुरुआत की गई है। संस्था के संस्थापक एरिक अग्रवाल ने बताया कि यह संस्था चेन्नई भर के वंचित समुदायों के लिए मुफ्त नेत्र देखभाल तथा उनमें नेत्र देखभाल के प्रति जागरूकता लाने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने बताया कि वंचित समुदायों के अनेकों लोग नेत्र रोग जैसी गंभीर समस्या से पीड़ित है परंतु उन्हें इसके बारे में पता नहीं है।वे इस बारे में कुछ भी कर पाने में असमर्थ है इसलिए हम अपनी संस्था के माध्यम से वंचित समुदाय के लोगों तक नेत्र स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ाने, नेत्र जांच तथा नैदानिक सेवाओं तक पहुंच बढ़ाने के लिए प्रयासरत है। उन्होंने कहा कि हमारा प्रयास रहेगा कि हम अपनी संस्था के माध्यम से स्कूल आधारित आउटरीच पर फोकस करते हुए वंचित समुदाय के व्यक्तियों को जीवन भर अपनी दृष्टि की रक्षा करने के लिए उन्हें ज्ञान और उपकरणों के साथ सशक्त बनाए।

फ्रेंडस वेलफेयर आर्गेनाइजेशन का निशुल्क प्लास्टिक शल्य चिकित्सा शिविर 21 मई से

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। स्थानीय फ्रेंडस वेलफेयर आर्गेनाइजेशन द्वारा हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी नौ-दिवसीय 28वें निशुल्क प्लास्टिक शल्यचिकित्सा शिविर का आयोजन 21 मई से मल्लेश्वरम के 18वें क्रॉस स्थित नारायण सुपर स्पेशलिटी अस्पताल में किया जा रहा है। 20 मई को सुबह 8.30 बजे से रोगियों की जांच शुरू की जाएगी। इस शिविर में यूएस की रोटोप्लास्ट यूएस की डाक्टरों की टीम माइक्रो सर्जरी, बर्न सर्जरी, कॉन्ट्रैक्चर आदि जैसी विकृतियों की शल्य चिकित्सा की जाएगी। ज़रूरतमंद रोगी इस शिविर का लाभ उठाने के उद्देश्य से दीपेन दवे से मोबाइल क्रमांक 9880307780 पर सम्पर्क कर सकते हैं।

डेटिंग ऐप्स से क्यों होता जा रहा है लोगों का मोहभंग?

कॉवेंट्री (ब्रिटेन) । कुछ समय पहले डेटिंग ऐप्स ने लोगों के रोमांटिक पार्टनर से मिलने के तरीके को बदल दिया था। लेकिन ऐसा लगता है कि अब इनकी लोकप्रियता खत्म होती जा रही है। आंकड़ों से पता चलता है कि पिछले साल, ब्रिटेन में चार बड़े डेटिंग ऐप ने अपने लाखों उपयोगकर्ता खो दिए। मेरे साथी और मैंने जो अध्ययन किया है, उससे पता चलता है कि ऐसा इसलिए हुआ है कि लोग इन ऐप से निराश हो चुके हैं और ऊब गए हैं।

यह निराशा आमतौर पर ऐप के दूसरे उपयोगकर्ताओं के अनुचित व्यवहार के कारण होती है। ऐसा लगता है कि यह बोरियत इस बढ़ते विश्वास से उत्पन्न होती है कि इन ऐप्स द्वारा इस्तेमाल की जाने वाली कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) सार्थक जुड़ाव की तुलना में अल्पकालिक जुड़ाव को प्राथमिकता देती है।

प्रदर्शन

कोलकाता में शिक्षक और गैर-शिक्षण कर्मचारी अपनी स्थायी नौकरी खोने के बाद अपनी स्थायी नौकरी की बहाली की मांग करते हुए साल्ट लेक में विकास भवन के सामने विरोध प्रदर्शन करते हुए।

सकारात्मक विचारधारा अमृत के समान है : राष्ट्रसंत कमलमुनि

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के उपनगर विजयपुरा में पहुंचे राष्ट्रसंत कमलमुनिजी कमलेश ने उपस्थित श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए कहा कि नकारात्मक विचारधारा व्यक्ति को कुंठित, संकीर्ण और असफलता की ओर धकेलती है। नकारात्मक सोच व अधर्म, पाप और पतन का मुख्य कारण है। उन्होंने कहा कि सकारात्मक विचारधारा अमृत के समान है जो मन में नई ऊर्जा का विकास करती है और उत्साह और उमंग का माहौल सकारात्मक विचारों से बनता है। मुनि कमलेशजी ने बताया कि नकारात्मक विचारधारा अंधकार के समान है, जहर है, साक्षात मृत्यु के समान है। विश्व के सभी महापुरुषों ने सकारात्मक विचारधारा को ही धर्म का आधार बताया है। जैन संत ने कहा कि वस्तु या व्यक्ति खराब नहीं होता है, हम उनके प्रति हमारे पॉजिटिव और नेगेटिव सोच के आधार पर अच्छा और बुरा का मूल्यांकन करते हैं यह सबसे बड़ी अज्ञानता है।

इस मौके पर एसएस जैन संघ साहुकारपेट चेन्नई से 25 गुरुभक्तों का प्रतिनिधिमंडल चातुर्मास की रूपरेखा हेतु संतसेवा में उपस्थित हुआ। संघ के अध्यक्ष प्रकाश खिंवेसरा, कार्याध्यक्ष सुशील ललवानी, महामंत्री डॉ. संजय पींचा, पूर्व अध्यक्ष अजीत कोठारी, कोषाध्यक्ष जितेंद्र भंडारी, विजय मालपानी, दिलीप गादिया, रमेश मालपानी, अनिल जैन, राजेश चोरड़िया, रमेश कटारिया, अशोक लोढ़ा ने संतों से विहार के विषय में चर्चा की।

महालक्ष्मी लेआउट जैन संघ ने शुरू की चातुर्मास प्रवेश व भवन उद्घाटन की तैयारियां

चातुर्मास प्रवेश व आराधना भवन का उद्घाटन 7 जुलाई को

बेंगलूरुद्धदक्षिण भारत । शहर के महालक्ष्मीलेआउट जैन संघ में आचार्यश्री विजयप्रभाकर सूरीश्वरजी व साध्वीश्री तत्वत्रयाश्रीजी का चातुर्मास होना तय है। साधु साध्वियों का चातुर्मास प्रवेश व आराधना भवन का उदघाटन 7 जुलाई को आचार्यश्री के सान्निध्य में होगा। चातुर्मास प्रवेश व उद्घाटन के कार्यक्रम की तैयारियों को लेकर शुक्रवार को स्फटिक चिंतामणि पार्श्वनाथ जैन चैरिटेबल ट्रस्ट के अध्यक्ष नरेश बंबोरी के निवास पर बैठक आयोजित हुई जिसमें चातुर्मास व्यवस्थाओं को लेकर अलग अलग कमेटियां बनाई गई। बैठक में पद्मावती देवी महापूजन के विषय पर भी चर्चा हुई। बैठक में अशोक कोठारी ने विभिन्न कार्यों की रूपरेखा बताई तथा रमेश चौपड़ा व विनोद भंसाली ने विभिन्न सदस्यों को जिम्मेदारी सौंपी। महेंद्र एवं सुनील बंबोरी ने सभी को धन्यवाद दिया।

माहेश्वरी महिला संगठन का आनन्द 'मेला उत्थान' 12 जुलाई को

बेंगलूरु। स्थानीय माहेश्वरी महिला संगठन द्वारा एक दिवसीय आनन्द मेला उत्थान 2025' का आयोजन 12 जुलाई को ओकलीपुरम स्थित माहेश्वरी भवन में प्रातः 10 बजे रात 8 बजे तक आयोजित किया जा रहा है। सचिव निर्मला काँकाणी ने बताया कि इस मेले का उद्देश्य है घरेलू व लघु उद्योग व व्यवसाय करने वाली महिलाओं को ऐसा मंच प्रदान करना जहाँ वे अपने व्यवसाय को सशक्त पहचान दिला सके। इस प्रदर्शनी में हीरे, सोने व चांदी के आभूषण, फैन्सी कपड़े, सौंदर्य प्रसाधन, घरेलू सजावट के सामान सहित खाने पीने के करीब 80 स्टॉल लगाए जाएंगे। आयोजकों ने बताया कि मेले से प्राप्त आय का उपयोग मानव सेवा कार्य में किया जाएगा। गत वर्ष मेले से प्राप्त राशि डॉ नरपत सोलंकी आई अस्पताल में जरूरतमंद रोगियों के ऑपरेशन के लिए दी गई।

पर्वतीय पारिस्थितिकी तंत्र को बचाने के लिए वैश्विक सहयोग की आवश्यकता : ओली

काठमांडू/भाषा। नेपाल के प्रधानमंत्री के पी शर्मा ओली ने शुक्रवार को कहा कि जलवायु परिवर्तन के प्रभावों को रोकने और पर्वतीय पारिस्थितिकी तंत्र को बचाने के लिए वैश्विक स्तर पर सामूहिक कार्रवाई करने की आवश्यकता है। ओली यहां 'जलवायु परिवर्तन, पर्वत और मानवता का भविष्य' विषय पर आयोजित तीन दिवसीय 'सागरमाथा संवाद' के उद्घाटन सत्र में बोल रहे थे।

इस कार्यक्रम में भारत के पर्यावरण मंत्री भूपेन्द्र यादव सहित 350 से अधिक राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय हस्तियां उपस्थित थीं। उन्होंने कहा कि यह आयोजन इस बारे में बताने के लिए है कि हिमालय को संरक्षित करने का अर्थ पृथ्वी, महासागरों और मानवता को संरक्षित करना है।

ओली ने कहा, ''हमारे घर भूस्खलन से नष्ट हो रहे हैं। बाढ़ और सूखा की अप्रत्याशित स्थिति है, फिर भी हम मजबूत बने हुए हैं। हमारा उत्सर्जन कम है और पर्यावरण संरक्षण में हमारा योगदान महत्वपूर्ण है। हमें उम्मीद है कि यह संवाद उच्च स्तर का होगा, जिसमें नैतिक स्पष्टता, मजबूत बौद्धिक साहस और सुंदर भविष्य बनाने के लिए एक दृढ़ एवं साझा दृष्टिकोण होगा।'' उन्होंने पर्वतीय पारिस्थितिकी तंत्र को बचाने के लिए वैश्विक सहयोग की आवश्यकता पर बल दिया।

भारत के पर्यावरण मंत्री यादव ने दोनों देशों की ''अधिक ऊंचाई वाली जैव विविधता और पर्वतीय परिदृश्य के महत्व को ध्यान में रखते हुए'' हिम तेंदुओं सहित बिल्ली प्रजाति के बड़े जानवरों के संरक्षण के क्षेत्र में नेपाल और भारत के बीच सहयोग की आवश्यकता को रेखांकित किया। उन्होंने कहा कि दक्षिण एशिया ''वैश्विक जनसंख्या के लगभग 25 प्रतिशत लोगों का निवास स्थान होने के बावजूद संचयी वैश्विक कार्बन उत्सर्जन में केवल चार प्रतिशत के लिए जिम्मेदार है''। तीन दिवसीय कार्यक्रम में जलवायु विशेषज्ञों, पर्यावरण कार्यकर्ताओं, सरकारी अधिकारियों, राजनयिकों और मीडियाकर्मियों सहित 300 से अधिक प्रतिभागी भाग ले रहे हैं।

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006.
Regn No. RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520 **Editor : Bhupendra Kumar** (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar.
Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.